खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 22 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-52

श्रद्धेय गोपाल जी अग्रवाल के महानिर्वाण की छह माह पूर्ण

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

हर पल हृदय को आती है आपकी याद
आपसे ही थी हमारी दुनिया आबाद
बिना आपके अधूरा है हमारा संसार
कभी न भूल पाएँगे हम आपके द्वारा दिए गए संस्कार

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता :

फर्म : **BASAI STEEL & POWER PVT. LTD.**
RN METALS PVT. LTD.
DAILY SHUBH LABH (HINDI DAILY)

नेपाल-भारत आर्थिक सहकार्य सहज और परिणाममुखी बनाने पर जोर

काठमांडू, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ के अध्यक्ष चन्द्रप्रसाद ढकाल ने नेपाल-भारत आर्थिक सहयोग को और अधिक परिणाममुखी बनाने पर जोर दिया है।

नई दिल्ली में शुरू हुए द्वितीय इंडो-नेपाल व्यापार महोत्सव 2026 को शनिवार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सरल कस्टम प्रक्रिया, मानकों का समन्वय, डिजिटल व्यापार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों को वित्तीय पहुँच और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में सहूलियत प्रदान की जानी चाहिए।

ढकाल ने कहा कि भारत, नेपाल का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार और प्रमुख निवेश स्रोत है। उन्होंने उल्लेख किया कि खुली सीमा, सांस्कृतिक निकटता और जनस्तर के संबंधों ने दोनों देशों की साझेदारी को विशिष्ट बनाया है।

उन्होंने वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखलाओं में अवरोध की स्थिति का उल्लेख करते हुए पड़ोसी देशों के बीच सहयोग को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उनका कहना था कि भारत के हालिया केंद्रीय बजट में अवसंरचना, डिजिटल कनेक्टिविटी, हरित ऊर्जा तथा लघु एवं मध्यम उद्योगों के प्रोत्साहन को दी गई प्राथमिकता नेपाल के लिए भी नए अवसर सृजित कर सकती है।

अध्यक्ष ढकाल ने जानकारी दी कि नेपाल जलविद्युत संसाधनों में समृद्ध है और भारत को बिजली निर्यात शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि उपयुक्त प्रसारण लाइन और नीतिगत स्थिरता सुनिश्चित होने पर नेपाल भारत का विश्वसनीय हरित ऊर्जा साझेदार बन सकता है।

उन्होंने पर्यटन क्षेत्र में नेपाल की प्राकृतिक सुंदरता, साहसिक और आध्यात्मिक गंतव्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि होटल, रिसार्ट और केबल कार परियोजनाओं में निवेश के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, नेपाल में ऊर्जा, पर्यटन, औद्योगिक क्षेत्र, विशेष आर्थिक क्षेत्र, सीमा-पार लाजिस्टिक्स, कृषि प्रसंस्करण, औषधि उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक संभावनाएँ हैं। इन क्षेत्रों में निवेश के लिए मैं भारतीय निवेशकों से आग्रह करता हूँ।

नेपाल के निजी क्षेत्र द्वारा सदैव राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक अनुशासन के पक्ष में आवाज उठाने का उल्लेख करते हुए ढकाल ने कहा कि दीर्घकालीन निवेशकों का विश्वास बनाए रखने के लिए नेपाल में नीतिगत सुधार जारी हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इंडो-नेपाल व्यापार महोत्सव केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सद्भावना को व्यावसायिक साझेदारी में परिवर्तित करने का एक मंच है। अध्यक्ष ढकाल ने हरित ऊर्जा, डिजिटल सेवाएँ, पर्यटन और विनिर्माण क्षेत्र में ठोस सहयोग आगे बढ़ाने के लिए भारतीय उद्योगपतियों एवं निवेशकों से आह्वान किया।

न्यूज ब्रीफ

पाक की पंजाब सरकार ने दी सख्त चेतावनी, कहा- आतंकियों को दाना पानी देने वालों को होगी जेल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान नागरिकों के लिए एक

महत्वपूर्ण सुरक्षा और कानूनी चेतावनी जारी की है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि नागरिक अपनी जकात, खैरात और किसी भी प्रकार का डोनेशन देते समय अत्यंत सावधानी बरतें। आधिकारिक आदेश के अनुसार, किसी भी प्रतिबंधित संगठन या संदिग्ध संस्था को आर्थिक मदद पहुंचाना एंटी-टेररिज्म एक्ट 1997 के तहत एक गंभीर अपराध माना जाएगा। सरकार ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति या समूह ऐसे संगठनों को वित्तीय सहायता देते हुए पकड़ा जाता है, तो उसके खिलाफ तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पंजाब सरकार ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रतिबंधित संगठनों, चरमपंथी समूहों और अपंजीकृत ट्रस्टों की एक विस्तृत सूची भी साझा की है। इस सूची में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल-कायदा, जमीयत-उल-अंसार, आईएसआईएस और हिज्ब-उत-तहरीर जैसे संगठन शामिल हैं, जिन्हें भारत सरकार ने पहले ही आतंकी संगठन घोषित कर रखा है। पाकिस्तान में भी इन पर प्रतिबंध लागू है, हालांकि वहां की सरकार इन्हें चरमपंथी समूहों की श्रेणी में रखती है। प्रशासन का मानना है कि चरमपंथी तत्वों तक धन की पहुंच रोकने में आम जनता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, इसलिए लोगों को किसी भी संस्था को दान देने से पहले उसकी वैधता की पूरी जांच-पड़ताल कर लेनी चाहिए। आतंकवाद विरोधी इस सूची में बलूचिस्तान से जुड़े कई अलगाववादी और सशस्त्र संगठन भी शामिल हैं, जिनमें बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी, बलूच रिपब्लिकन पार्टी आजाद और बलूचिस्तान यूनाइटेड आर्मी जैसे नाम प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के विभिन्न गुटों, इस्लामिक मूवमेंट आफ उज्बेकिस्तान और 313 ब्रिगेड जैसे अंतरराष्ट्रीय समूहों को भी इस पाबंदी के दायरे में रखा गया है।

ट्रंप ने 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ संबंधी कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ

का आदेश जारी किया है जो तुरंत लागू होगा। मौजूदा अमेरिकी टैरिफ के अतिरिक्त लगाया गया यह शुल्क भारत सहित सभी देशों को प्रभावित करेगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की तरफ से हालिया दिनों में लगाए गए टैरिफ को असंवैधानिक ठहराए जाने के बाद 21 फरवरी को राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी देशों पर 10 फीसदी वैश्विक टैरिफ लगाने संबंधी आदेश जारी किया है।व्हाइट हाउस ने ट्रुथ सोशल पर जारी की गई ट्रंप की पोस्ट को साझा किया है जिसमें बताया गया है कि राष्ट्रपति ने सभी देशों पर 10 प्रतिशत का वैश्विक टैरिफ लगाने संबंधी कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिया है और यह टैरिफ तुरंत प्रभाव से लागू होगा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने एक दिन पूर्व ट्रंप की टैरिफ नीतियों को असंवैधानिक करार दिया।ट्रंप ने इसे निराशाजनक बताते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में उनकी दलीलों को सही तरह से नहीं सुना गया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें ऐसे निर्णय की उम्मीद नहीं थी।

ब्रिटेन की महिला का ऊंचा कद ही बना उसकी बड़ी ताकत

लंदन। ब्रिटेन की एक महिला ने अपने ऊंचे कद को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया। उसके ऊंचे कद

कारण कभी लोग उसका मजाक उडाया करते थे वे ही उनकी प्रशंसा करने पर मजबूर है। ब्रिटेन के ब्रिस्टल में रहने वाली 26 वर्षीय अमीरा इवेंस की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। अमीरा की लंबाई 6 फीट 7 इंच है, जिसकी वजह से उन्हें बचपन से ही तानों, मज़ाक और बुलींग का सामना करना पड़ा। स्कूल में लड़के उन्हें खंभा और अजीब कहकर चिढ़ाते थे, उनकी लंबी टांगों का मजाक उड़ाया जाता था। इससे उनके मन में अपने शरीर को लेकर हीन भावना पैदा हो गई थी। अमीरा बताती हैं कि स्कूल में वे हमेशा सबसे लंबी लड़की थीं, उनका शरीर दुबला-पतला और एथलेटिक था। हाथ-पैर से लेकर जूतों का साइज तक सामान्य लड़कियों से बड़ा होने के कारण वे खुद को भीड़ में अलग-थलग महसूस करती थीं। उन्हें लगता था कि वे कभी आकर्षक नहीं दिख पाएंगी, क्योंकि ब्रिटिश महिलाएं आमतौर पर इतनी लंबी नहीं होतीं। लेकिन यह सोच तब बदली जब वे यूनिवर्सिटी पहुंचीं। पढ़ाई के दौरान अतिरिक्त कमाई के लिए उन्होंने वेबकैमिंग शुरू की। शुरुआत में उन्हें संदेह था कि कोई उन्हें पसंद करेगा, मगर जल्द ही उन्हें एहसास हुआ कि उनका ऊंचा कद ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। वेबकैमिंग की दुनिया में उनकी लंबाई और शारीरिक शक्ति ने उन्हें एक विशेष मार्केट में तेजी से लोकप्रिय बना दिया। लोग उन्हें डोमिनेट्रिक्स अवतार में देखना पसंद करने लगे। उस समय अमीरा ओलंपिक वेटलिफ्टिंग का अभ्यास भी करती थीं, जिससे वे इतनी ताकतवर थीं कि किसी भी औसत कदकाठी वाले पुरुष को आसानी से उठा सकती थीं। उनके इंस्टाग्राम पर 10 लाख से ज्यादा फालोअर्स हैं और उनकी लंबी टांगों के फैन दुनिया भर में मौजूद हैं।

पालतू पिटबुल डॉग ने अपने ही मालिक का शरीर नोंच-नोंच कर खा लिया

रोम, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

इटली के पेरुगिया में एक पालतू पिटबुल डाग ने अपने मालिक का शरीर काटकर जश्मी कर दिया जिससे मालिक की मौत हो गई थी, जिसके बाद उसके 3 पालतू डाग्स कई दिनों तक उसका शरीर खाते रहे और जब बदबू आने लगी तब जाकर पड़ोसियों को शक हुआ। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया, जब अपार्टमेंट का दरवाजा तोड़ा तो पुलिसवाले अंदर का नजारा देखकर हैरान गए। इस शख्स का आधा शरीर गायब था और कुत्तों की हालत देखकर कोई अंदर जाने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहा था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इतनी खौफनाक मौत पाने वाले शख्स की पहचान 52 साल के सल्वातोर एलेग्रुची के रुप में हुई, जिन्होंने अपने अकेलेपन को दूर करने के लिए 3 पिटबुल डाग्स पाले थे वो अपार्टमेंट में मृत पाए गए और उनके शरीर का आधा हिस्सा उन्हीं के तीन पिटबुल कुत्तों ने खा लिया था। यह दिल दहला देने वाला मंजर तब सामने आया जब कई दिनों तक संपर्क न हो पाने पर उनकी भतीजी ने पुलिस को सूचना दी। जब अधिकारी घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे, तो वहां की दुर्गंध और खौफनाक दृश्य देखकर रूह कांप गई।

जानकारी के मुताबिक इटली के गुआल्डो टाडिनो गांव में रहने वाले सल्वातोर अपने अपार्टमेंट में बिल्कुल अकेले रहते थे। पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक सल्वातोर की मौत करीब चार दिन पहले किसी अचानक बीमारी की वजह से हुई थी। घर के अंदर बंद उन तीन पिटबुल कुत्तों को चार दिनों तक न तो खाना मिला और न ही पानी। भूख से पागल हो चुके इन बेजुबानों ने आखिर में अपने ही मालिक के बेजान शरीर को अपना खाना बना लिया। उधर सल्वातोर की भतीजी उन्हें लगातार काल किए जा रही थी, जिसका कोई जवाब नहीं मिल रहा था, जिसकी वजह से उसे किसी अनहोनी का शक हुआ। 15 फरवरी को जब पुलिस और फायरफाइटर मौके पर पहुंचे, तो घर से उठती तेज गंध सब कुछ बयां कर रही थी। जब रेस्क्यू टीमें अंदर दाखिल हुईं, तो वे तीनों पिटबुल काफी हिंसक थे। इसके बाद काफी मशक्कत करते हुए स्थानीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की पशु चिकित्सा सेवा ने तीनों कुत्तों को अपने कब्जे में ले लिया है, जहां उनकी मानसिक और शारीरिक स्थिति की जांच की जाएगी।

ट्रंप के नाम पर एयरपोर्ट रखने का प्रस्ताव, फ्लोरिडा की राजनीति में छिड़ी बहस

फ्लोरिडा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर फ्लोरिडा के पालम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलने का प्रस्ताव अमेरिकी राजनीति में चर्चा का बड़ा विषय बन गया है। रिपब्लिकन बहुल फ्लोरिडा स्टेट लेजिस्लेचर एयरपोर्ट का नाम डोनल्ड जे ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट रखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राज्य के हाउस आफ रिप्रेजेंटेटिव्स में मंगलवार को यह प्रस्ताव 81-30 मतों से पारित हो गया। रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं का तर्क है कि ट्रंप फ्लोरिडा से राष्ट्रपति बनने वाले पहले व्यक्ति हैं, इसलिए उन्हें यह सम्मान मिलना चाहिए। हालांकि ट्रंप ने अपने जीवन का अधिकांश समय न्यूयार्क में बिताया और अपने पहले कार्यकाल के अंतिम चरण में फ्लोरिडा को आधिकारिक निवास बनाया था। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी के कई सांसदों ने इसका विरोध किया। उनका कहना है कि किसी मौजूदा राष्ट्रपति या पद पर आसीन नेता के नाम पर सार्वजनिक संपत्ति का नामकरण असामान्य परंपरा है और इससे राजनीतिक संदेश जाता है। ट्रेडमार्क आवेदन से बढ़ा विवाद विवाद का एक और बड़ा कारण द ट्रंप आर्गनाइजेशन द्वारा दायर ट्रेडमार्क आवेदन है। कंपनी ने डोनल्ड जे ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट और उससे मिलते-जुलते नामों के लिए ट्रेडमार्क रजिस्ट्रेशन की अर्जी दी है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, ट्रंप या उनका परिवार एयरपोर्ट के नाम बदलने से कोई रायल्टी या लाइसेंस शुल्क नहीं लेगा। हालांकि स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रेडमार्क दस्तावेज संकेत देते हैं कि इस नाम का उपयोग घड़ियों, आभूषण, कपड़े, रेस्तरां सेवाओं और स्मारिका वस्तुओं के लाइसेंसिंग के लिए किया जा सकता है। आवेदन में एयरपोर्ट के बैगेज चेक-इन क्षेत्र, निर्माण कार्य और यहां तक कि सुरक्षा जांच के दौरान इस्तेमाल होने वाले उत्पादों पर भी अधिकार का दावा शामिल बताया जा रहा है। विपक्ष का संशोधन खारिज स्टेट सीनेट में विपक्षी सांसदों ने एक संशोधन पेश कर यह सुनिश्चित करने की मांग की थी कि ट्रंप या उनके परिवार को नए नाम से कोई निजी आर्थिक लाभ न हो। हालांकि रिपब्लिकन सदस्यों ने समिति स्तर पर इस संशोधन को खारिज कर दिया। अब यह विधेयक सीनेट में मतदान के लिए जा सकता है। माना जा रहा है कि फ्लोरिडा के गवर्नर इसे मंजूरी दे सकते हैं। यह प्रस्ताव केवल नाम परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़े संभावित व्यावसायिक और राजनीतिक प्रभावों को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर बहस तेज हो गई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर मंत्री का बयान, सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी

ढाका, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार में 77 वर्षीय निताई राय चौधरी को संस्कृति मंत्री नियुक्त किया है। वे रहमान सरकार में एकमात्र हिंदू मंत्री हैं और बीएनपी की केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष भी हैं। शपथ लेने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी और देश में कट्टरपंथ को फैलने नहीं दिया जाएगा।

देश की मौजूदा स्थिति पर मंत्री चौधरी ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली सरकार पर संस्थाओं को कमजोर करने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि 2024 में हसीना के देश छोड़ने के समय हालात बेहद खराब थे। उन्होंने विशेष रूप से शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित बताकर आरोप लगाया कि अवामी लीग शासन में साक्षरता दर बढ़ाने के लिए बिना मैरिट के 98 प्रतिशत छात्रों को पास किया जाता था।

संस्कृति के मुद्दे पर रहमान के मंत्री चौधरी ने कहा कि पिछली सरकार ने देश की सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाया और अश्लील नृत्य-संगीत को बढ़ावा दिया। नई सरकार विविधता में एकता की भावना को मजबूत करेगी और पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करेगी।

अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर उठ रही चिंताओं पर हिंदू मंत्री ने कहा कि हालिया चुनावों में हिंदू मतदाताओं की बड़ी भागीदारी इस बात का संकेत है कि वे खुद को देश का अभिन्न हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा कि हिंदू समुदाय अब किसी भी दल का मात्र वोट बैंक नहीं बनना चाहता। प्रधानमंत्री और बीएनपी नेताओं द्वारा दिए गए सुरक्षा आश्वासन के बाद हिंदू मतदाताओं ने बड़ी संख्या में समर्थन दिया।

उन्होंने दावा किया कि संसद की 297 सीटों में से करीब 80 सीटों पर हिंदू मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। पहले यह समर्थन मुख्य रूप से अवामी लीग को मिलाता था, लेकिन उसके कमजोर होने के बाद समुदाय असुरक्षित महसूस कर रहा था। नई सरकार ने उनका विश्वास बहाल करने की कोशिश की है। संस्कृति मंत्री के रूप में चौधरी ने कहा कि बंगाली संस्कृति अत्यंत समृद्ध है और बांग्लादेश के कम से कम 48 देशों के साथ सांस्कृतिक संबंध हैं। रहमान सरकार इन रिश्तों को और मजबूत करेगी तथा कट्टरपंथ के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए पारंपरिक मूल्यों को आगे बढ़ाएगी।

लेबनान में इस्राइली हमलों से 12 की मौत, बच्चों समेत 24 घायल

बेरूत। मध्य पूर्व में तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। लेबनान के पूर्वी बेका घाटी में इस्राइल के हवाई हमलों में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 24 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। उसी दिन सैदा शहर के एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर हुए अलग हमले में दो और लोगों की जान गई। इन घटनाओं से क्षेत्र में हालात और संवेदनशील हो गए हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार शुक्रवार को बेका घाटी में कई ठिकानों पर हवाई हमले हुए। स्थानीय टीवी फुटेज में एक बहुमंजिला इमारत को निशाना बनते दिखाया गया। हमले के बाद इमारत में आग लग गई और राहत टीमें मलबे में फंसे लोगों की तलाश करती रहीं। इस्राइली सेना ने दावा किया कि उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह की ओर से तुरंत कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई। सैदा में शरणार्थी शिविर पर हमला दिन में पहले सैदा के ऐन अल-हिलवेह फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर भी हमला हुआ। इस्राइल ने कहा कि उसने हमास के कमांड सेंटर को निशाना बनाया। हमास ने दो सदस्यों की मौत की पुष्टि की, लेकिन कहा कि कमांड सेंटर पर हमले का दावा कमजोर बहाना है। संगठन ने कहा कि जिस इमारत को निशाना बनाया गया वह विभिन्न फलस्तीनी गुटों की संयुक्त सुरक्षा इकाई की थी।

290 किमी का सफर तय करने में यहां ट्रेन को लगते है पूरे 8 घंटे

बर्न, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

चीन और जापान जैसे देशों में तो सुपरफास्ट ट्रेनें सैकड़ों किलोमीटर का सफर कुछ ही घंटों में पूरा कर लेती हैं। लेकिन इसके विपरीत दुनिया में एक ऐसी एक्सप्रेस ट्रेन भी है, जिसकी रफ्तार इतनी धीमी है कि महज 290 किलोमीटर का सफर तय करने में उसे पूरे 8 घंटे लगते हैं। इस वजह से उसे दुनिया की सबसे धीमी एक्सप्रेस ट्रेन के खिताब से जाना जाता है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यह ट्रेन है स्विट्ज़रलैंड की प्रसिद्ध ग्लेशियर एक्सप्रेस। यह ट्रेन आल्प्स पर्वत श्रृंखला के खूबसूरत लेकिन चुनौतीपूर्ण इलाकों से गुजरती है। ग्लेशियर एक्सप्रेस स्विट्ज़रलैंड के दो लोकप्रिय कस्बों झेरमाट और सेंट.मॉरिटज को जोड़ती है। इसकी औसत गति केवल 36 किलोमीटर प्रति घंटा है, जो सुनने में किसी एक्सप्रेस ट्रेन जैसी बिल्कुल नहीं लगती। मगर इसके पीछे कई बड़ी वजहें हैं।दरअसल, ग्लेशियर एक्सप्रेस का उद्देश्य सिर्फ गंतव्य तक पहुंचाना नहीं, बल्कि यात्रियों को आल्प्स पर्वत की अद्भुत सुंदरता से रूबरू कराना है। इसकी खिड़कियाँ बेहद बड़ी बनाई गई हैं ताकि यात्रियों को पैनारोमिक व्यू मिल सके और वे प्राकृतिक नज़ारों का आनंद उठा सकें। लोग इस ट्रेन में सफर

इसलिए करते हैं ताकि वे स्विट्ज़रलैंड की शानदार घाटियों, पहाड़ों और ग्लेशियरों को करीब से देख सकें। ट्रेन के धीमी गति से चलने के तकनीकी कारण भी हैं। इसका पूरा रूट दुर्गम पहाड़ी इलाकों से गुजरता है जहाँ तेज गति में ट्रेन चलाना जोखिम भरा हो सकता है। कहीं ऊँची चढ़ाई है, कहीं तेज ढलान, तो कहीं खतरनाक मोड़। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्पीड को नियंत्रित रखा जाता है। इसके अलावा यह ट्रेन नैरो गेज ट्रैक पर चलती है, जिस पर अत्यधिक रफ्तार उपयुक्त नहीं मानी जाती। यह 8 घंटे का सफर बेहद रोमांचक माना जाता है क्योंकि रास्ते में ट्रेन 291 पुलों और 91 टनलों से गुजरती है। यह यात्रा समुद्र तल से करीब 6670 फीट की ऊँचाई पर होती है, जो इसे और भी अनूठा बनाती है। ग्लेशियर एक्सप्रेस में फर्स्ट क्लास, सेकंड क्लास और लग्ज़री एक्सिलेंस क्लास जैसी सुविधाएँ मिलती हैं, जहाँ यात्रियों को 5-स्टार होटल जैसी सर्विस दी जाती है।

पाकिस्तान में करीब 75 लाख लोग कुपोषण और फूड इनसिक्योरिटी के शिकार

संयुक्त राष्ट्र की नई असेसमेंट रिपोर्ट में खुलासा, पेट काटकर भर रहे बिजली बिल

इस्लामाबाद, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

संयुक्त राष्ट्र की नई असेसमेंट रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में करीब 75 लाख लोग भयंकर कुपोषण और फूड इनसिक्योरिटी का शिकार हैं। पिछले साल आई भारी बाढ़ और सूखे ने हालात बदतर कर दिए हैं। इसके साथ ही बढ़ती हिंसा ने लोगों से उनका रोजगार छीन लिया है। आलम यह है कि लोग अपना पेट काटकर घर और बिजली के बिल भर रहे हैं। यूएन की रिपोर्ट बताती है कि अगर तुरंत मदद नहीं मिली तो लाखों लोग भूखमरी का शिकार हो जाएंगे। देश की इकानमी पूरी तरह

क्रैश हो चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2025 से मार्च 2026 का समय पाकिस्तान के लिए बेहद भारी है। एक डेटा के मुताबिक करीब 12.5 लाख लोग आपातकाल के स्तर पर पहुंच जाएंगे। यहां बड़े पैमाने पर खाने की कमी देखी जा रही है। यूएन ने कहा है कि एक मिलियन से ज्यादा लोगों को लाइफ सेविंग मदद चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो देश में एक बड़ी महाविपत्ति आ सकती है। साल 2025 में आई मानसूनी बाढ़ ने एग्रीकल्चर सेक्टर को तबाह कर दिया है। सूखे और लोकल असुरक्षा के कारण खेती और पशुपालन पर बुरा असर पड़ा है। इससे प्रोडक्शन काफी घट गया है। इसके अलावा मार्केट भी बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। सर्दियों के मौसम ने भी संकट को बढ़ा दिया है। इस सीजन में मजदूरी और इनकम के मौके बहुत कम हो जाते हैं। गेहूं के आटे की कीमत और सप्लाई सबसे बड़ी चिंता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। गैलप पाकिस्तान के एक सर्वे में हैरान करने वाली बात सामने आई है। हाउसहोल्ड इनकम एंड एक्सपेंडिचर सर्वे के डेटा से पता चलता है कि लोग खाने पर खर्च कम कर रहे हैं। 2005 में खाने पर 43 परसेंट खर्च होता था। अब 2025 में यह घटकर 37 फीसदी रह गया है। लोग अपना पेट काटकर मकान और बिजली-पानी का फिक्स खर्च निकाल रहे हैं। भूख के साथ-साथ एजुकेशन सेक्टर भी बुरी तरह चरमरा गया है। पब्लिक फाइनेंसिंग आफ एजुकेशन की रिपोर्ट ने सरकार की पोल खोल दी है। देश में एजुकेशन का बड़ा खर्च अब परिवार उठा रहे हैं। टोटल 5.03 ट्रिलियन रुपए के खर्च में से 2.8 ट्रिलियन आम पब्लिक दे रही है। वहीं सरकार का योगदान सिर्फ 2.23 ट्रिलियन रुपए है।

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 22 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-52

शतक की विशेष स्क्रीनिंग

नमस्ते सदा वत्सले

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वंदे मातरम, भारत माता की जय, देश की रक्षा कौन करेगा, हम करेंगे हम करेंगे जैसे गगनभेदी नारों और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे के बीच काचीगुडा स्थित आइनाक्स माहेश्वरी परमेश्वरी थियेटर में आयोजित फिल्म शतक का विशेष स्क्रीनिंग का कार्यक्रम देशभक्तिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। स्वयं सेवक व भाजपा के युवा नेता अविनाश देवडा द्वारा आयोजित इस विशेष स्क्रीनिंग कार्यक्रम में मेदक के सांसद रघुनंदन, संघ के प्रांत प्रचारक लिंगम श्रीधर जी, सह कार्यवाहक मल्लिकार्जुन जी, अच्युत जी, रामाराव जी, रमेश सोलंकी जी, गोकुल जी उपाध्याय, संतोष जी, इंदरेंद्र जी चालक, विनोद जी शींदे, श्रीकांत जी, हरिकिशन जी ओझा, रामेश्वर जी एलआईसी, बलदेव सिंह, दीपक गिल्डा, नवीन, राहुल भाटी, जेडी विजेंद्र सिंह, मनमीत सिंह सहित भारी संख्या में महिला, पुरुष स्वयंसेवक उपस्थित थे। ऐसा लग हा था मानो थिएटर में ही संघ की शाखा लगी हो। अंत में स्वयंसेवकों ने थिएटर में स्वच्छता अभियान भी चलाया।

शतक – राष्ट्र समर्पण की प्रेरक

शताब्दी गाथा : देवडा

आयोजक अविनाश देवडा ने इस स्पेशल स्क्रीनिंग के बाद कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और संगठनात्मक यात्रा पर आधारित फिल्म शतक एक प्रेरणादायी एवं विचारोत्तेजक प्रस्तुति है। यह फिल्म राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना से लेकर उसके शताब्दी वर्ष तक के तप, त्याग, सेवा और समर्पण को प्रभावशाली रूप से चित्रित करती है। फिल्म में संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के राष्ट्रनिष्ठ विचारों, संगठन निर्माण की दूरदृष्टि और अनुशासनपूर्ण कार्यपद्धति को सशक्त ढंग से प्रस्तुत किया गया है। ऐतिहासिक घटनाओं के पुनर्निर्माण, प्रभावशाली संवाद एवं भावपूर्ण पृष्ठभूमि संगीत के माध्यम से यह फिल्म दर्शकों को राष्ट्र सेवा के मूल्यों से जोड़ने का सफल प्रयास करती है।

▶10पर

ट्रंप है कि मानता नहीं

अब 10 नहीं 15% टैरिफ

वाशिंगटन, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्लोबल टैरिफ को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि अमेरिका तत्काल प्रभाव से दुनिया भर के देशों पर लागू 10 प्रतिशत टैरिफ को बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि कई देश दशकों से अमेरिका का फायदा उठाते रहे हैं और यह फैसला उसी के जवाब में लिया जा रहा है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि यह कदम पूरी तरह कानूनी दायरे में है और पहले से परीक्षण किया जा चुका है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि आने वाले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन नए और कानूनी रूप से लीगल टैरिफ की घोषणा करेगा। उनके मुताबिक, यह नीति अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और घरेलू उद्योगों की रक्षा के लिए जरूरी है। ट्रंप आने वाले समय में कई देशों पर नए टैरिफ दरें लागू कर सकते हैं।

राष्ट्रपति ने अपनी पोस्ट में मेक अमेरिका ग्रेट अगेन

अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी सरकार इसी दिशा में काम कर रही है और नए टैरिफ उसी रणनीति का हिस्सा हैं। उन्होंने दावा किया कि अब तक उठाए गए कदम बेहद सफल रहे हैं और आगे भी अमेरिका को फायदा होगा। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया कि इस फैसले का उद्देश्य अमेरिकी विनिर्माण को बढ़ावा देना और व्यापार घाटे को कम करना है। ट्रंप ने विश्वास जताया कि यह प्रक्रिया अमेरिका को पहले से कहीं अधिक महान बनाने (एमएजीए) के उनके मिशन को सफल बनाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से भारत सहित दुनिया भर की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्थाओं पर गहरा असर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह टैरिफ बढ़ोतरी लागू होती है तो वैश्विक व्यापार पर इसका असर पड़ सकता है। खास तौर पर अमेरिका के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार करने वाले देशों के निर्यात पर दबाव बढ़ सकता है।

साथ ही, जवाबी टैरिफ की आशंका भी बढ़ सकती है, जिससे व्यापारिक तनाव तेज हो सकता है।

फिलहाल, ट्रंप प्रशासन की ओर से विस्तृत सूची और समयसीमा जारी होना बाकी है। बाजार और वैश्विक साझेदार अब अगले कदम पर नजर बनाए हुए हैं।

नामपल्ली एफएसएल अग्निकांड

रिकवरी असंभव

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नामपल्ली स्थित स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) में पिछले दिनों लगी भीषण आग के मामले में एक बड़ा और चिंताजनक अपडेट सामने आया है। नागपुर से आई विशेषज्ञों की एक विशेष टीम ने अपनी जांच पूरी कर ली है, जिसमें पाया गया है कि इस अग्निकांड में कुल 1100 फाइलें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं।

विशेष टीम ने इन जली हुई फाइलों से डेटा रिकवर करने की काफी कोशिश की, लेकिन अंततः यह निष्कर्ष निकाला कि इन फाइलों से जानकारी वापस पाना अब लगभग नामुमकिन है।

फॉरेंसिक लैब किसी भी आपराधिक मामले की जांच में रीढ़ की हड्डी की तरह काम करती है। यहाँ खून के नमूने, बाल, उंगलियों के निशान (फिंगरप्रिंट्स), हथियार, गोलियां और दस्तावेजों की जांच कर उनकी सत्यता जांची जाती है। इसके अलावा, डीएनए नमूने और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाती है, जो अदालत के फैसलों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। इतनी बड़ी संख्या में फाइलों के नष्ट होने से

राज्य के कई गंभीर मामलों की जांच प्रभावित होने की आशंका है।

50 कंप्यूटर और अहम हार्ड डिस्क स्वाहा

नागपुर की विशेष टीम की रिपोर्ट के अनुसार हार्डवेयर को भारी नुकसान हुआ, जिसमें आग में 50 कंप्यूटर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। पुलिस द्वारा जब्त की गई कई हार्ड डिस्क भी जल गई हैं। इन हार्ड डिस्क में गंभीर अपराधों से जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी सबूत जमा थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि कम से कम एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले से जुड़े सारे साक्ष्य इन नष्ट हुई फाइलों में शामिल थे।

फोन टैपिंग मामले के सबूत भी हुए राख?

सूत्रों के अनुसार, राज्य में राजनीतिक हलचल मचाने वाले फोन टैपिंग मामले से

▶10पर

'खामोश' सदा के लिए

कोर्ट ने उपयोग पर लगाई रोक

मुंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने दिग्गज अभिनेता और लोकसभा सांसद शत्रुघ्न सिन्हा को एक बड़ी राहत देते हुए उनके नाम, छवि और उनके प्रतिष्ठित संवाद खामोश के सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स और अश्लील वेबसाइटों पर कथित दुरुपयोग के खिलाफ अंतरिम संरक्षण प्रदान किया है।न्यायमूर्ति शर्मिला देशमुख द्वारा 16 फरवरी को चैंबर में पारित यह आदेश 21 फरवरी को सार्वजनिक किया गया। इस आदेश के माध्यम से अदालत ने कई अज्ञात संस्थाओं (जॉन डो), सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और ई-कॉमर्स पोर्टल्स को सिन्हा के व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों का फायदा उठाने से रोक दिया है।

खामोश अब ट्रेडमार्क की तरह सुरक्षित

हाई कोर्ट ने माना कि शत्रुघ्न सिन्हा का विशिष्ट नाम और उनका प्रसिद्ध संवाद खामोश अब ट्रेडमार्क जैसी विशिष्टता हासिल कर चुका है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 27(2) के तहत इन्हें सुरक्षा मिलनी चाहिए। रोक के दायरे में उनका नाम, आवाज का अंदाज, सिग्नेचर डायलॉग खामोश, उनकी छवि, समानता और उनके हस्ताक्षर जैसे सभी पहचाने जाने वाले गुण शामिल हैं।अदालत ने उन सबूतों पर गौर किया जिनमें 79 वर्षीय अभिनेता के फर्जी प्रोफाइल, मीम्स, जीआईएफ, डिजिटल स्टिकर, एआई-जनरेटेड डीपफेक और मॉर्फ्ड अश्लील सामग्री दिखाई गई थी। अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया हमारा मत है कि वादी (सिन्हा)

▶10पर

हीरो बनने का सपना टूटा तो खलनायक बनकर चमके

डॉन का नारंग बनकर कमल कपूर ने पाई खोई हुई पहचान

कहते हैं कि किस्मत में जो लिखा होता है, वह देर-सवेर मिल ही जाता है और ऐसा लम्हा हर किसी की जिंदगी में आता है। हिंदी सिनेमा में हीरो बनकर पर्दे पर चमकने वाला सपना हर कोई लेकर आता है। एक्टर कमल कपूर हीरो बनना चाहते थे लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। डॉन में 'नारंग' की भूमिका निभाने वाले विलेन तो हर किसी को याद होगा, जो डायलॉग के साथ-साथ अपनी आंखों से एक्टिंग करते थे। अभिनेता कमल कपूर की आंखें उन्हें खलनायक बनाने के लिए बिल्कुल परफेक्ट थीं। 22 फरवरी को पेशावर में जन्मे कमल कपूर फिल्मी बैकग्राउंड से आते थे, क्योंकि वे पृथ्वीराज कपूर की मौसी के बेटे थे। 40 से 50 के दशक में पृथ्वीराज कपूर ने हिंदी सिनेमा पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया था और कमल कपूर भी उन्हीं के नक्शेकदम पर चलना चाहते थे। हिंदी सिनेमा में डेब्यू कराने में पृथ्वीराज कपूर ने अपने मौसेरे भाई की मदद की थी और जब उन्होंने 'पृथ्वी थिएटर' की नींव रखी थी, तो पहला नाटक उन्हीं के साथ किया। कमल कपूर के लिए यह उनके करियर का पहला ब्रेक था, जिसमें उन्हें भूरी आंखों की वजह से अंग्रेज का किरदार मिला था। जिसके बाद अभिनेता 1946 में फिल्म 'दूर चलें' और 1948 में आई 'आग' में दिखे। यह दोनों ही फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रहीं।

बात सिर्फ यहीं खत्म नहीं हुई। अभिनेता कमल कपूर ने बतौर हीरो 21 फिल्मों में काम किया और लगभग सारी फिल्में पिट गईं। कमल कपूर समझ चुके थे कि हीरो बनना

बेकार है, तो अब क्यों न फिल्में बनाई जाएं? बुरी तरह फ्लॉप फिल्म देने के बाद उन्होंने फिल्मों का निर्देशन और निर्माण करना शुरू किया। साल 1951 में उन्होंने 'कश्मीर' और 1954 में 'खैबर' नाम की फिल्म का निर्माण किया, लेकिन दोनों ही फिल्में इतनी बुरी तरीके से पिट गईं कि अभिनेता को अपनी गाड़ी तक बेचनी पड़ गई थी।

एक पुराने इंटरव्यू में खुद अभिनेता ने बताया कि कैसे दो फिल्में बनाने के बाद वे बर्बाद हो गए थे और सड़क पर आने की नौबत आ गई थी। जिसके बाद जो भी छोटे-मोटे रोल मिल रहे थे, वह भी मिलना बंद हो गए।लगातार नौ साल तक कोई काम नहीं मिला। वो दौर काटना मेरे लिए मुश्किल रहा था। 1965 में आई फिल्म 'जौहर महमूद इन गोवा' ने अभिनेता की किस्मत बदल दी क्योंकि इस फिल्म में वे पहली बार विलेन बने थे।

फिल्म कुछ खास नहीं कमा पाई लेकिन कमल कपूर के लिए संजीवनी साबित हुई और उसके बाद लगातार निगेटिव किरदार वाली फिल्में मिलने लगीं। उन्होंने फिल्मों में गुंडे, वकील और हीरो के दोस्त के भी किरदार किए लेकिन असल छाप 'डॉन' में नारंग के किरदार से मिली, जिसमें उनकी और अमिताभ बच्चन की जुगलबंदी ने लोगों के दिलों में खौफ पैदा कर दिया। अभिनेता ने अपने करियर में 500 से अधिक फिल्मों में काम किया और 'दीवार', 'पाकीजा', 'मर्द', और 'जागूं' जैसी फिल्मों में काम किया।

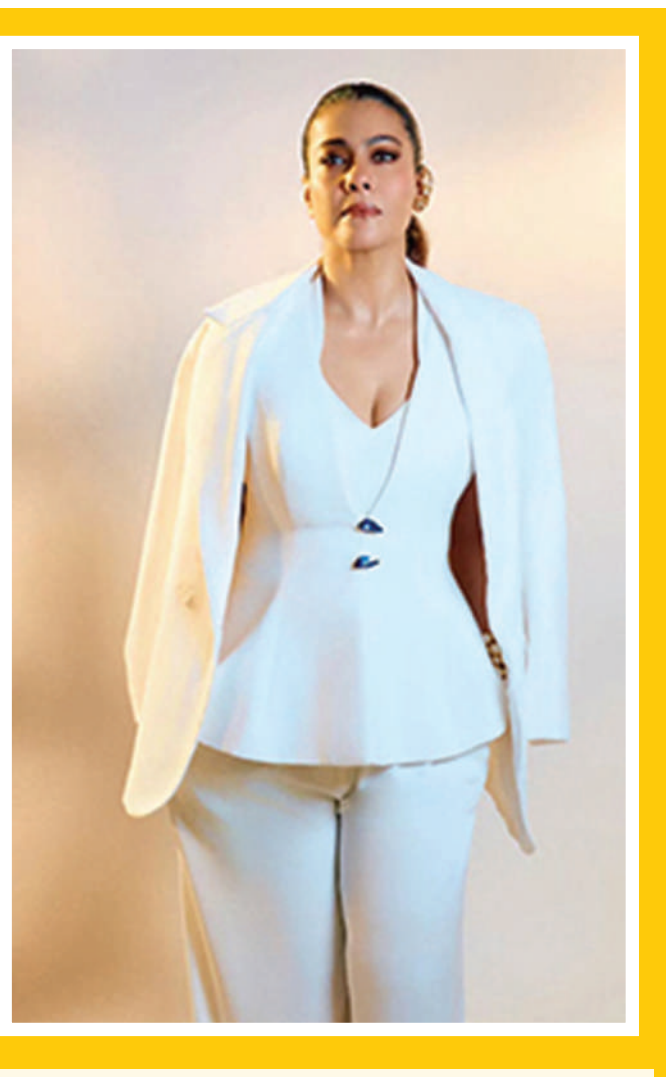

अस्सी सिर्फ एक फिल्म नहीं कड़वा सच है : श्रीलेखा मित्रा

मशहूर निर्देशक अनुभव सिन्हा ने एक बार फिर फिल्म 'अस्सी' के जरिए महिलाओं के साथ हो रही आपराधिक घटनाओं को उजागर किया है। हाल ही में फिल्म का प्रीमियर कोलकाता में रखा गया था, जहां पर अभिनेत्री श्रीलेखा मित्रा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि यह फिल्म सामाजिक मुद्दों पर आधारित है, जो महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और समाज की वास्तविक स्थिति को उजागर करती है। उन्होंने कहा, फिल्म का नाम 'अस्सी' इसलिए रखा गया है क्योंकि कहानी में जिस दिन लड़की के साथ अत्याचार हुआ था, उसी दिन 80 लड़कियों के साथ ऐसा हुआ था। फिल्म में भी सवाल उठाया गया है कि अगर एक दिन में 80 घटनाएं होती हैं, तो पूरे साल कितनी घटनाएं होंगी?

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म हमें सोचने पर मजबूर करती है कि हमारा समाज सच में आगे बढ़ रहा है, पीछे जा रहा है, या बीच में ही ठहर गया है। आखिर में हम जा कहां रहे हैं? यह फिल्म बहुत विचारोत्तेजक है। यह हमारे सिस्टम पर सवाल उठाती है कि यह सब कहां से शुरू हुआ, कहां खत्म होगा, और बीच में क्या हो रहा है।

अभिनेत्री ने 'एपस्टीन फाइल्स' का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, अभी हाल ही में 'एपस्टीन फाइल्स' आई, जिसमें उन लोगों के नाम सामने आए, जिनका नाम हम सम्मान और इज्जत के साथ लेते हैं। दुनियाभर में पावरफुल और नामी लोगों के नाम इसमें शामिल हैं। पावर और पैसे के साथ बुराई का गहरा रिश्ता है। यह फिल्म भी उसी तरह सोचने पर मजबूर करती है।

अभिनेत्री ने कहा, हमारे यहां डॉक्टर और इंजीनियर लाइन में खड़े हैं। डॉक्टर और शिक्षक भी मजबूरी में हैं। हमारे पास एक महान देश और महान राज्य है, लेकिन हालात ऐसे हैं कि सोचना पड़ता है कि हम कहां पहुंच गए हैं।

बींदणी मेरे लिए सिर्फ शो नहीं, एक नया और चुनौतीपूर्ण सफर है: कुशाग्र दुआ

टीवी इंडस्ट्री में हर शो में कुछ किरदार ऐसे होते हैं जो दर्शकों का दिल तुरंत जीत लेते हैं, तो कुछ किरदार ऐसे भी होते हैं जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसा ही एक किरदार अभिनेता कुशाग्र दुआ सन नियो पर प्रसारित होने वाले शो 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' में निभा रहे हैं, जो एक ग्रे शेड रोल है। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने इंडस्ट्री, फेम, सोशल मीडिया और अपनी सोच को भी बेहद सरल शब्दों में सामने रखा। कुशाग्र दुआ ने बताया कि उन्हें यह शो और किरदार मिलना उनके लिए एक नई जर्नी जैसा है। उन्होंने कहा, ''शो में मैं 'गर्व' नाम के लड़के का किरदार निभा रहा हूं, जो अपनी बुआ, फूफा और उनके बच्चों के साथ रहता है। गर्व की जिंदगी में सबसे बड़ा खालीपन उसके माता-पिता का न होना है। इसी कमी ने उसके भीतर गहरा दर्द और गुस्सा भर दिया है।'' कुशाग्र ने बताया, ''यही दर्द धीरे-धीरे गर्व को कठोर बना देता है और वह लड़कियों से नफरत करने लगता है। उसे प्यार जैसी भावना पर बिल्कुल भरोसा नहीं है और वह उन लड़कों से भी चिढ़ता है जो प्यार में पड़कर अपना सब कुछ दांव पर लगा

देते हैं। गर्व को लगता है कि प्यार के नाम पर लोग जो कुर्बानियां देते हैं, वह सच्चा प्यार नहीं बल्कि मजबूरी और दिखावा है। उसकी नजर में लड़कियां अक्सर लड़कों की जिंदगी में परेशानियां लेकर आती हैं, इसलिए उनसे दूरी बनाकर रखना ही समझदारी है।''

जब कुशाग्र से पूछा गया कि उन्होंने यह शो क्यों चुना, तो जवाब में उन्होंने कहा, गर्व का किरदार मेरे लिए बेहद अलग और चुनौतीपूर्ण है। मुझे हमेशा ऐसे किरदार पसंद आते हैं जिनमें कई परतें हों। गर्व एक ग्रे शेड कैरेक्टर है और ऐसे रोल निभाने में खास मजा आता है। इसके साथ ही शो की कहानी भी मुझे बहुत मजबूत और भावनात्मक लगी। यह कहानी रिश्तों, परंपराओं और सोच के टकराव को दिखाती है। यह सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को एक संदेश देने की कोशिश भी करती है।

पर्सनैलिटी राइट प्रोटेक्शन बिना इजाजत काजोल की फोटो-वीडियो इस्तेमाल करना अपराध

साल 2025 में बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन ने पर्सनैलिटी राइट्स के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था, लेकिन अब उनकी पत्नी काजोल के लिए भी कोर्ट ने पर्सनैलिटी राइट का प्रोटेक्शन दिया है। पर्सनैलिटी राइट्स को सुरक्षा देते हुए कोर्ट ने साफ किया है कि अब बिना अनुमति के अभिनेत्री के नाम, फोटो और वीडियो का इस्तेमाल करना अपराध होगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने पर्सनैलिटी राइट के प्रोटेक्शन का आदेश देते हुए अभिनेत्री के विरुद्ध प्रकाशित अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री को हटाने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही न्यायालय ने एआई और डीपफेक जैसी तकनीकों के माध्यम से काजोल के नाम, छवि अथवा व्यक्तित्व के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। उच्च न्यायालय ने विभिन्न प्रतिवादी संस्थाओं को यह भी निर्देश दिया कि वे काजोल की तस्वीर या पहचान का प्रयोग कर किसी भी प्रकार के व्यावसायिक उत्पादों की बिक्री न करें। साथ ही अश्लील सामग्री को हटाने का आदेश दिया है।

एआई और डीपफेक के जरिए इन दिनों सोशल मीडिया पर अवैध तरीके से उत्पादों के प्रचार और अश्लील साइटों पर अभिनेता और अभिनेत्रियों की तस्वीरों का इस्तेमाल बढ़ गया है। कुछ साइट बिना इजाजत के धड़ल्ले से एआई की आड़ में सेलिब्रिटीज की वीडियो का इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, भ्रामक जानकारी फैलाने के लिए डीपफेक फोटो और वीडियो का भी चलन बढ़ गया है। ऐसे में इसे किसी भी अभिनेता या अभिनेत्री की छवि पर सीधा हमला माना गया है। अभिनेता विवेक ओबरॉय के मामले में कोर्ट ने साफ कहा था कि तकनीक का इस्तेमाल कर किसी की छवि को नुकसान पहुंचाना भी अपराध है।

काजोल के अलावा, अजय देवगन ने भी बीते साल पर्सनैलिटी राइट्स के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट ने अभिनेता के पक्ष में फैसला सुनाते हुए सभी अवैध साइट और एआई-जनरेटेड डीपफेक वीडियो को हटाने का आदेश दिया था और आगे भी इस्तेमाल पर रोक लगाई थी।

पर्सनैलिटी राइट्स के मामले में हिंदी सिनेमा से लेकर दक्षिण भारतीय सिनेमा के सेलेब्स कोर्ट का रुख कर चुके हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा से आंध्र प्रदेश के डिप्टी चीफ मिनिस्टर पवन कल्याण, नागार्जुन और जूनियर एनटीआर को कोर्ट ने पर्सनैलिटी राइट्स सुरक्षा प्रदान की है और हिंदी सिनेमा से आर माधवन, विवेक ओबरॉय, सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय बच्चन भी पर्सनैलिटी राइट्स मामले में कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुके हैं।

रकुल प्रीत के लिए जैकी भगनानी का उमड़ा प्यार, कहा

तुम मेरी ताकत और रोशनी हो

फिल्मी दुनिया में रिश्तों को लेकर चर्चा होना आम बात है, लेकिन आमतौर पर देखा गया है कि अभिनेत्रियां अपने से उम्र में बड़े निर्माताओं से विवाह करती हैं। हमउम्र निर्माता के साथ शादी के उदाहरण अपेक्षाकृत कम देखने को मिलते हैं। ऐसे में जैकी भगनानी और रकुल प्रीत की जोड़ी खास है। दोनों न केवल हमउम्र हैं, बल्कि आपसी समझ, भरोसे और सहयोग के आधार पर उन्होंने अपने रिश्ते को मजबूत बनाया है। शनिवार को कपल अपनी शादी की सालगिरह मना रहा है। जैकी भगनानी ने इस खास मौके पर इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने रकुल के लिए दिल छू लेने वाला कैप्शन लिखा। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनकी शादी, छुट्टियां और रोजमर्रा के खूबसूरत पल शामिल हैं। जैकी ने लिखा, मैं तुम्हें शब्दों से कहीं ज्यादा प्यार करता हूं। मैं कभी शब्दों से बयां नहीं कर पाया कि तुम मेरे लिए कितनी खास हो, लेकिन आज बस इतना कहना चाहता हूं कि मेरी जिंदगी में होने के लिए शुक्रिया। हमेशा मेरा साथ देने और मेरा होने के लिए धन्यवाद।

जैकी ने आगे लिखा, हमारी दूसरी सालगिरह मुबारक हो, रकुल। तुम्हारे साथ से ये दो साल ऐसे बीते जैसे बस दो पल ही हों...क्योंकि तुम्हारे साथ हर लम्हा इतना खास होता है कि समय जैसे रुक सा जाता है।

जैकी ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं, जितना तुम सोच भी नहीं सकती। मैंने तुमसे बहुत कुछ सीखा है, शायद जितना तुम्हें पता भी नहीं होगा। जब मैं कमजोर पड़ता हूं, तुम मेरी ताकत बन जाती हो। जब मुझे मजबूती से खड़ा होना होता है, तुम मेरा सहारा बनती हो। और जब जिंदगी में अंधेरा लगता है, तुम मेरी रोशनी बन जाती हो।

यह पोस्ट फैंस के बीच खूब पसंद आ रही है। जैकी ने रकुल को अपना सबसे मजबूत सहारा बताया। दोनों ने 21 फरवरी 2024 को गोवा में पारंपरिक तरीके से शादी की थी। 2021 से उनका रिश्ता शुरू हुआ था और अब दो साल बाद भी उनका प्यार वैसा ही गहरा और रोमांटिक है।

रकुल प्रीत सिंह दक्षिण भारतीय फिल्मों और बॉलीवुड दोनों में एक्टिव हैं, जबकि जैकी एक्टर के साथ-साथ सफल प्रोड्यूसर भी हैं। उनका यह कपल इंडस्ट्री में ऐसे जोड़ों में शुमार है, जहां दोनों बराबरी से साथ चलते हैं और एक-दूसरे की सफलता में खुशी मनाते हैं।

मेष से मीन तक कैसा रहेगा आपका दिन, जानिए ज्योतिषीय संकेत

रविवार, 22 फरवरी 2026 को ग्रह-नक्षत्रों की चाल सभी 12 राशियों पर अलग-अलग प्रभाव डालेगी। सूर्य से जुड़े इस दिन आत्मसम्मान, जिम्मेदारियों और निर्णयों का असर साफ दिखाई दे सकता है। कुछ राशियों के लिए दिन प्रगति का संकेत देगा, जबकि कुछ को संयम और सतर्कता के साथ आगे बढ़ना होगा। आइए जानते हैं मेष से लेकर मीन तक का विस्तृत राशिफल।

मेष राशि: दिन की शुरुआत थोड़ी मानसिक उलझन के साथ हो सकती है। खर्चों में अचानक वृद्धि से चिंता रहेगी और कुछ ऐसे काम करने पड़ सकते हैं जो आपकी पसंद के नहीं होंगे। यात्रा का योग बन रहा है, लेकिन थकान महसूस हो सकती है। पारिवारिक मामलों में संयम जरूरी है, खासकर पिता और बच्चों से जुड़े विषयों में। कार्यक्षेत्र में धैर्य से काम लें, जल्दबाजी नुकसान दे सकती है।

वृषभ राशि: आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव रहेगा। अचानक धन लाभ के संकेत हैं, लेकिन खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ सकता है। किसी सूचना या बातचीत को लेकर भ्रम की स्थिति बन सकती है, इसलिए बिना पुष्टि किसी निर्णय पर न पहुंचें। कामकाज सामान्य रहेगा। रिश्तों में पारदर्शिता रखें, बातचीत से स्थिति बेहतर हो सकती है।

मिथुन राशि: सेहत आज प्राथमिकता में रहेगी। थकान, सिरदर्द या नींद की कमी परेशान कर सकती है। कार्यक्षेत्र में पुराने कामों पर ही ध्यान देना बेहतर रहेगा। नए प्रयोग से फिलहाल दूरी रखें। पारिवारिक और निजी संबंधों में गुस्से से बचें, वरना बात बढ़ सकती है। धैर्य रखने से दिन संभल जाएगा।

कर्क राशि: दिन मिश्रित परिणाम देने वाला है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। परिवार और बच्चों से जुड़ी कोई सकारात्मक खबर मन को सुकून दे सकती है। सरकारी या आधिकारिक कामों में सावधानी रखें, शब्दों की गलत व्याख्या परेशानी बढ़ा सकती है। शांत और संतुलित व्यवहार आपके पक्ष में जाएगा।

सिंह राशि: शारीरिक कमजोरी या पेट से जुड़ी परेशानी हो सकती है, इसलिए सतर्क रहें। बावजूद इसके आत्मविश्वास बना रहेगा। कामकाज से जुड़े फैसले सही दिशा में आगे बढ़ेंगे। दांपत्य जीवन और पारिवारिक संबंधों में सामंजस्य बना रहेगा। खानपान पर ध्यान देना जरूरी है।

कन्या राशि: आज व्यवहार में कठोरता आ सकती है, जिससे रिश्तों में तनाव पैदा हो सकता है। स्वास्थ्य से जुड़े कुछ छोटे संकेत परेशान कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी, लेकिन धन संचय पर ध्यान देना जरूरी है। नए निवेश या नए व्यापारिक फैसलों को कुछ समय के लिए टालना बेहतर रहेगा।

तुला राशि: दांपत्य जीवन में मतभेद उभर सकते हैं। बेवजह की शंका या गलतफहमी रिश्तों में दूरी बढ़ा सकती है। कार्यक्षेत्र में आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ सकता है, खासकर राजनीति या प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए। व्यवहार में संतुलन रखें, तभी दिन आपके पक्ष में रहेगा।

वृश्चिक राशि: मानसिक बेचैनी और खर्चों की अधिकता से दिन थोड़ा भारी लग सकता है। जोखिम भरे फैसलों और अनिश्चित निवेश से दूरी बनाना समझदारी होगी। परिस्थितियां फिलहाल चुनौतीपूर्ण दिखेंगी, लेकिन धैर्य रखने से नुकसान टल सकता है। समय के साथ स्थिति बेहतर होने लगेगी।

धनु राशि: गुस्से पर नियंत्रण रखना आज बेहद जरूरी है। शारीरिक थकान या पैरों से जुड़ी परेशानी हो सकती है। पढ़ाई और ज्ञान से जुड़े कामों के लिए दिन अनुकूल है। भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय न लें। संयम से लिया गया फैसला भविष्य में लाभ देगा।

मकर राशि: बच्चों की सेहत या शिक्षा को लेकर चिंता रह सकती है। निजी रिश्तों में गलतफहमी से मन व्यथित रहेगा। मानसिक दबाव अधिक रहेगा, हालांकि शारीरिक स्थिति सामान्य रहेगी। प्रॉपर्टी या वाहन से जुड़ा कोई काम आगे बढ़ सकता है, लेकिन रुकावटों के साथ।

कुंभ राशि: सेहत कमजोर रह सकती है, खासकर नाक, कान या गले से जुड़ी परेशानी हो सकती है। भाई-बहनों से जुड़े मामलों में चिंता रहेगी। भावनात्मक होकर कोई बड़ा निर्णय न लें। कामकाज सामान्य रहेगा और पारिवारिक जीवन में कुछ राहत के संकेत मिलेंगे।

मीन राशि: खर्चों में वृद्धि से मन परेशान रह सकता है। सिरदर्द या मानसिक बेचैनी महसूस हो सकती है। रिश्तों और बच्चों से जुड़े मामलों में धैर्य रखना जरूरी है। आज जल्दबाजी से बचें और परिस्थितियों को समझकर आगे बढ़ें। धीरे-धीरे हालात आपके अनुकूल होने लगेंगे।

शिकारी देवी मंदिर: पांडवों ने की थी स्थापना आज तक कोई नहीं बनवा सका छत

भारत को मंदिरों की भूमि कहा जाता है। यहां कई अलौकिक और अनोखे मंदिर मौजूद हैं, जिनकी अपनी खासियत और महत्व है। उन्हीं में से एक मंदिर देवताओं की भूमि कहे जाने वाले राज्य हिमाचल प्रदेश में मौजूद है, जो द्वापर युग का बताया जाता है। इस मंदिर का नाम 'शिकारी देवी मंदिर' है, जो देवी दुर्गा को समर्पित है। माना जाता है कि यह मंदिर महाभारत काल का है और इसकी स्थापना पांडवों ने अपने वनवास के दौरान की थी। शिकारी देवी मंदिर उत्तरी भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में स्थित है, जो सनार्ली से 18 किलोमीटर से अधिक दूरी पर करसोग घाटी में है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शिकारी देवी मंदिर में ऋषि मार्कंडय ने कई वर्षों तक ध्यान किया था, जिसके बाद देवी उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर यहां प्रकट हुई और उन्हीं के कहने पर इस स्थान पर उनके मंदिर का निर्माण कराया गया।

शिकारी देवी मंदिर में वहां के स्थानीय शिकारी अपने शिकार से पहले देवी की पूजा करते हैं ताकि उन्हें शिकार में सफलता मिले और देवी शिकार के दौरान जंगली जानवरों से होने वाले खतरे से भी उनकी रक्षा करें। यही कारण है कि इस मंदिर को शिकारी देवी कहा जाता है और शिकार से पहले शिकारियों द्वारा मंदिर में देवी का आह्वान किया जाता है।

शिकारी देवी मंदिर अन्य मंदिरों से इसलिए भी अलग है क्योंकि इसकी छत नहीं है। बीते वर्षों में स्थानीय लोगों और कई राजनेताओं ने मंदिर की छत बनवाने की बहुत कोशिश की, लेकिन कोई भी इस कार्य में सफल नहीं हो सका। जब भी कोई इस मंदिर की छत बनवाने की कोशिश करता तो अचानक आई तेज आंधी-तूफान से छत गिर जाती।

ऐसा माना जाता है कि शिकारी देवी ईंट-पत्थर से बनी छत के बजाय खुले आसमान को अपना छत्र मानती हैं। इस मंदिर से जुड़ी एक और अद्भुत बात यह है कि जब भी इस क्षेत्र में बर्फबारी होती है, पूरा इलाका कई फीट मोटी बर्फ की चादर से ढक जाता है, लेकिन मंदिर परिसर, विशेष रूप से भीतरी भाग, बर्फ से मुक्त रहता है। इसके पीछे की वजह क्या है?

यह आज भी दुनिया के सामने सिर्फ और सिर्फ एक रहस्य बना हुआ है। लोगों का मानना है कि यह शिकारी देवी का चमत्कार है। नवरात्रि के दौरान शिकारी देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी तादाद में भीड़ उमड़ती है। मान्यता है कि जो भक्त शिकारी देवी मंदिर में सच्ची श्रद्धा और निष्ठा से आते हैं, देवी उनके सभी दुखों को दूर कर भक्तों के सभी मनोकामनाओं को पूरा करती हैं।

मां संकटा मंदिर: भगवान शिव के कष्ट हरने वाली मां संकटा करती हैं पापों का नाश, अद्भुत हैं दिव्य शक्ति के दर्शन

बनारस में बहती गंगा भक्तों के पापों का नाश करती है और जन्म-जन्मांतर के फेर से मुक्ति दिलाती है। वहीं गंगा के तट पर कई देवी-देवताओं के मंदिर स्थित हैं, जो सभी कष्टों को हरने की ताकत रखते हैं। इन सभी मंदिरों का अपना पौराणिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक इतिहास रहा है, जो उन्हें एक-दूसरे से जोड़ता है। गंगा मां की गोद में मां भगवती के ऐसे रूप की पूजा होती है, जो भक्तों के संकट हरने के लिए प्रसिद्ध है। खास बात ये है कि जब भगवान शिव के पास भी संकट का समाधान नहीं था, तब वे भी मां संकटा के चरणों में पहुंचे थे। आदिशक्ति स्वरूपा मां संकटा मंदिर बनारस की तंग गलियों में मौजूद है, लेकिन फिर भी मां को पूजने वाले भक्तों की संख्या में कमी नहीं है। भक्तों और स्थानीय लोगों को विश्वास है कि मां आने वाले संकट को भी हर लेती हैं और उन्हें उपचार की देवी के नाम से भी जाना जाता है।

संकट चाहे शारीरिक हो या मानसिक, मां संकटा हर तरह के संकट को भक्तों से दूर कर देती हैं। यही कारण है कि मां की प्रातः काल और संध्या काल आरती में भक्तों की विशेष भीड़ रहती है। मंदिर के गर्भगृह में मां देवी संकटा की विशाल प्रतिमा है, जिनकी चार भुजाएं हैं। मां का रोजाना फूलों से अलग-अलग शृंगार किया जाता है और अन्नकूट शृंगार को बेहद खास माना गया है।

मान्यता है कि मां अपने किसी भी बच्चों को भूखा नहीं सोने देती और उनका पेट भरने के लिए अन्न की देवी के रूप में विद्यमान हैं। मंदिर में प्रवेश द्वार पर विशाल सिंह भी देखने को मिलेगा, जो मां की सवारी है। इसके साथ ही मंदिर में नौ ग्रहों की प्रतिमाएं भी मौजूद हैं।

चार भुजाओं वाली देवी संकटा इस मंदिर की सबसे महत्वपूर्ण देवी हैं। देवी की चांदी से मढ़ी प्रतिमा लगभग चार से पांच फीट ऊंची है और इसे नारी पूजा का प्रतीक माना जाता है। मां की रक्षा के लिए उनकी प्रतिमा के साथ हनुमान और भैरव दोनों स्थापित हैं।

ऐसा माना जाता है कि पांडव अपने वनवास के दौरान देवी संकटा की पूजा करने के लिए इस स्थान पर आए थे। नवरात्रि के नौ दिन मंदिर में भव्य आयोजन और अनुष्ठान किए जाते हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में से आठवां दिन मां संकटा देवी को समर्पित होता है। माना जाता है कि मां सकंटा मां वैष्णो देवी की छोटी बहन हैं, जो त्रिकुटा पर्वत पर विराजमान हैं।

यह दोनों दिव्य शक्तियां मिलकर भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। अगर आप भी मां संकटा मंदिर का आशीर्वाद लेना चाहते हैं तो मंदिर की वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन से दूरी मात्र 6 किलोमीटर है, जबकि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से 3 किलोमीटर है।

प्राचीन विमलकोट मंदिर भव्य मेले और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध

भारत, जो अपनी प्राचीन और विविध संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है, को मंदिरों और ऋषियों की पवित्र भूमि माना जाता है। यहां अनेकों मंदिर और तीर्थ स्थल हैं, जो अपनी अनूठी विशेषता और आध्यात्मिक महत्व के लिए जाने जाते हैं। उन्हीं में से एक है विमलकोट देवी मंदिर। यह मंदिर देवभूमि उत्तराखंड के अल्मोरा जिले के धौलछीना क्षेत्र में आठ हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जो माता के शक्तिपीठों में शामिल एक प्राचीन मंदिर है। विमलकोट देवी मंदिर मां दुर्गा को समर्पित है। माता विमलकोट शक्तिपीठ मंदिर लगभग 1515 ई.पू. से जुड़ा बताया जाता है, जो अपनी प्राचीनता, धार्मिक महत्वता, सांस्कृतिक परंपराओं और भव्य मेलों के लिए प्रसिद्ध है।

यह मंदिर स्थानीय लोगों के लिए एक अटूट आस्था का केंद्र है। माना जाता है कि यहां चंद वंशी राजाओं द्वारा अदालत लगाकर फैसले किए जाते थे। माता विमलकोट मंदिर में प्रत्येक नववर्ष पर मंदिर समिति द्वारा भव्य मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें कुमाऊंनी लोक नृत्य, भजन और सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण के केंद्र होते हैं। मेले में देश-दुनिया से आए हजारों भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ता है। विमलकोट देवी मंदिर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण के लिए काफी प्रसिद्ध है।

मंदिर को लेकर मान्यता है कि जो भी भक्त सच्ची श्रद्धा से यहां देवी की उपासना करते हैं, माता उनके सभी दुखों को हरके उनकी सभी मनोकामनाओं को पूरा करती हैं, इसलिए यहां दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी मन्नत लेकर आते हैं। माता विमलकोट शक्तिपीठ मंदिर पहाड़ी की चोटी पर स्थित है, जहां से हिमालय की लंबी श्रृंखला दिखाई देती है।

मंदिर की खासियत है कि ये चारों ओर सुंदर पहाड़ों और हरे-भरे पेड़ों से घिरा है, जो मंदिर के दृश्य को अलौकिक और अद्भुत बनाता है। मंदिर में भंडारे का भी आयोजन किया जाता है, जिसे श्रद्धालु प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं।

सुबह 3 से 4 बजे के बीच बार-बार नींद खुलना नहीं है सामान्य

इसके पीछे छिपे हो सकते हैं गहरे संकेत

ब्रह्म मुहूर्त और नींद का संबंध भारतीय परंपरा में सुबह लगभग 3 से 4 बजे के समय को ब्रह्म मुहूर्त की शुरुआत माना जाता है। यह ऐसा समय होता है जब वातावरण अपेक्षाकृत शांत, स्थिर और ऊर्जा से भरा हुआ माना जाता है। कई लोगों की नींद इस दौरान बिना किसी अलार्म या बाहरी कारण के खुल जाती है। यदि ऐसा कभी-कभार हो तो इसे सामान्य माना जा सकता है, लेकिन जब यह स्थिति बार-बार होने लगे, तो परंपरागत मान्यताओं में इसे केवल संयोग नहीं माना जाता।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव

योग और आध्यात्मिक ग्रंथों में यह उल्लेख मिलता है कि जब व्यक्ति के शरीर और मन में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह मजबूत होता है, तो उसकी नींद स्वाभाविक रूप से ब्रह्म मुहूर्त में खुल सकती है। इस समय नींद से जागने पर भारीपन या थकावट महसूस नहीं होती, बल्कि मन अपेक्षाकृत हल्का और स्पष्ट रहता है। ऐसी स्थिति को इस बात का संकेत माना जाता है कि व्यक्ति का जीवन संतुलन की ओर बढ़ रहा है और उसकी दिनचर्या भीतर से सशक्त हो रही है।

आंतरिक मार्गदर्शन के संकेत

लोक मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की नींद रोजाना इसी समय खुलने लगे, तो इसे आंतरिक या दैवी मार्गदर्शन से जोड़कर देखा जाता है। माना जाता है कि ऐसे समय में व्यक्ति के जीवन में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं और लंबे समय से चली आ रही उलझनें सुलझने लगती हैं। यह अवस्था आत्ममंथन और जीवन की दिशा पर पुनर्विचार का अवसर भी मानी जाती है।

आध्यात्मिक चेतना की जागृति

ब्रह्म मुहूर्त में नींद का खुलना कई परंपराओं में आध्यात्मिक जागरूकता से भी जोड़ा जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस समय मन अधिक ग्रहणशील होता है और आत्मबोध की प्रक्रिया तेज होती है। इसी कारण यह समय ध्यान, चिंतन और आत्मअनुशासन के लिए उपयुक्त माना गया है। मान्यताओं के अनुसार, इस अवधि में जागने वाले व्यक्ति की समझ, विवेक और मानसिक स्पष्टता में वृद्धि हो सकती है।

ईश्वरीय अनुकंपा से जुड़ी धारणा

धार्मिक विश्वासों में ब्रह्म मुहूर्त को ऐसा समय माना गया है जब ब्रह्मांडीय चेतना अधिक सक्रिय रहती है। इस समय नींद खुलने को कई लोग ईश्वरीय अनुकंपा का संकेत भी मानते हैं। कुछ मान्यताओं में इसे पूर्व कर्मों के सकारात्मक प्रभाव से जोड़कर देखा जाता है, जो वर्तमान जीवन में शांति और संतुलन के रूप में प्रकट होता है।

स्कन्द षष्ठी पर सर्वार्थ सिद्धि और रवि योग, जानें शुभ-अशुभ समय

भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र भगवान स्कन्द, जिन्हें कार्तिकेय, मुरुगन, सुब्रह्मण्य भी कहा जाता है को समर्पित स्कन्द षष्ठी का पावन पर्व 22 फरवरी रविवार को है। यह व्रत विशेष रूप से संतान प्राप्ति, शत्रु नाश, बुद्धि और बल की प्राप्ति के लिए किया जाता है। स्कन्द षष्ठी को कंद षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। दृक पंचांग के अनुसार, 22 फरवरी को शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि सुबह 11 बजकर 9 मिनट तक रहेगी और उसके बाद षष्ठी तिथि शुरू होगी। सूर्योदय 6 बजकर 53 मिनट पर और सूर्यास्त शाम 6 बजकर 16 मिनट पर होगा। रविवार को नक्षत्र अश्विनी शाम 5 बजकर 54 मिनट तक रहेगा, उसके बाद भरणी शुरू होगा। जब पंचमी समाप्त होकर षष्ठी तिथि प्रारंभ होती है, तो दोनों तिथियों का संयोग बनता है। ऐसे में स्कन्द षष्ठी का व्रत और पूजा पंचमी तिथि के दिन भी किया जा सकता है, लेकिन मुख्य रूप से षष्ठी तिथि पर ही महत्वपूर्ण माना जाता है। हालांकि, उदयातिथि के अनुसार पूरे दिन पंचमी तिथि का मान होगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान स्कन्द को पीला फूल, धूप, दीप, नैवेद्य खासकर कंदमूल जैसे आलू, शकरकंद और फल चढ़ाना फलदायी होता है। व्रत में फलाहार या एक समय भोजन करें। शाम को आरती के बाद व्रत पारण करें। स्कन्द षष्ठी का व्रत करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है।

शुभ मुहूर्त और योग की बात करें तो 22 फरवरी को ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 12 मिनट से 6 बजकर 3 मिनट तक अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 12 मिनट से 12 बजकर 58 मिनट तक विजय मुहूर्त दोपहर 2 बजकर 29 मिनट से 3 बजकर 14 मिनट तक है। वहीं, गोधूलि मुहूर्त शाम 6 बजकर 14 मिनट से 6 बजकर 39 मिनट तक अमृत काल सुबह 11 बजकर 4 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक है।

22 फरवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग भी है, जो सुबह 6 बजकर 53 मिनट से शाम 5 बजकर 54 मिनट तक और रवि योग शाम 5 बजकर 54 मिनट से 23 फरवरी की सुबह 6 बजकर 52 मिनट तक रहेगा। ये शुभ योग पूजा, व्रत और मंत्र जाप के साथ ही नए कार्य के लिए भी उत्तम माने जाते हैं।

अशुभ समय की बात करें तो राहुकाल शाम 4 बजकर 51 मिनट से 6 बजकर 16 मिनट तक है। यमगंड दोपहर 12 बजकर 35 मिनट से 2 बजे तक है। गुलिक काल दोपहर 3 बजकर 25 मिनट से 4 बजकर 51 मिनट तक है। दुर्मुहूर्त शाम 4 बजकर 45 मिनट से 5 बजकर 31 मिनट तक है।

जिज्ञासा

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते?

बच्चो, टीवी पर आप लोगों ने पैंगुइन तो जरूर देखे होंगे। यह देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होते हैं। यह पक्षियों की प्रजाति के ही हैं। इसके बावजूद यह उड़ नहीं पाते। या आप जानते हैं कि यह उड़ क्यों नहीं पाते?

कहते हैं कहते हैं आज से 650 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे। वह भी अन्य पक्षियों की तरह आसमान में उड़ते थे और हवा में गोते लगाते थे। परंतु धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे।

वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि लाखों साल पहले पैंगुइन की हड्डियां पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं जिसके कारण वह उड़ पाते थे। समय के साथ उनकी हड्डियां भारी हो गईं और व ान बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। यह भी सिद्ध है कि जिस अंग का प्रयोग ना किया जाए, वह धीरेधीरे लोप हो जाता है। इस बात को मानव विकास क्रम से भी समझा जा सकता है। पैंगुइन के बारे में बात करें, तो वर्तमान में अपनी हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

अंगकोर वाट मंदिरों का शहर

अंगकोर वाट मंदिरों की श्रृंखला है, जिसका निर्माण खामेर साम्राज्य के दौरान हुआ। आज भी ये मंदिर प्राचीन समय की महान धरोहर समेटे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं...

अंगकोर वाट का अर्थ है मंदिरों का शहर। यह खमेर साम्राज्य के काल में स्थापित की गई मंदिरों की एक श्रृंखला है, जो कंबोडिया तथा वियतनाम की सीमा पर बनी है। इसका निर्माण 802 से 1431 ईस्वी के बीच हुआ। यह श्रृंखला कई वर्गमील के क्षेत्रफल में फैली हुई है और खाईयों से घिरी हुई है।

प्रथम मंदिर का निर्माण

802 से 850 ईस्वी तक इस क्षेत्र पर राज करने वाले सम्राट का नाम जयावर्मन द्वितीय था और यही खमेर साम्राज्य का संस्थापक था। उन्होंने इस बात का प्रचार किया वह देव पुरुष यानी देव राजा हैं और उसमें हिंदु भगवान शिव की शक्तियां हैं। उसकी पीढ़ियों व वंशजों ने इस देव राजा वाली गाथा का अंगकोर वाट के पूरे इतिहास में अनुसरण किया।

जयावर्मन द्वितीय ने नॉम कुलेन पहाड़ को शिव के आवास के रूप प्रचारित कर एक मंदिर का निर्माण करवाया और उसे अपना दरबार बनाया। उसने यह कहा कि नॉम कुलेन विश्व का केंद्र बिंदु है और वह ही एकमात्र राजा है। नॉम कुलेन आज भी कंबोडियाई लोगों के लिए पवित्र व श्रद्धा का स्थान है। कालांतर में राजा का दरबार रोलस नामक स्थान पर स्थानांत्रित हो गया।

बैकांग मंदिरों का निर्माण

इंद्रावर्मन प्रथम ने इसके बाद गद्दी संभाली। उसने प्रथम झील व तालाब बनवाया और रोलस में प्रियाह को और बैकांग मंदिरों का निर्माण करवाया। यह मंदिर खाईयों से घिरे हुए थे। इन खाईयों का भी धार्मिक महत्व है। ऐसा समझा जाता था कि पवित्र मेरु पहाड़, झीलों और खाईयों से घिरा हुआ है।

लोलेई व नॉम बैखंग का निर्माण

यासोवर्मन प्रथम इंद्रावर्मन प्रथम का पुत्र था उसने अपने साम्राज्य की राजधानी को अंगकोर क्षेत्र में स्थानांत्रित किया, जिसे आज हम इसी नाम से जानते हैं। उसने पूर्व राजधानी रोलस में लोलेई नामक मंदिर का निर्माण करवाया। नॉम बैखंग मंदिर का निर्माण भी उसी के शासनकाल में हुआ। यासोवर्मन प्रथम ने नॉम क्रोम तथा नॉम बोक मंदिरों का भी निर्माण करवाया तथा 7 किमी लंबी और 1.8 किमी चौड़ी पूर्वी झील का निर्माण करवाकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम अंकित करवा दिया।

कोह केर का निर्माण

जयावर्मन चतुर्थ अगला शासक था। उसने यासोवर्मन की मौत के कुछ देर बाद गद्दी संभाली। जयावर्मन चतुर्थ ने अपनी राजधानी को कोह केर में स्थानांत्रित किया। कोह केर के निर्माण में उसे 20 वर्ष लगे। उसने क्षेत्र में फैले प्राकृतिक स्त्रोतों का भरपूर इस्तेमाल किया और कामगारों की पूरी फौज निर्माण में लगा दी। कोह केर एक बेमिसाल राजधानी थी, किंतु अंगकोर वाट के इतिहास में इसका उल्लेख बहुत कम मिलता है।

पूर्वी मेबोन मंदिर का निर्माण

राजेंद्रवर्मन द्वितीय ने अपनी राजधानी को वापस अंगकोर में स्थापित किया। उसने पूर्वी मेबोन, प्री रूप तथा फाईमानाकास मंदिरों का निर्माण करवाया। पूर्वी मेबोन मंदिर का निर्माण पूर्वी झील के मध्य में किया गया था और एक समय था जब यह मंदिर पानी से घिरा हुआ था। किंतु आज यह झील सूख चुकी है और इन मंदिरों के अवशेष सूखी भूमि पर स्थित दिखाई देते हैं।

बांतेयी श्री मंदिरों का निर्माण

जयावर्मन पंचम राजेंद्रवर्मन द्वितीय का पुत्र था। उसके शासन काल में ता कियो तथा बांतेयी श्री मंदिरों का निर्माण हुआ। बांतेयी श्री मंदिर को इस श्रृंखला में सबसे खूबसूरत मंदिर माना जाता है। इसके बारे में रोचक तथ्य यह है कि यह किसी राजा के अधिकार क्षेत्र में नहीं, बल्कि एक ब्राह्मण के अधिकार में था।

अंगकोर वॉट के इतिहास का प्रतिशष्ठित काल 1002-49 ई.

सूर्यावर्मन प्रथम ने खमेर साम्राज्य को अपने चरम तक फैला दिया। इस काल में निशिध व संग्रहित मंदिरों का निर्माण किया गया। इस काल में काफ़ी लड़ाईयां हुईं, जिससे अशांति का माहौल बन गया। सूर्यावर्मन प्रथम को कंबोडिया में बौद्ध धर्म का प्रचारक समझा जाता है। उसने बौद्ध धर्म का ख़ूब प्रचार व प्रसार किया। वर्तमान में 97 प्रतिशत कंबोडियाई बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले हैं।

1049-65 ई.

उदयादित्यावर्मन द्वितीय सूर्यावर्मन प्रथम का होनहार पुत्र था। उसने साम्राज्य को और विकसित किया। उसने बाफोन और पश्चिमी मेबोन मंदिरों का निर्माण करवाया, जोकि पश्चिमी झील में स्थित हैं। इस पश्चिमी झील में आज भी काफी मात्रा में पानी है।

1112-52 ई.

इस दौरान अंगकोर वाट का निर्माण हुआ। हिंदू भगवान विष्णु को पूर्णतया समर्पित विशाल अंगकोर वाट मंदिर तथा खूबसूरत बेंग मेलिया मंदिर के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं सूर्यावर्मन द्वितीय। उसने जितनी भगवान विष्णु में आस्था दिखाई उससे पहले किसी भी राजा ने इतनी श्रद्धा नहीं दिखाई।

1181-219 ई.

अंगकोर वाट के इतिहास का शिखर

इस काल में जयावर्मन छठे ने खमेर साम्राज्य को संभाला। इसके बाद वियतनामी सेना ने आक्रमण कर दिया। उसने अंगकोर वाट से आकार में बड़े अंगकोर थोम का निर्माण करवाया। इसके अलावा प्रियाह खान तथा बांतेयी कदई मंदिरों का भी निर्माण करवाया। उसने अन्य मंदिर परिसरों बांतेयी छमार और प्रियाह विहार क्षेत्र में प्रियाह खान मंदिरों का भी पुर्ननिर्माण करवाया।

जयावर्मन छठे ने पार परिक धर्म के साथ-साथ बुद्ध को समान स्थान दिया और मंदिरों में बुद्ध की मूर्तियों को भी तराशा गया। इनमें सबसे विख्यात बेयोन मंदिर है, जिसमें बुद्ध की 216 चंहुमुखी मूर्तियां स्थापित हैं। इससे अंगकोर वाट के इतिहास में एक बदलाव आ गया और बौद्ध धर्म प्रमुख और हिंदू धर्म दूसरे दर्जे का बनकर रह गया। उसकी मृत्यु के पश्चात साम्राज्य पतन की ओर चला गया और हिंदू धर्म एक बार प्रमुख धर्म बन गया और मंदिरों में तोड़-फोड़ कर बुद्ध की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया। खमेर साम्राज्य का असली अंत 1351 और 1431 में हुआ, जब थाईलैंड ने अंगकोर पर आक्रमण किया।

इस ऐतिहासिक विशाल साम्राज्य के अवशेष कंबोडिया के जंगलों में ही कहीं दफन हुए पड़े रहते यदि 1860 में फ्रांस के जीव विज्ञानी हैनरी मैहोत को अपनी खोज के दौरान ये न मिलते। खोई हुई इस स यता में पश्चिमी इतिहासकारों व पुरातत्व विज्ञानियों ने रुचि दिखाई। हालांकि स्थानीय लोगों को भी इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं थी।

इस बात में कोई शक नहीं कि अंगकोर वाट, अंगकोर थोम तथा अन्य सैंकड़ों खमेर मंदिर प्राचीन खमेर सभ्यता की अनकही कहानी ब्यान करते हैं और आज पर्यटन स्थलों के रूप में लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

रिमझिम बारिश

बारिश का सुहाना मौसम
जब भी आता है
गर्मी से मिल जाती राहत
हर चेहरा खिल जाता है।
काली घटाएं जब छाती हैं
सबके मन को ये भाती हैं
पड़ती हैं जब ठंडी फुहारें
लातीं अपने संग बहारें।
बारिश की रिमझिम में नहाना
फिर कागज की नाव बनाना
नावों को पानी में बहाना
उछल-उछलकर शोर मचाना।
कोयल की मीठी बोली
वो इंद्रधनुष के बहके रंग
मोर-पपीहे नाच उठे तब
गाएं सब बारिश के संग।
बारिश की बूंदों के मोती
जब फसलों के मुख पर चमकें
हर्ष और उल्लास भरे तब
किसानों के चेहरे भी चमकें।
प्रकृति की छवि निखारे
जब भी आ जाए बारिश
सूरज की तपिश से सूखी
धरा की प्यास बुझाए बारिश।
सोंधी-सोंधी खुशबू मिट्टी की
बिखरा देती है ये बारिश
मस्ती के इस आलम को
महका देती है ये बारिश।

-नविता शर्मा

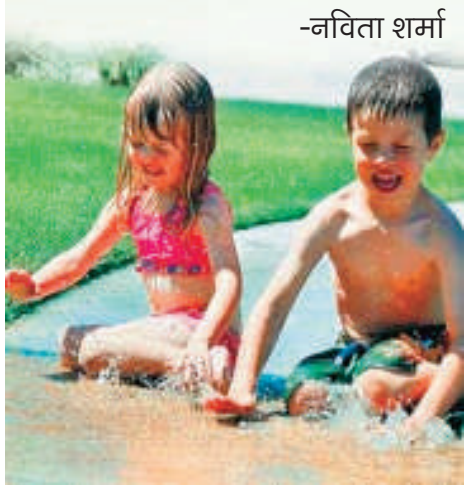

रिक्शा चलाने वाला रोबोट

नाचने वाले, घर के काम करने वाले रोबोट आदि के बारे में पढ़ने के साथ ही उन्हें टीवी पर भी देखा होगा। लेकिन, क्या आपने किसी रोबोट को रिक्शा चलाते हुए देखा है। निश्चित तौर पर आपका जवाब नहीं में होगा। चीन में एक किसान ने एक ऐसा रोबोट बनाया है जो रिक्शा चलाता है, जिसमें बैठकर वह घूमने जाते हैं। पहली बार रोबोट को रिक्शा चलाते हुए देख कोई भी दांतों तले उंगली दबा लेगा, लेकिन इसे बनाने वाले वू यूलू (48) के पड़ोसी इस नजारे के आदि हो चुके हैं। आपको जानकार हैरानी होगी की सिर्फ यही एक रोबोट उन्होंने नहीं बनाया है। वह कबाड़ की मदद से 47 ऐसे और रोबोट बना चुके हैं जो चित्रकारी, मसाज करना आदि सहित कई अन्य काम कर सकते हैं। इतने सारे रोबोट बनाने के चलते वू यूलू दुनियाभर में काफी मशहूर हो गए हैं। उन्होंने अपना यह अनोखा शौक 1986 में शुरू किया था, जो आज तक जारी है। इसके लिए वह भारी कर्ज में डूब गए थे, लोगों ने इस सनक के चलते उनपर बैट्री एसिड (तेजाब) फेंका और उनकी पत्नी ने लगभग उनका साथ छोड़ ही दिया था।

जाते समय का सत्कार

एक बार एक चित्रकार नेपोलियन के पास गया। नेपोलियन ने उस चित्रकार को मैले कपड़ों में देखकर उसका आदर नहीं किया और उसे एक ओर बैठने का हुक्म दे दिया। पर कुछ समय तक उससे बातचीत करके नेपोलियन को पता चला कि वह बहुत ही बढ़िया चित्रकार है। अंतत: जब चित्रकार जाने लगा तो नेपोलियन ने खुद उठकर उससे हाथ मिलाया। इसके साथ ही वह उसके साथ दरवाजे तक भी गया। इस तरह का आदर देखकर चित्रकार को बहुत हैरानी हुई।

उसने डरते हुए नेपोलियन से पूछा, 'जब मैं आया था, तब तो आपने मुझे अपने पास बैठने तक नहीं दिया था, पर अब जाते समय आप मुझे यहां तक छोड़ने आए हैं। इसका क्या कारण है।'

नेपोलियन ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'आते समय जो आदर किया जाता है, वो मनुष्य के पहनावे को देखकर किया जाता है, पर जाते हुए जो सत्कार किया जाता है, वो उसके गुणों को देखकर किया जाता है।' बच्चों इसलिए हमें सदैव ही अपनी जिंदगी में ऐसे कपड़े पहनने चाहिएं, जो दूसरों को भी अच्छे लगें। लेकिन खाना वही खाना चाहिए, जो आपके मन को अच्छा लगे।

गूगल का नया ब्राउजर

बच्चो, आप इंटरनैट सर्फिंग के लिए जिस गूगल ब्राउजर का प्रयोग करते हैं, 1 अगस्त से उसका रूप बदला हुआ होगा। जी हां, इंटरनैट कंपनी गूगल ने अपनी सेवाओं का उपयोग करने वालों को आगाह किया है कि पहली अगस्त से पुराने इंटरनैट ब्राउजरों को गूगल सपोर्ट नहीं करेगा। इसका मतलब यह हुआ कि इंटरनैट एक्सप्लोरर 7, सफारी 3 या फायरफॉक्स 3.5 ब्राउजरों की सहायता से इंटरनैट का उपयोग करने वालों को गूगल की जीमेल, गूगल कैलेंडर, गूगल टॉक या गूगल डॉक्स जैसी सेवाएं आधी- अधूरी उपलब्ध होंगी। इतना ही नहीं भविष्य में विकसित की जाने वाली गूगल की सेवाएं भी पुराने ब्राउजर पर उपलब्ध नहीं होंगी। माना जाता है कि गूगल ने पुरानी पीढ़ी के वैब ब्राउजरों की सुरक्षा खामियों से बचने के लिए यह फैसला किया है।

स्टैटकाउंटर नामक वेब विश्लेषण कंपनी की मानें तो इंटरनैट से जुड़े 17 प्रतिशत लोग गूगल के फैसले से प्रभावित होंगे। गूगल की पूरी सेवाएं प्राप्त करने के लिए उन्हें अपने इंटरनैट ब्राउजर को अद्यतन बनाना होगा।

हम बताएं, आप बनाएं

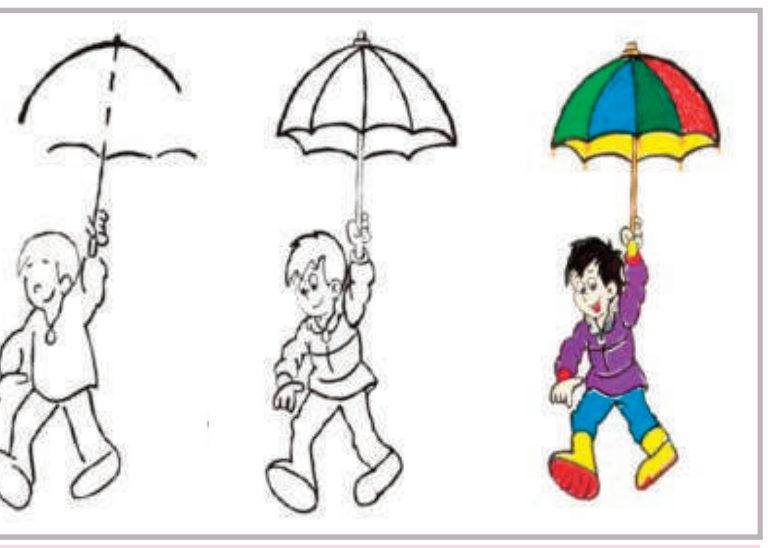

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर-सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब-तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी-सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।

ईमानदारी ही सर्वश्रेष्ठ नीति

बाल कहानी

काम की तलाश में इधर-उधर धक्के खाने के बाद निराश होकर दीनू घर लौटने लगा। तो पीछे से एक आवाज आई। ऐ भाई! यहाँ कोई मजदूर मिलेगा क्या?' उसने पीछे मुड़कर देखा कि एक बूढ़ा तीन-तीन गठरियाँ उठाए खड़ा है। उसने कहा - हाँ! बोलो क्या काम है? मैं ही मजदूरी कर लूँगा।'

यह तीसरी गठरी जरा भारी है। तुम इसे उठा लो, मैं तुम्हें दो रुपए दूँगा।' दीनू ने कहा - 'ठीक है! चलो आप बूढ़े हैं। इतनी मदद तो मैं यूँ ही कर दूँगा।' इतना कहकर वह गठरी सिर पर रखकर चलने लगा। चलते-चलते दीनू ने बूढ़े से कहा - गठरी काफी भारी है, इसमें है क्या?'

बूढ़े ने धीरे से कहा - इसमें एक-एक रुपए के सिक्के हैं।' चलते-चलते दीनू ने देखा कि बूढ़ा उस पर नजर रखे है। उसने सोचा यह बूढ़ा सोच रहा होगा कि कहीं यह भाग नहीं जाए। पर मैं इतना बेइमान एवं लालची नहीं हूँ। मैं सिक्के के लालच में फँसकर बेइमानी नहीं करूँगा।

कुछ दूरी तय करने पर रास्ते में एक नदी पड़ी। दीनू ने देखा कि बूढ़ा थका हुआ है। उससे यह नदी पार नहीं होगी। उसने बूढ़े से कहा - 'बाबा आप थक चुके हैं। यदि आप ठीक समझें तो इन दो गठरियों में से एक और गठरी मुझे पकड़ा दें। मैं इसका बोझ आसानी से सह लूँगा।'

बूढ़े ने रुककर दीनू से कहा - 'ठीक है! लो पर तुम इसे लेकर कहीं भाग न जाना। इसमें चाँदी के सिक्के हैं।'

दीनू बोला - 'भला मैं क्यों भागूँगा? मैं आपको चोर, बेइमान दिखाई देता हूँ क्या? मैं धन के लालच में किसी को धोखा देने वाला नहीं हूँ।'

दीनू ने दूसरी गठरी उठाई और नदी पार कर ली। चाँदी के सिक्कों का लालच भी उसे डिगा नहीं पाया।

थोड़ी दूर चलने के बाद सामने एक पहाड़ी आ गई। बूढ़े ने फिर कहा - 'ए भाई! मैं तो ठीक से चल भी नहीं पा रहा हूँ।

ऊपर से कमर पर गठरी का बोझ और फिर पहाड़ी की चढ़ाई।'

दीनू बोला - लाइए बाबा यह गठरी भी मुझे दे दीजिए।'

बूढ़े ने कहा - 'कैसे दे दूँ?

इसमें तो सोने के सिक्के हैं। अगर तुम इसे लेकर भाग गए तो मैं बूढ़ा तुम्हारा पीछा भी नहीं कर सकूँगा।'

दीनू बोला - कहा ना, मैं ऐसा आदमी नहीं हूँ। ईमानदारी के चक्कर में ही मुझे मजदूरी करना पड़ रही है। वरना मैं एक सेठ के यहाँ मुनीम की नौकरी करता था। सेठ मुझे हिसाब में गड़बड़ करके लोगों को ठगने के लिए दबाव बनाता था। तब मैंने ऐसा करने से मना किया, तो उसने मुझे नौकरी से निकाल दिया।' तो फिर ठीक है। तीसरी गठरी भी तुम्हीं उठा लो, मैं धीरे-धीरे पहाड़ी चढ़ता हूँ।' दीनू अब सोने की गठरी भी उठाकर चलने लगा। इस समय उसके दिमाग में आया कि यदि मैं तीनों गठरी लेकर भाग जाऊँ तो यह बूढ़ा मेरी पीछा भी न कर सकेगा और मैं एक झटके में मालामाल हो जाऊँगा। तब मेरी पत्नी भी खुश हो जाएगी। पैसा होगा तो इज्जत ऐशो आराम सभी कुछ मिलेगा। दिमाग में इतना आते ही उसके दिल में लालच आ गया और वह तीनों गठरियों को लेकर भाग खड़ा हुआ।

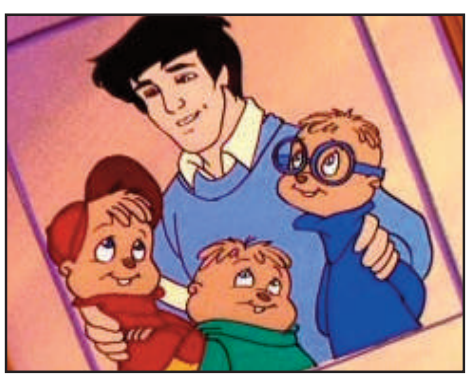

घर पहुँचकर उसने गठरियों को खोलकर देखा तो वह अपना सिर पीटकर रह गया। क्योंकि गठरियों में सिक्कों की आकृति के मिट्टी के ढेले थे।

वह सोच में पड़ गया कि बूढ़े ने ऐसा नाटक क्यों किया? तभी उसकी पत्नी को मिट्टी के सिक्कों में एक कागज मिला जिस पर लिखा था - 'यह नाटक इस राज्य के खजाने की सुरक्षा के लिए किया गया था। परीक्षा लेने वाला बूढ़ा कोई और नहीं स्वयं महाराज ही थे। तुम इस तरह नहीं भागते तो तुम्हें मंत्री पद मान-सम्मान सभी कुछ मिलता, कोई बात नहीं। अब दीनू को ईमानदारी की कीमत समझ आ गई थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। आपके जी-वन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको दूसरों से आगे रखने में मदद करेगा। जो चीजें आपके लिए आवश्यक नहीं हैं उनपर आज अपना अधिकतर समय आप जाया कर सकते हैं। जब आपका जी-वनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। आपके ज़हन में काम का दबाव होने के बावजूद आपका प्रिय आपके लिए ख़ुशी के पलों को लाएगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। अपने समय की कीमत समझें, उन लोगों के बीच रहना जिनकी बातें आपके समझ में नहीं आती हैं गलत है। ऐसा करना भविष्य में आपको परेशानियों के अलावा कुछ नहीं देगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अपना तनाव दूर करने के लिए परिवार वालों की मदद लें। उनकी सहयता को खुले दिल से स्वीकारें। आज के दिन निवेश करने से बचना चाहिए। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज का दिन बहुत ख़ूबसूरत रहेगा। आज आपकी कलात्मक और रचनात्मक क्षमता को काफ़ी सराहना मिलेगी और इसके चलते अचानक लाभ मिलने की संभावना भी है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। पारिवारिक तनावों को अपना ध्यान भंग न करने दें। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी के साथ वक्त बिता पाएंगे और उनके सामने अपने जज्बातों को रख पाएंगे। अपने जीवनस-थी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। मानसिक स्पष्टता आपको व्यवसाय में प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिल-ाएगी। आप सारी पुरानी दुविधाएँ ख़त्म करने में भी सफल रहेंगे। चीज़ों और लोगों को तेज़ी-से परखने की क्षमता आपको दूसरों से आगे बनाए रखेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। आपका मज़ाकिया स्वभाव आपके चारों ओर के वातावरण को ख़ुशनुमा बना देगा। दफ़्तर में आपको कुछ ऐसा काम मिल सकता है, जिसे आप हमेशा से करना चाहते थे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। आज के दिन आपका वैवाहिक जीवन एक ख़ूबसूरत बदलाव से गुज़रेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आपकी सहायता करेगा और मददगार साबित होगा। आज आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे लेकिन किसी जरुरी काम के आने की वजह से यह प्लान कामयाब नहीं हो पाएगा जिसकी वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी हो सकती है। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। घर के छोटे सदस्यों के साथ गप्पें लगाकर आज आप अपने ख़ाली समय का अच्छा इस्तेमाल कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अचानक आए ख़र्चे आर्थिक बोझ बढ़ा सकते हैं। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। आपका रचनात्मक काम आस-पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप ख़ाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे। जीवनसाथी से आपको अपने दिल की सारी बातें करने का भरपूर समय मिलेगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे-छोटे तोहफ़े लोगों को दें। कारोबारी जितना हो अपने कारोबार से जुड़ी बातों को किसी से शेयर न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप बड़ी मुश्किल में पड़ सकते हैं। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खूबियों पर गौर फमाएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी ज़ुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों को कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है। पदोन्नति की काफ़ी संभावना है। आप अपनी ख़ुशी दुगनी करने के लिए सहकर्मियों से बांट सकते हैं। आज काफ़ी दि-गाग़ी कसरत मुमकिन है। मुश्किल हालात से उबरने में आपके जीवनसाथी की तरफ़ से ज़्यादा सहयोग नहीं हासिल होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। दिन के दूसरे हिस्से में आप आराम करना और अपने परिवार के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। जो भी बोलें, सोच-समझकर बोलें। क्योंकि कड़वे शब्द शांति को नष्ट करके आपके और आपके प्रिय के बीच दरार पैदा कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। आज कार्यालय में आपको कुछ अच्छा समाचार सुनने को मिल सकता है। आज ख़ाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। सम्भव है कि आपके जीवनसाथी की वजह से आपकी प्रतिष्ठा को थोड़ी ठेस पहुँचे।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 फरवरी 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रातः 11:12 तक
नक्षत्र : अश्विनी सायं 05:55 तक
योग : शुक्ल दोपहर 01:07 तक
करण : बालव प्रातः 11:12 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:20 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:39, सूर्यास्त 06:27 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 06:19 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:12 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल सायं 05:55 तक , याज्ञवल्क्य जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

जयपुर में कान्हा रेस्टोरेंट पर आयटी की स्ट्राइक

खुफिया कमरे की अलमारियों से निकला खजाना, 7.5 करोड़ का सोना और कैश सीज

जयपुर, 21 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की प्रसिद्ध फूड चेन 'कान्हा' रेस्टोरेंट समूह पर आयकर विभाग की छापेमारी चौथे दिन शनिवार को भी जारी रही। विभाग की इस बड़ी कार्रवाई में अब तक बेहिसाबी संपत्ति का बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच और जब्ती के बाद आईटी टीम ने 7.5 करोड़ रुपये का सोना और 25 लाख रुपये कैश आधिकारिक तौर पर सीज कर लिया है। दीवार के पीछे 'खुफिया कमरा' और 10 अलमारियां

छापेमारी के दौरान जयपुर में शुक्रवार को आयकर अधिकारियों के हाथ एक बड़ी सफलता लगी। एक ठिकाने पर जांच के दौरान एक खुफिया कमरा मिला, जिसे एक बड़ी दीवार के पीछे बेहद शातिर तरीके से बनाया गया था।

खजाना : इस गुप्त कमरे के अंदर 10 छोटी-छोटी अलमारियां छिपाई गई थीं।

बरामदगी : इन अलमारियों को खोलने पर करीब 5 करोड़ रुपये की ज्वेलरी और 25 लाख रुपये नकद बरामद हुए। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार, चार दिनों की कार्रवाई में अब तक मिली कुल संपत्ति का विवरण इस प्रकार है:

सोना/ज्वेलरी : कुल 11 करोड़ रुपये की कीमत का सोना मिला (7.5 करोड़ का सीज)। 1.25 करोड़ रुपये नकद बरामद (25 लाख सीज)। 10 बैंक लॉकर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें खोलकर वैल्यूएशन किया जाना बाकी है।

बुधवार सुबह जयपुर और मुंबई सहित कुल 33 ठिकानों पर एक साथ यह ऑपरेशन शुरू किया गया था।अब तक 26 ठिकानों पर सर्च पूरी हो चुकी है, जबकि जयपुर के 7 ठिकानों पर शनिवार देर शाम तक भी टीमें दस्तावेज खंगाल रही थीं।

शादियों का रिकॉर्ड : विभाग ने कान्हा समूह द्वारा संचालित होटलों में पिछले तीन वर्षों में हुई भव्य शादियों और आयोजनों का पूरा रिकॉर्ड तलब किया है।

माना जा रहा है कि रविवार शाम तक बैंक लॉकर खोलने और चल-अचल संपत्ति के मूल्यांकन (तरश्रींरींळेप) के बाद यह सर्च ऑपरेशन संपन्न होगा। विभाग को अंदेशा है कि आगामी जांच में करोड़ों रुपये के अघोषित निवेश और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी सामने आ सकते हैं।

बारात आने से पहले उठीं दो अर्थियां, शादी वाले दिन सगी बहनों ने की खुदकुशी

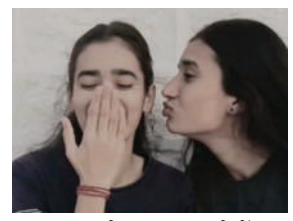

जोधपुर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

जोधपुर के सूरसागर थाना क्षेत्र के मणाई गांव में शनिवार को एक ऐसी दुखद घटना घटी जिसने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। जिस घर में शनिवार को शहनाइयां गूंजनी थीं और बारात का स्वागत होना था, वहां सुबह होते-होते दो सगी बहनों की लाशें देख कोहराम मच गया। दो सगी बहनों ने अपनी शादी से महज कुछ घंटे पहले आत्महत्या कर ली। मृतक बहनें, शोभा और विमला, मणाई निवासी दीप सिंह की पुत्रियां थीं। दोनों निजी स्कूल में शिक्षिका थीं और अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने वाली थीं। एडीसीपी पश्चिम रोशन मीणा ने बताया कि शुक्रवार रात घर में 'बंदोली' का कार्यक्रम था। पूरा परिवार नाच-गाने और खुशियों में डूबा था।

अचानक बिगड़ी तबीयत : रात करीब 12 बजे दोनों बहनें अपने कमरे में सोने गईं। लेकिन सुबह करीब 4 बजे अचानक दोनों की तबीयत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में परिजन उन्हें जोधपुर के निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतकों के मामा जसवंत सिंह ने बताया कि उन्हें सुबह 5 बजे घटना की जानकारी मिली। जब वे मणाई गांव पहुंचे, तो वहां का दृश्य भयावह था। परिवार सदमे में अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा था। जसवंत सिंह के अनुसार, दोनों बहनों के शव पूरी तरह नीले पड़ चुके थे, जो जहर (विषाक्त पदार्थ) के सेवन की ओर इशारा करते हैं।पुलिस को सूचना मिलते ही सुबह 6 बजे टीम मौके पर पहुंची और अंतिम संस्कार की तैयारियों को रुकवाया।

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान पवेलियन का किया दौरा

जयपुर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान शनिवार को केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'राजस्थान पवेलियन' का दौरा किया। इस अवसर पर श्री वैष्णव को राजस्थान सरकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआय) के क्षेत्र में प्रमुख पहलों की विस्तृत जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के इन नवाचारों में शासन में एआय का उपयोग, नागरिक-केंद्रित सेवाओं का डिजिटलीकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि एवं प्रशासनिक क्षेत्रों में एआय आधारित प्रयास शामिल हैं। अश्विनी वैष्णव ने राजस्थान सरकार के एआय-आधारित शासन को आगे बढ़ाने एवं राज्य में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले इन नवाचारी प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान के ये प्रयास भारत की समग्र -ख रणनीति के अनुरूप हैं, जो समावेशी, जिम्मेदार और नागरिक-केंद्रित विकास पर आधारित है।उल्लेखनीय है कि सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग द्वारा 'राजस्थान पवेलियन' में लगभग 20 स्टॉल्स के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा राजस्थान में टेक्नोलॉजी के माध्यम से हो रहे नवाचारों को बखूबी प्रदर्शित किया गया।

सोजती गेट पर शातिर चोर का गज-हाथ

50 हजार का पीतल का हाथी लेकर चंपत

जोधपुर, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

सूर्यनगरी जोधपुर के सबसे व्यस्ततम इलाकों में शुमार सोजती गेट बाजार से चोरी का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक शातिर चोर ने दिनदहाड़े भीड़भाड़ वाले इलाके में एक हैंडीक्राफ्ट शोरूम के बाहर रखा भारी-भरकम 'पीतल का हाथी' पार कर दिया। वारदात की पूरी तस्वीर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। भीड़ के बीच 'हाथी' उड़ा ले गया चोर घटना शुक्रवार शाम की है, जब बाजार में खासी चहल-पहल थी। शोरूम मालिक महेश के अनुसार चोरी हुए पीतल के सजावटी हाथी की कीमत करीब 50,000 बताई जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि चोर ने पहले काफी देर तक आसपास की हलचल पर नजर दौड़ाई। जैसे ही उसे लगा कि किसी का ध्यान उस पर नहीं है, उसने भारी-भरकम हाथी को उठाया और पलक झपकते ही वहां से रफूचक्कर हो गया।इस चोरी के बाद सोजती गेट बाजार के व्यापारियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गहरा आक्रोश है। व्यापारियों का कहना है कि अगर दिनदहाड़े इतना भारी सामान सरेआम सड़क से चोरी हो सकता है, तो बाजार में दुकानों की सुरक्षा भगवान भरोसे ही है। सोजती गेट जैसे प्रमुख व्यावसायिक केंद्र में ऐसी वारदात पुलिस गश्त पर भी सवाल खड़े करती है।पीड़ित शोरूम संचालक ने मामले की लिखित शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले ली है।

आरोपी की पहचान: फुटेज में चोर का चेहरा और वारदात का तरीका स्पष्ट नजर आ रहा है, जिसके आधार पर पुलिस की टीमें आरोपी की सरगर्मी से तलाश कर रही हैं।

सोडावास में कीचड़ और गड्ढों का साम्राज्य, जिम्मेदार मौन, जनता बेहाल

बहरोड़ (सोडावास), 21 फरवरी (एजेंसियां)।

जिम्मेदारों ने मुंह मोड़ा... पीड़ा का न आर न पार! यह पंक्तियाँ आज बहरोड़ के सोडावास कस्बे की हकीकत बयां कर रही हैं। स्टेट हाईवे-14 (अलवर-बहरोड़ मार्ग) की हालत इतनी बदतर हो चुकी है कि इसे 'सड़क' कहना अब मजाक सा लगता है। यहाँ की जनता अपनी सहनशक्ति की आखिरी सीमा पर है, लेकिन प्रशासनिक लापरवाही की हदें पार हो चुकी हैं। पुलिस चौकी के पास ही 'यातना शिविर' सोडावास बस स्टैंड और स्थानीय पुलिस चौकी के पास करीब 200 मीटर का पैच किसी डरावने सपने जैसा है। सड़क पर कई फीट गहरे गड्ढे हो चुके हैं, जिनमें भरा कीचड़ और गंदा पानी राहगीरों का स्वागत करता है।

यहाँ से गुजरने वाले वाहनों के पहिए कीचड़ में इस कदर फंसते हैं कि चालकों का संतुलन बिगड़ जाता है। हालात इतने खराब हैं कि ग्रामीणों ने मजबूरी में इस मुख्य रास्ते को छोड़कर अब गलियों और वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

सड़क की इस जर्जर स्थिति का सबसे ज्यादा खामियाजा दोपहिया वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यहाँ हर दिन बाइक सवार इन गड्ढों में गिरकर चोटिल होते हैं।

पुलिस चौकी के ठीक बगल में यह 'यातना मार्ग' होने के बावजूद संबंधित विभाग (झथऊ) और ठेकेदार चैन की नींद सो रहे हैं। गिरते-पड़ते और चोटिल होते लोग अब पूछ रहे हैं कि आखिर उनकी पीड़ा सुनने वाला कौन है?

कस्बे के लोगों का कहना है कि यह मार्ग बहरोड़ और अलवर को जोड़ने वाली मुख्य कड़ी है, लेकिन यहाँ की दुर्दशा ने विकास के दावों की पोल खोल दी है। यदि जल्द ही इन गड्ढों को भरकर सड़क का पुर्ननिर्माण नहीं किया गया, तो आक्रोशित जनता बड़े आंदोलन के लिए मजबूर होगी।

हर जिले में स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया जाए : गुलशन डंग

रोहतक, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा में शीघ्र पेश होने वाले बजट को लेकर प्रदेश के व्यापारियों और उद्योगपतियों की निगाहें सरकार पर टिकी हुई हैं। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन की ओर से बजट से पूर्व सरकार के समक्ष व्यापार एवं उद्योग से जुड़ी प्रमुख मांगें रखी गई हैं। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष गुलशन डंग का कहना है कि हरियाणा देश में जीएसटी कलेक्शन के मामले में पांचवें स्थान पर है, इसके बावजूद औद्योगिक विकास और व्यापारियों को मिलने वाली सुविधाओं के क्षेत्र में प्रदेश पिछड़ा हुआ है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हरियाणा का योगदान राष्ट्रीय राजस्व में लगातार बढ़ रहा है, लेकिन इसके अनुरूप न तो औद्योगिक ढांचा मजबूत हो पा रहा है और न ही व्यापारियों को अपेक्षित सहूलियतें मिल रही हैं। विशेष रूप से छोटे और मध्यम व्यापारियों को जटिल नियमों, कर प्रक्रियाओं और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझना पड़ रहा है।गुलशन डंग ने प्रदेश में विशेष आर्थिक जोन की संख्या बढ़ाने की मांग करते हुए कहा कि इससे न केवल नए उद्योग स्थापित होंगे, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि हरियाणा की भौगोलिक स्थिति और संसाधनों को देखते हुए यहां नए आर्थिक जोन विकसित किए जाने की अपार संभावनाएं हैं, जिनका लाभ अब तक पूरी तरह नहीं उठाया गया है। इसके साथ ही संगठन ने एमएसएमई सेक्टर के लिए विशेष बजटीय प्रावधान करने की मांग की है। एमएसएमई इकाइयों के लिए सस्ती वित्तीय सहायता, आसान ऋण व्यवस्था, बिजली दरों में राहत और तकनीकी उन्नयन के लिए विशेष योजनाएं लागू करने पर जोर दिया गया।

घग्गर में प्रदूषण पर केंद्र के जवाब से कुमारी सैलजा ने समयबद्ध कार्रवाई की मांग की

चंडीगढ़, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

सिरसा सांसद कुमारी सैलजा ने घग्गर नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा भेजे गए आधिकारिक जवाब पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों से समयबद्ध, ठोस और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

मीडिया को जारी एक बयान में सांसद सैलजा ने कहा कि केंद्र के जवाब से स्पष्ट हो गया है कि हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ से निकलने वाले विभिन्न नालों के माध्यम से घग्गर नदी में अपशिष्ट जल छोड़ा जा रहा है। जब सरकार स्वयं इस स्थिति को स्वीकार कर रही है, तो केवल कागजों पर योजनाएं बनाना पर्याप्त नहीं है, जमीनी स्तर पर सख्त और समयबद्ध कार्रवाई अब जरूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्षों से नदी की सफाई के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। घग्गर के किनारे बसे गांवों के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है, खेती बुरी तरह प्रभावित हो रही है और क्षेत्र के लोगों में कैंसर सहित गंभीर बीमारियों का भय बढ़ रहा है।

पंजाब में नशे और अपराध पर सख्त प्रहार करेगी भाजपा: नायब सिंह

चंडीगढ़, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवाओं की नई सोच और सकारात्मक ऊर्जा से प्रदेश और देश को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने पंजाब की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों में वहां नशे की समस्या गंभीर रूप से बढ़ी है, जिसका दुष्प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ा है। युवाओं को नशे की प्रवृत्ति से दूर रखना समय की मांग है और भारतीय जनता पार्टी उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री शनिवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि नशे के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के लिए हरियाणा में साइक्ल-ोथॉन और मैराथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में युवा भाग ले रहे हैं। अवैध नशा कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है और उनकी संपत्तियां भी अटैच की जा रही हैं। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बढ़ते अपराधों पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ कर शांति, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होगी। उन्होंने आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने में विफल रही है और जनता अपेक्षित परिणाम नहीं देख पा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा सुदृढ़ हुई है। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग और कनेक्टिविटी के विस्तार से विकास को नई गति मिली है। रोजगार के विषय में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की मुद्रा योजना, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और स्टैंड अप इंडिया जैसी पहलों से युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

हरियाणा सरकार ने भी पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से बिना खर्ची और बिना पर्ची के सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। पिछले एक वर्ष में लगभग 37,000 युवाओं को सरकारी रोजगार दिया गया है। हाल ही में 12,500 पदों पर भर्तियां निकाली गई हैं, जिन्हें पूर्ण पारदर्शिता के साथ भरा जा रहा है, ताकि सभी वर्गों के युवाओं को समान अवसर मिल सकें।मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलों के क्षेत्र में हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, पैरालंपिक और एशियन गेम्स सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि विदेश सहयोग विभाग की स्थापना कर युवाओं को सुरक्षित और पारदर्शी माध्यम से विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा वैध प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को सशक्त बनाकर प्रदेश और देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाना है।

पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

जगतियाल, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

जिला पुलिस ने लाओस में युवाओं को अवैध रूप से भेजकर साइबर धोखाधड़ी में धकेलने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने गिरफ्तार किए गए लोगों को मीडिया के सामने पेश करते हुए गिरोह के तरीकों का खुलासा किया। गिरफ्तार आरोपियों में ओबुलपुर थंडा निवासी इस्लावथ विजयेंद्र उर्फ एंड्रयू, मीसाला राजशेखर, दंडुगुला कल्याण, श्याम राव और विशाखापत्तनम निवासी राजू शामिल हैं।

मुख्य आरोपी विजयेंद्र ने नवंबर 2024 में लाओस जाकर वहां एक साइबर धोखाधड़ी नेटवर्क में शामिल होने का प्रयास किया। नेटवर्क ने उसे लाओस भेजे गए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 13,000 युआन (लगभग 1.75 लाख रुपये) का कमीशन देने का वादा किया था।

उन्होंने बैंकॉक में कॉल सेंटर की नौकरियों का झांसा देकर जगतियाल और आसपास के क्षेत्रों से युवाओं की भर्ती की। आरोपियों ने प्रत्येक पीड़ित से 75,000 रुपये से लेकर 1.05 लाख रुपये तक की रकम वसूल की।पीड़ितों को पहले पर्यटक वीजा पर थाईलैंड भेजा गया और फिर वहां से अवैध रूप से लाओस के गोल्डन ट्रायंगल क्षेत्र में भेजा गया। वहां उन्हें कथित तौर पर चीनी कंपनियों द्वारा संचालित साइबर कॉल सेंटरों में काम करने के लिए मजबूर किया गया।

एसपी ने बताया कि मुख्य रूप से भारतीयों को निशाना बनाने के लिए अमेरिकन इन्फ्लुएंसर्स के नाम से नकली सोशल मीडिया खातों का उपयोग किया गया। सहयोग करने से इनकार करने वाले पीड़ितों को धमकाया गया और उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए।पीड़ितों में से एक की शिकायत पर जगतियाल ग्रामीण पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया, और मुख्य आरोपी के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।

बीआरएस नेताओं के खिलाफ अवैध मामले रद्द किए जाएं : कोप्पुला

मंचेरियाल, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पूर्व मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने क्यातानापल्ली में बल्का सुमन और अन्य बीआरएस नेताओं के खिलाफ दर्ज अवैध मामलों को तुरंत रद्द करने की मांग की है। उन्होंने यह बयान शनिवार को बीआरएस और सीपीआई द्वारा आयोजित एक मीडिया कॉन्फ्रेंस में दिया।

इस अवसर पर उपस्थित पूर्व विधायक पुट्टा मधु और टीबीजीकेएस के प्रदेश अध्यक्ष मिरियाला राजिरेड्डी ने आरोप लगाया कि क्यातानापल्ली नगरपालिका पर बीआरएस का झंडा फहराने के लिए अराजकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने मंत्री विवेक और सांसद वामसी पर लोकतांत्रिक चुनाव में बाधा डालने के लिए कड़ी आलोचना की।

कोप्पुला ने कहा, राज्य का चुनाव आयोग अब एक कठपुतली आयोग बन चुका है, और आरोप लगाया कि पुलिस ने मंत्री विवेक के उकसावे पर अवैध मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि बीआरएस और सीपीआई गठबंधन के पार्षदों को नगरपालिका पर कब्जा करने की धमकियां दी जा रही हैं।

पूर्व विधायक पुट्टा मधु ने सवाल उठाया,क्या राहुल गांधी, जो संविधान के प्रति सचेत हैं, राज्य में फैली अराजकता को नहीं देख रहे

नेताओं ने बीआरएस पार्षद भीमागौड़ के परिवार से भी मुलाकात की और उनके साथ खड़े रहने का आश्वासन दिया।

खम्मम में चार दिवसीय राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का शुभारंभ

खम्मम, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सीएम कप-2026 के हिस्से के रूप में आयोजित चार दिवसीय राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता शुक्रवार को यहाँ के सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम में शुरू हुई।पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने प्रतियोगिताओं का औपचारिक उद्घाटन किया। इस आयोजन में तेलंगाना के विभिन्न जिलों के लगभग 230 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं।खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए, सीपी ने उन्हें राज्य स्तर पर अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह आयोजन खिलाड़ियों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देगा। सीपी ने कहा कि हार के डर के बिना निरंतर प्रयास करना महत्वपूर्ण है और भागीदारी ही सफलता की पहली सीढ़ी है।दत्त ने उल्लेख किया कि इन प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं और छात्रों को असामाजिक गतिविधियों से दूर रहने, खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने, ग्रामीण खेलों को मजबूत करने और ग्रामीण स्तर पर छिपी प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए किया जा रहा है।

इस अवसर पर जिला युवा एवं खेल अधिकारी सुनील कुमार रेड्डी, जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष सारंगपाणि, सचिव पुट्टा शंकरैया, कोषाध्यक्ष गोंगूरा वेंकटेश्वरलू, खम्मम जिला ओलंपिक संघ के सचिव क्रिस्टोफर बाबू, स्कूल गेम्स फेडरेशन के सचिव रामा राव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

क्यातानापल्ली में कांग्रेस की धमकी!

बीआरएस पार्षदों के परिवारों पर दबाव

क्याथानापल्ली, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी ने बीआरएस पार्षदों को खुलेआम धमकी दी है कि उन्हें कांग्रेस में शामिल होना होगा, नहीं तो क्याथानापल्ली में उनके अस्तित्व को समाप्त कर दिया जाएगा। यह आरोप लगाया गया है कि कांग्रेस के सदस्य बीआरएस पार्षदों के परिवार और रिश्-तेदारों पर दबाव डाल रहे हैं, यहाँ तक कि उन्हें पैसे की पेशकश कर रहे हैं।

कांग्रेस के अनुयायी मंत्री विवेक के समर्थन में कार्य कर रहे हैं और बीअ-रएस पार्षदों को अपने पक्ष में लाने के लिए कच्ची ताकत का सहारा ले रहे हैं। आरोप है कि 11वें वार्ड के बीआरएस पार्षद बोम्मा भूमय्या गौड़ के घर पर

अधिकारियों ने धावा बोलकर हंगामा किया और पार्षद की पत्नी और बेटी पर हमला किया।स्थानीय लोगों के अनुसार, अधिकारियों ने पार्षद के घर को गिराने की धमकी दी और उसके बगल की जमीन को भी कब्जे का हवाला देते हुए नष्ट करने का प्रयास किया। पार्षद की पत्नी विजया ने अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई।स्थानीय चर्चा के अनुसार, कांग्रेस के गुंडे बीआरएस और सीपीआई पार्षदों की प्रभावित करने के लिए 3 करोड़ रुपये से 9 करोड़ रुपये की पेशकश कर रहे हैं। इस दौरान, पार्षदों के परिवारों को धमकी दी गई कि यदि वे कांग्रेस में शामिल नहीं होते हैं, तो उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

कांग्रेस द्वारा पार्षदों को मिलने वाले आर्थिक प्रस्तावों के संदर्भ में, यह स्पष्ट है कि स्थानीय राजनीतिक माहौल अत्यधिक तनावपूर्ण है। समितियों में इस भयावह स्थिति का सामना कर रहे बीआरएस पार्षदों को राजनीति के इस खेल में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता सताने लगी है।

डोंगली में विकासात्मक कार्य का शिलान्यास और ग्राम पंचायत भवन का उद्घाटन

डोंगली, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जुक्कल विस क्षेत्र के विधायक टोटा लक्ष्मी कांता राव ने शनिवार को मंडल केंद्र के साथ विभिन्न गांवों में लाखों रुपये की निधि से विकासात्मक कार्य का शिलान्यास और ग्राम पंचायत भवन का शुभारंभ किया।स्थानीय कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने विधायक के नेतृत्व में गांवों के बदलते स्वरूप को सराहा। विधायक ने बताया कि तेलंगाना सरकार के आदे-शानुसार, मंडल में विकास कार्यों की आधारशिला रखने का यह आयोजन महत्वपूर्ण है।डोंगली मंडल मुख्यालय में ग्राम पंचायत भवन निर्माण के साथ-साथ लिंबूर और मोघा गांवों में विभिन्न विकास कार्यों का भी शिलान्यास किया गया। उन्होंने चिन्ना टाकली और इलेगाव के ग्राम पंचायत भवनों का उद्घाटन किया।इस अवसर पर विधायक ने कहा, मेरा एक ही लक्ष्य है - गांवों का विकास और लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए निरंतर प्रयास करना। रेवंत रेड्डी की सरकार हर गांव को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कृतसंकल्पित है।इस आयोजन में कांग्रेस पार्टी के मंडल अध्यक्ष गजानन देशई और विभिन्न गांवों के सरपंच भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, विधायक ने स्थानीय डोंगली मंडल कार्यालय में बीस कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक चेकों का वितरण किया।

सिरपुर विधायक का भट्टुपल्ली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण

कागजनगर, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने मंडल के भट्टुपल्ली गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों को बाह्य रोगी सेवाओं का विस्तार करने और रोगियों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।इस निरीक्षण कार्यक्रम में पूर्व एमपीटीसी पिरिसिंगुला तिरूपति, पार्षद चिप्पाकुर्थी श्रीनिवास और अन्य स्थानीय नेता भी उपस्थित रहे।

विधायक ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के महत्व पर जोर दिया, ताकि स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य संबंधी बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

जिले में विकास कार्यों की गति बढ़ाने का आदेश : हरिता

कुमुरामभीम/आसिफाबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला कलेक्टर के. हरिता ने जिले में चल रहे विकास कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता पर जोर दिया। शनिवार को इंटीग्रेटेड जिला कलेक्ट्रेट बिल्डिंग कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित एक रिव्यू मीटिंग में उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से कहा कि फाइनेंशियल ईयर 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, इसलिए सभी कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए।

इस बैठक में डिस्ट्रिक्ट एडिशनल कलेक्टर (लोकल बॉडीज़) दीपक तिवारी और विभिन्न विभागों के इंजीनियरिंग ऑफिसर्स, मंडल परिषद डेवलपमेंट ऑफिसर्स, और विमेन एंड चाइल्ड वेलफेयर डिपार्टमेंट के अधिकारी शामिल हुए।

के. हरिता ने निर्देशित किया कि -ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत महत्वपूर्ण कार्यों, जैसे ग्राम पंचायत ऑफिस और अनाज गोदाम का निर्माण, जल्द से जल्द शुरू किया जाए और मार्च के अंत तक पूरा किया जाए। आंगनवाड़ियों में शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं जल्द से जल्द स्थापित की जाएं। स्कूलों में अतिरिक्त क्लासरूम का निर्माण, तथा सड़क और पुलों के निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए। गर्मियों में पीने के पानी की समस्या को रोकने के लिए योजना बनाई जाए और आवश्यक मरम्मत के उपाय किए जाएं।

उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी, और सभी कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी।

मंचेरियाल में मल्टी-स्पोर्ट्स सेंटर का उद्घाटन

मंचेरियाल, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

मंचेरियाल नगर निगम के महापौर धरनी मधुकर ने बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास को बढ़ावा देने के लिए खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्थानीय पार्षद नीली स्वप्ना के साथ मिलकर 'एनएसएस ड्राइव इन' नामक एक बहु-खेल केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया है।इस केंद्र की स्थापना कोंडा सिद्धार्थ ने की है, जिन्होंने इसी कस्बे से देश में सबसे लंबी मोटरसाइकिल यात्रा का रिकॉर्ड बनाया है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सिद्धार्थ ने इस पहल के पीछे का उद्देश्य स्पष्ट किया, stating कि यह केवल एक व्यापारिक परियोजना नहीं है, बल्कि

मंचेरियाल में युवाओं और बच्चों के लिए एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण प्रदान करने का अभिनव प्रयास है।

केंद्र में बॉक्स क्रिकेट, फुटबॉल और सैंड वॉलीबॉल जैसे विभिन्न खेलों की सुविधाएं उपलब्ध हैं। सिद्धार्थ ने 2025 में लगभग 41,000 किलोमीटर की यात्रा करते हुए एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में अपनी उपलब्धि दर्ज कराई, जिससे उन्होंने सभी राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश को 96 दिनों में कवर किया।

इस उद्घाटन को स्थानीय समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जो खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को सक्रिय रखने में मदद करेगा।

कपास की खरीद और बिक्री की समय सीमा 27 तक

आसिफाबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । जिला विपणन अधिकारी अश्वक हैमाद ने जिले के किसानों को सूचित किया है कि उन्हें इस महीने की 27 तारीख तक कपास की खरीद और बिक्री को पूरा करना चाहिए। उन्होंने बताया कि सभी जिनिंग मिलों में कपास की खरीद कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) द्वारा 27 फरवरी तक की जाएगी।किसानों को सलाह दी गई है कि वे कपास किसान ऐप के माध्यम से 2025-26 कपास सीजन के लिए स्लॉट बुक करें और समय सीमा के भीतर उपलब्ध जिनिंग मिलों में अपनी फसल बेचें।

यदि कोई किसान स्लॉट बुकिंग में समस्या का सामना कर रहा है, तो वह सीसीआई की हेल्प डेस्क पर 8332807008 नंबर पर संपर्क कर सकता है। ये निर्देश किसानों को सही समय पर अपनी फसल की विक्रय प्रक्रिया में मदद करने के लिए हैं।

मंथनी सब-रजिस्ट्रार और दस्तावेज़ लेखक रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

पेड्डापल्ली, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने शुक्रवार को मंथनी के सब-रजिस्ट्रार राजेंदर और एक निजी दस्तावेज़ लेखक को एक किसान से 16,500 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, सब-रजिस्ट्रार राजेंदर ने पुट्टापाका गांव के एक किसान से उसकी जमीन के पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) के बदले रिश्वत की मांग की थी।

रिश्वत देने में असमर्थ किसान ने एसीबी से संपर्क किया, जिसके बाद विभाग ने जाल बिछाया।

राजेंदर को दस्तावेज़ लेखक रशीद के माध्यम से 16,500 रुपये स्वीकार करते हुए पकड़ा गया।

इस मामले में आगे की जांच जारी है।

तेलंगाना पुलिस की उत्कृष्टता: कालेश्वरम जोन ने सेपक तकरा में रजत पदक जीता

आसिफाबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) । तेलंगाना पुलिस की चौथी खेल प्रतियोगिता में कालेश्वरम जोन ने सेपक तकरा खेल श्रेणी में उपविजेता होने का गौरव हासिल किया। गाचीबोवली मैदान, हैदराबाद में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुलिसकर्मी राजेश (पीसी 709) और पुलिसकर्मी गोपी क्रमशः रजत पदक प्राप्त कर जिले का मान बढ़ाया।

कप्तान गोपी, जिन्हें आगामी 74वें अखिल भारतीय पुलिस स्पोर्ट्स मीट के लिए चुना गया है, 23 से 27 फरवरी तक केरल में प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

इस अवसर पर, जिला पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने विजेत-ाओं को विशेष बधाई दी। उन्होंने कहा,खेलों में ऐसी उपलब्धियां हासिल करना सराहनीय है। हमारा विभाग भविष्य में भी अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुलिसकर्मियों की खेल प्रतिभा को बढ़ावा देने में निरंतर प्रयासरत रहेगा।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकार्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत आस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही आस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकार्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और 2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप बी में सबसे नीचे रहे। आस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। दोनों ने 93 रन की साझेदारी करते हुए आस्ट्रेलिया को सिर्फ 9.4 ओवर में जीत दिलाई। मार्श ने सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि हेड ने छह चौके जड़े।

भारत से हार के बाद अब तक पाकिस्तान टीम में मची हैं खलबली, कोच माइक हेसन ने खोला विवादों पर पूरा सच

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत से मिली हार का असर पाकिस्तान टीम के लिहाज से काफी बड़ा साबित हो रहा है। टीम के अंदरूनी माहौल को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। एक ओर कप्तान सलमान अली आगा और हेड कोच माइक हेसन के बीच विवाद के दावे हो रहे हैं, तो दूसरी ओर नामीबिया जैसी कमजोर टीम के खिलाफ बाबर आजम को बैटिंग आर्डर में नीचे भेजने और शाहिन अफरीदी को बाहर करने को लेकर भी आलोचना बढ़ गई है। इन तमाम चर्चाओं के बीच कोच हेसन ने प्रेस कान्फ्रेंस कर सब पर सफाई दी। हेसन ने स्वीकार किया कि बाबर का स्ट्राइक रेट पावरप्ले में 100 से कम रहा है, इसलिए टीम ने उन्हें वह भूमिका दी है जिसमें वे बीच के ओवरों में बेहतर योगदान दे सकें। उनके अनुसार, बाबर खुद जानते हैं कि जब परिस्थितियाँ कठिन हों, तब उनकी उपस्थिति टीम को स्थिरता देती है। उन्होंने साफ कहा कि यूएसए मैच में बाबर सेट होने के बाद स्ट्राइक रेट बढ़ा भी चुके हैं और टीम उनकी यही क्वालिटी इस्तेमाल करना चाहती है। कोच ने इस बात पर जोर दिया कि नामीबिया मैच में बाबर को नं. 3 पर नहीं भेजना कोई बड़ा बदलाव नहीं था, बल्कि परिस्थितियों के हिसाब से लिया गया फैसला था।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप 2026 के बाद फ्रांस टीम के कोच बन सकते हैं जिनेदिन जिदान

नई दिल्ली। फ्रांस के दिग्गज फुटबालर जिनेदिन जिदान फीफा विश्व कप 2026 के बाद फ्रांस पुरुष राष्ट्रीय

फुटबाल टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने फ्रेंच फुटबाल महासंघ के साथ मौखिक सहमति बना ली है और वे मौजूदा कोच दिदिएर देशां की जगह लेंगे। दिदिएर देशां के नेतृत्व में फ्रांस ने लगातार दो विश्व कप फाइनल खेले, जिसमें 2018 का खिताब जीता था। जिनेदिन जिदान 1998 में फ्रांस को विश्व कप जिताने वाली टीम के नायक रहे थे, जबकि 2006 में टीम उपविजेता रही। हालांकि 2006 के फाइनल में उन्हें लाल कार्ड मिला था, जो फुटबाल इतिहास की चर्चित घटनाओं में शामिल है। कोच के रूप में जिदान का रिकार्ड बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने कुल 320 मुकाबलों में से 200 में जीत दर्ज की, 70 मैच ड्रा रहे और 50 में हार का सामना किया। उनकी जीत प्रतिशत 62.5 रही है। क्लब स्तर पर जिदान ने स्पेन के प्रसिद्ध क्लब रियल मैड्रिड के साथ ऐतिहासिक सफलता हासिल की। उनके नेतृत्व में टीम ने ला लीगा (2016-17, 2019-20), सुपरकोपा दे एस्पाना (2017, 2020), यूईएफए चैंपियंस लीग (2015-16, 2016-17, 2017-18), यूईएफए सुपर कप (2016, 2017) और फीफा क्लब विश्व कप (2016, 2017) जैसे कई बड़े खिताब जीते। अपने पहले कार्यकाल में उन्होंने लगातार तीन बार चैंपियंस लीग जीतकर इतिहास रच दिया। 2006 में फुटबाल से संन्यास लेने के बाद जिदान ने 2010 में कोचिंग करियर की शुरुआत की। वे पहले रियल मैड्रिड में सलाहकार की भूमिका में जुड़े और बाद में मुख्य कोच बने। 2016 से 2018 और फिर 2019 से 2021 तक दो कार्यकाल में उन्होंने क्लब को 11 बड़े खिताब दिलाए। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्हें अमेरिका की राष्ट्रीय टीम का कोच बनने का प्रस्ताव भी मिला था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया।

माइक टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद संन्यास तोड़ेंगे फ्लायड मेवेदर

लास एंजेलिस। पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज फ्लायड मेवेदर ने शुक्रवार को घोषणा की है कि वह माइक

टायसन के खिलाफ एग्ज़िबिशन मुकाबले के बाद पेशेवर बाक्सिंग में वापसी करेंगे। 48 वर्षीय मेवेदर ने 2017 में 50 मुकाबलों में अपराजित रहते हुए संन्यास लिया था, हालांकि इसके बाद उन्होंने कई प्रदर्शनी मुकाबलों में हिस्सा लिया। मेवेदर ने एक बयान में कहा कि उनके पास अभी भी बाक्सिंग में नए रिकार्ड बनाने की क्षमता है। उन्होंने दावा किया कि माइक टायसन के साथ होने वाले मुकाबले से लेकर अपने अगले पेशेवर फाइट तक, उनके इवेंट्स सबसे ज्यादा दर्शक, वैश्विक प्रसारण और कमाई दर्ज करेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका पहला पेशेवर मुकाबला इस गर्मी में प्रस्तावित है, हालांकि प्रतिद्वंद्वी के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। विस्तृत जानकारी आने वाले हफ्तों में साझा की जाएगी। मनी के नाम से मशहूर मेवेदर कभी दुनिया के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। वर्ष 2015 में उनकी कमाई 300 मिलियन अमेरिकी डालर बताई गई थी। अपने करियर के चरम पर उन्हें पाउंड-फार-पाउंड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था और उन्होंने एक दशक से अधिक समय तक वेल्टरवेट डिवीजन में दबदबा बनाए रखा।

कतर ओपनः वर्ल्ड नंबर 1 कार्लोस अल्कराज़ ने डिफेंडिंग चैंपियन आंद्रेई रुबलेव को हराकर फाइनल में बनाई जगह

दोहा। कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में वर्ल्ड नंबर 1 स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ ने शुक्रवार रात डिफेंडिंग चैंपियन

आंद्रेई रुबलेव को 7-6(3), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वर्ष 2026 में अल्कराज़ की यह लगातार 11वीं जीत है। पिछले 13 टूर्नामेंट में यह उनका 12वां फाइनल है, जो उनकी निरंतरता और शानदार फार्म को दर्शाता है। पहले सेट में रुबलेव ने कड़ी टक्कर दी। 0-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया, लेकिन बैकहैंड पर की गई 14 अनफोर्स्ड गलतियां उनके लिए नुकसानदायक साबित हुईं। टाईब्रेक में अल्कराज़ ने संयम बनाए रखा और 6-3 की बढ़त हासिल की। इसी दौरान निराश रुबलेव ने गुस्से में अपना रैकेट घुटने पर मार दिया, जिससे उसकी स्ट्रिंग भी टूट गई। अंततः अल्कराज़ ने शानदार फोरहैंड के साथ पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में अल्कराज़ ने दो बार सर्विस ब्रेक कर 5-3 की बढ़त बनाई और मैच जीतने के लिए सर्व कर रहे थे। हालांकि रुबलेव ने तीन मैच प्वाइंट बचाते हुए वापसी की कोशिश की, लेकिन अल्कराज़ ने अगली ही गेम में फिर ब्रेक हासिल कर लिया।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

न्यूजीलैंड-पाकिस्तान सुपर 8 मुकाबला बारिश की वजह से हुआ रद्द

कोलंबो, 21 फरवरी (एजेंसियां)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 का पहला सुपर 8 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया. न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच यह मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में शनिवार को खेला जाना था। लेकिन मूसलाधार बारिश की वजह से मुकाबले में एक भी गेंद नहीं फेंका जा सका. टॉस तय समय के मुताबिक शाम 6:30 बजे हो गया लेकिन उसके बाद भारी बारिश होती रही जिसके बाद अंपायर्स ने मैच को लगभग 9 बजे रद्द घोषित कर दिया। रद्द हुए इस मैच से दोनों टीमों को एक एक अंक मिले।

न्यूजीलैंड ने लीग स्टेज पर 4 में से तीन मैच जीतकर छह अंकों के साथ ग्रुप डी के पॉइंट टेबल में दूसरे नंबर पर रहते हुए सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया जबकि पाकिस्तान ने चार में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ ग्रुप ए में दूसरे नंबर पर रहते हुए सुपर आठ का टिकट कटाया. पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला लिया. नफे की जगह अनुभवी बल्लेबाज फखर जमां को प्लेइंग इलेवन में मौका मिला।

टी20 वर्ल्ड कप के इस एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनर साहिबजादा फरहान को छोड़कर पाकिस्तान की बल्लेबाजी में काफी अस्थिरता देखने को मिली है. बाबर आजम को तेज रन बनाने में काफी संघर्ष करना पड़ा है, जबकि सैम अयूब और कप्तान सलमान अली आगा अभी तक कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाए हैं. पाकिस्तान की लक्ष्य का पीछा करने की क्षमता पर सवालिया निशान बने हुए हैं।

सुपर 8 के अपने पहले मुकाबले से पहले न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी चिंता खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी है. कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रुप डी का पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, लेकिन आज उनकी वापसी की उम्मीद है।

तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन अपने पहले बच्चे के जन्म के बाद अभी-अभी लौटे हैं और शायद आज न खेलें. श्रीलंका की पिच की खराब स्थिति को देखते हुए यह न्यूजीलैंड के लिए बुरी खबर हो सकती है।

न्यूजीलैंड टीम: टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिचेल (कप्तान), कोल मैककॉन्ची, जेम्स नीशम, काइल जैमीसन, मैट हेनरी, जैकब डफी, ईश सोढ़ी, डेवोन कॉनवे, मिशेल सैंटनर, लॉकी फर्ग्यूसन.

पाकिस्तान टीम: साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, सलमान आगा (कप्तान), बाबर आजम, उस्मान खान (विकेटकीपर), ख्वाजा नफे, शादाब खान, मोहम्मद नवाज, फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, फखर जमान, शाहीन अफरीदी, अबरार अहमद, नसीम शाह।

मार्श बोले, अभी भी चुभ रही है जिम्बाब्वे से मिली हार

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में आस्ट्रेलिया का कैंपेन कुछ खास नहीं रहा, लेकिन आखिरी मैच में ओमान को 9 विकेट से हराकर टीम ने अपना अंत धाकड़ अंदाज में किया। कप्तान मिचेल मार्श ने इस मैच में 66 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन जीत के बावजूद उनका ध्यान टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे और श्रीलंका से मिली हार पर अटका रहा। मार्श ने मैच के बाद कहा कि टीम ने टूर्नामेंट के लिए दो साल तक तैयारी की थी, लेकिन कुछ अहम मैचों में आस्ट्रेलिया अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं दिखा पाई। उन्होंने स्वीकार किया कि जिम्बाब्वे के खिलाफ हार ने टीम पर प्रेशर डाला और कई मौके खो जाने से निराशा बढ़ी। मार्श ने यह भी कहा कि कोलंबो की धीमी कंडीशन में टीम ने तैयारी की थी, लेकिन टूर्नामेंट क्रिकेट में थोड़ी सी चूक बड़ी हानि का कारण बन सकती है। कप्तान ने आगे बताया कि क्रिकेट आस्ट्रेलिया और टीम के लीडर अब बैठकर पूरे अनुभव का विश्लेषण करेंगे और यह तय करेंगे कि टीम कैसे बेहतर हो सकती है। मार्श ने जोर देकर कहा कि असफलताओं से सीखना महत्वपूर्ण है और यह अनुभव टीम को आगे मजबूत बनाने में मदद करेगा।

दुबई चैम्पियनशिप 2026: एलिना स्वितोलिना ने कोको गाफ को हराकर फाइनल में बनाई जगह, जेसिका पेगुला से होगा मुकाबला

दुबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

दुबई में खेले जा रहे दुबई चैम्पियनशिप 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में शुक्रवार रात यूक्रेन की स्टार खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गाफ को 6-4, 6-7(13), 6-4 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना जेसिका पेगुला से होगा। एलिना स्वितोलिना ने विश्व नंबर चार कोको गाफ के खिलाफ हालिया जीत की लय को बरकरार रखा। पिछले महीने आस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में जीत दर्ज करने के बाद यह उनकी गाफ पर लगातार दूसरी जीत है। लगभग तीन घंटे तक चले इस रोमांचक मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

पहले सेट में दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन कोको गाफ डबल फाल्ट से जूझती नजर आईं, जिसका फायदा उठाते हुए स्वितोलिना ने 6-4 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में गाफ ने जोरदार वापसी की और अपने जुझारू खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। 15-13 के रोमांचक टाईब्रेक में गाफ ने चार मैच प्वाइंट बचाकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया, जिससे दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

निर्णायक तीसरे सेट में मुकाबला बेहद करीबी रहा। नौवां गेम अहम साबित हुआ, जो कई बार ड्यूस तक पहुंचा। आखिरकार स्वितोलिना ने संयम बनाए रखते हुए 5-4 की बढ़त बनाई और फिर सर्विस होल्ड करते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद स्वितोलिना ने कहा, इतनी कड़ी टक्कर के बाद मैं शब्दों में अपनी भावना व्यक्त नहीं कर सकती। मैंने हर पाइंट ऐसे खेला जैसे कोई कल नहीं है। फाइनल में दोबारा पहुंचना मेरे लिए बेहद खास है। कोको एक बड़ी फाइटर हैं और मुझे उनकी वापसी की उम्मीद थी।

दूसरे सेमीफाइनल में जेसिका पेगुला ने अपनी हमवतन अमांडा अनिसिमोवा को 1-6, 6-4, 6-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। अब खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना और पेगुला के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिलेगी।

एफआईएच मेंस प्रो लीग के होबार्ट चरण में स्पेन ने भारत को 2-0 से हराया

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय पुरुष हाकी टीम को होबार्ट चरण के अपने पहले मुकाबले में स्पेन के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन स्पेन ने अपने मौकों का बेहतर उपयोग करते हुए जीत दर्ज की। स्पेन के लिए इग्नासियो अबाजो (6) और इग्नासियो कोबोस (36) ने एक-एक गोल किया, जो निर्णायक साबित हुए।

पहले क्वार्टर में स्पेन की बढ़त

मैच की शुरुआत में भारतीय टीम ने तेज पासिंग और आक्रामक रुख अपनाते हुए खेल पर नियंत्रण बनाने की कोशिश की। हालांकि, स्पेन की जवाबी रणनीति कारगर साबित हुई। छठे मिनट में इग्नासियो अबाजो ने शानदार डिफ्लेक्शन के जरिए गोल कर स्पेन को बढ़त दिलाई।

भारत ने गोल खाने के बाद भी संयम बनाए रखा और मिडफील्ड से तेज मूव बनाते हुए कई मौके तैयार किए। पहले क्वार्टर के अंत में अभिषेक ने जोरदार शाट लगाया, लेकिन स्पेन के गोलकीपर लुइस कालजादो ने बेहतरीन बचाव करते हुए बराबरी का मौका छीन लिया।

दूसरे और तीसरे क्वार्टर में संघर्ष

दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। 24वें मिनट में स्पेन को पेनल्टी कार्नर मिला, लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार बचाव किया। हाफ टाइम तक स्पेन 1-0 से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में स्पेन ने दबाव बढ़ाया और 36वें मिनट में इग्नासियो कोबोस ने नजदीक से गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन को लगातार पेनल्टी कार्नर मिले, लेकिन भारतीय रक्षा पंक्ति ने अनुशासित खेल दिखाते हुए और गोल नहीं होने दिया।

अंतिम क्वार्टर में भारत का प्रयास नाकाम

चौथे और अंतिम क्वार्टर में भारत ने जोरदार वापसी की कोशिश की। टीम ने स्पेन के सर्कल में लगातार दबाव बनाया और पेनल्टी कार्नर भी हासिल किया, लेकिन उसे भुना नहीं सकी। भारतीय गोलकीपर होननेहल्ली शशिकुमार मोहिथ ने भी एक-के-बनाम-एक स्थिति में शानदार बचाव किया। अंतिम चार मिनट में भारत ने अतिरिक्त आउटफील्ड खिलाड़ी उतारने के लिए गोलकीपर को बाहर बुलाया, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद टीम गोल नहीं कर सकी। मुकाबला 2-0 से स्पेन के पक्ष में समाप्त हुआ। भारतीय टीम अब अपने अगले मैच में 22 फरवरी को मेजबान आस्ट्रेलिया का सामना करेगी।

जीपीकेएल सीजन 2 में धूम मचाएंगे यूरोप, अफ्रीका और एशिया के कबड्डी खिलाड़ी

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने आगामी सीजन में कई महाद्वीपों के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी की पुष्टि की है। अपने पहले संस्करण (जीआईपीकेएल के रूप में संचालित) में रखी गई नींव पर आधारित सीजन 2 लीग के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो एक प्रारंभिक पहल से कबड्डी के लिए एक अधिक संरचित, वैश्विक स्तर पर उन्मुख मंच के रूप में विकसित हो रहा है।

आगामी सीजन में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिससे भारत के कबड्डी गढ़ और खेल के उभरते वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र के बीच एक सेतु के रूप में जीपीकेएल की स्थिति और मजबूत होगी।

सीजन 2 में इंग्लैंड, नीदरलैंड, पोलैंड, हंगरी, चेक गणराज्य और जर्मनी सहित यूरोपीय देशों से अंतरराष्ट्रीय भागीदारी की उम्मीद है। इसके अलावा, तंजानिया, केन्या और कैमरून से अफ्रीकी प्रतिनिधित्व की उम्मीद है- ये वे क्षेत्र हैं जहां हाल के वर्षों में कबड्डी का जमीनी स्तर पर लगातार विकास हुआ है।

हांगकांग और ताइवान के खिलाड़ियों के सीजन 2 में शामिल होने से एशियाई भागीदारी भी बढ़ेगी।

इन क्षेत्रों के खिलाड़ियों का शामिल होना पारंपरिक रूप से खेलने वाले देशों से परे कबड्डी में बढ़ती रुचि के व्यापक रुझान को दर्शाता है और खेल के वैश्विक विकास को गति देने में संरचित प्रतिस्पर्धी मंचों की बढ़ती भूमिका को उजागर करता है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने एक बयान में कहा, महत्वपूर्ण बात यह है कि सीजन 2 में पुरुष और महिला दोनों खिलाड़ी भाग लेंगे। लीग की लैंगिक प्रतिनिधित्व के प्रति प्रतिबद्धता समावेशी विकास और अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण का केंद्र है।

अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की भागीदारी संरचित प्रतिस्पर्धा, कोचिंग वातावरण और अनुभवी भारतीय खिलाड़ियों के साथ बातचीत के माध्यम से विदेशी कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सार्थक रास्ते बनाने के चल रहे प्रयासों को भी पूरा करती है।

अपने शुभारंभ सत्र में जीआईपीकेएल के रूप में शुरू हुआ यह टूर्नामेंट अब एक अधिक व्यापक वैश्विक दृष्टिकोण और सुनियोजित विकास पर अधिक जोर देने वाली ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग के रूप में विकसित हो चुका है। जैसे-जैसे कबड्डी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार कर रहा है, सीमा पार भागीदारी को सक्षम बनाने वाले मंचों से खेल की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता और दीर्घकालिक संस्थागत विकास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई से निकल रहा है बाहर

कंपनी अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचेगी

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

स्विट्ज़रलैंड की दवा कंपनी नोवार्टिस एजी भारत में अपनी सूचीबद्ध इकाई नोवार्टिस इंडिया लिमिटेड से बाहर निकल रही है। कंपनी ने अपनी 70.68 फीसदी हिस्सेदारी निजी इक्विटी फर्मों के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बेचने की सहमति दी है। सौदे का मूल्य लगभग 15.9 करोड़ डालर (1,446 करोड़ रुपये) है। इकंसोर्टियम भारत के नियमों के अनुसार 26 फीसदी तक की अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए 860.84 रुपये प्रति शेयर की अनिवार्य खुली पेशकश करेगा, जिसकी अनुमानित कीमत 552 करोड़ रुपये है। खुली पेशकश सफल होने पर कुल सौदा आकार करीब 1,998 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बंबई स्टाक एक्सचेंज पर नोवार्टिस इंडिया का शेयर 20 फीसदी बढ़कर 996.5 रुपये पर बंद हुआ। यह निवेशकों में विश्वास और सौदे के सकारात्मक असर को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि नोवार्टिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह भारत में नोवार्टिस का नेतृत्व करना जारी रखेंगे। नोवार्टिस ने बयान में कहा कि हमारी वैश्विक रणनीति के अनुरूप हम अपने अभिनव कार्डियो रीनल मेटाबालिक और आन्कोलाजी पोर्टफोलियो का विस्तार कर रहे हैं जिसे हाल में बाजार में उतारा गया है। नोवार्टिस इंडिया स्टाक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी है और नोवार्टिस हेल्थ से अलग है। ऐसे में इस सौदे से नोवार्टिस हेल्थ के संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कंपनी ने कहा कि भारत में उसके 9,000 से अधिक एसोसिएट हैं।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रिकार्ड स्तर पर, 725 अरब डालर पहुंचा

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, 13 फरवरी 2026 को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.66 अरब डालर बढ़कर 725.72 अरब डालर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 6 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार 6.71 अरब डालर घटकर 717.06 अरब डालर रह गया था। जनवरी में विदेशी मुद्रा भंडार का पिछला उच्चतम स्तर 723.774 अरब डालर था। रिजर्व बैंक के मुताबिक, विदेशी मुद्रा भंडार का सबसे बड़ा हिस्सा फारेन करेंसी एसेट्स (एफसीए) होता है। रिपोर्टिंग सप्ताह में एफसीए 3.55 अरब डालर बढ़कर 573.60 अरब डालर हो गया।

न्यूज ब्रीफ

नवी मुंबई हवाईअड्डा ने शुरू की डिजियात्रा सेवा, हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होगा

मुंबई । नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा) ने अपने वाणिज्यिक संचालन के दो महीने बाद डिजियात्रा सेवा शुरू की है। इस सेवा के तहत हवाई अड्डा देश के पांच अन्य हवाई अड्डों के साथ नागर विमानन मंत्रालय के राष्ट्रव्यापी डिजी यात्रा कार्यक्रम में डिजिटल रूप से शामिल हो गया है। डिजियात्रा सेवा का उद्घाटन आनलाइन किया गया। इस मौके पर तीन यात्रियों ने प्रतीकात्मक रूप से डिजियात्रा ई-गेट का उपयोग किया और बायोमेट्रिक प्रवेश बिंदुओं पर रिबन काटा। डिजियात्रा प्रणाली चेहरे की पहचान तकनीक का इस्तेमाल करती है, जिससे हवाई अड्डे पर यात्रियों का प्रवेश तेज और सुविधाजनक होता है। यह तकनीक प्रतीक्षा समय को कम करती है और यात्रियों के डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है। इस डिजिटल पहल से यात्रियों को हवाईअड्डा अनुभव में आसानी मिलती है, लंबी कतारों से बचा जा सकता है और बोर्डिंग प्रक्रिया में समय की बचत होती है। एनएमआईए ने इस कदम को आधुनिक और सुरक्षित हवाई अड्डा संचालन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है ।

केंद्र ने व्यापार सूचकांक के आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2022-23 में अपडेट किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव कर इसे वित्त वर्ष 2012-13 से बदल कर वित्त वर्ष 2022-23 कर दिया है। यह कदम देश की बदलती व्यापार संरचना और वैश्विक रुझानों को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। वाणिज्य मंत्रालय ने भारत के व्यापार सूचकांकों के आधार वर्ष में बदलाव की घोषणा कर इसे 2012-13 से बदल कर 2022-23 कर दिया। मंत्रालय ने कहा कि अर्थव्यवस्था में आए ढांचागत बदलावों, व्यापार के बदलते तौर-तरीकों और मौजूदा आर्थिक संकेतकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए यह कदम उठाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि इस बदलाव से व्यापारिक आंकड़ों की प्रासंगिकता और विश्वसनीयता बढ़ेगी, जो नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं के लिए अब अधिक उपयोगी साबित होंगे। ये सूचकांक मंत्रालय के अधीन आने वाले वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई-एंड-एस) द्वारा तैयार एवं प्रकाशित किए जाते हैं। ये सूचकांक देश के बाहरी व्यापार क्षेत्र में कीमतों के उतार-चढ़ाव को समझने, राष्ट्रीय खातों के संकलन और व्यापार की शर्तों के आकलन के लिए महत्वपूर्ण संकेतक माने जाते हैं। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार सूचकांकों का संकलन और प्रकाशन करने वाले डीजीसीआई-एंड-एस ने कहा कि व्यापार सूचकांकों का आधार वर्ष में यह संशोधन अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलावों, वस्तुओं की बदलती संरचना और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में परिवर्तनों के अनुरूप आंकड़ों को समायोजित करता है। अद्यतन श्रृंखला में 2022-23 को नया आधार वर्ष माना गया है।

रक्षा मंत्रालय ने अग्निपथ योजना में किया पहला बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने चार साल के अंतराल के बाद अग्निपथ योजना में पहला बदलाव किया है।

योजना के तहत थल सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती होने वाले अग्निवीरों की उपरी आयु सीमा अब 22 साल कर दी गई है। इससे पहले यह सीमा 21 साल थी। निचली आयु सीमा 17.5 साल पहले की तरह ही बनी रहेगी। मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि इस बदलाव से अधिक युवा इस योजना में शामिल होने का अवसर पाएंगे। अग्निपथ योजना के तहत हर साल थल सेना, नौसेना और वायुसेना में करीब 50-55 हजार अग्निवीर भर्ती किए जाते हैं। यह भर्ती तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों श्रेणियों में होती है। तकनीकी क्षेत्रों में अधिक पेशेवर जवानों की जरूरत के कारण इस बदलाव को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, मुख्य कारण अधिक तकनीकी पेशेवरों को शामिल करना है। 12वीं पास करने वाले युवाओं की उम्र का निर्धारण एक जुलाई को होता है। ऐसे में जुलाई के बाद जन्म लेने वाला युवा 18 साल की उम्र में पहली बार आवेदन कर सकता है। इसके बाद यदि कोई तकनीकी डिप्लोमा करता है, तो उसकी उम्र सीमा 21 साल तक पहुंच जाती है, जिससे कई योग्य उम्मीदवार पहले आवेदन के योग्य नहीं होते थे।

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ाव भरे सप्ताह के बाद मामूली बढ़त दर्ज की

ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया

मुंबई, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

भारतीय शेयर बाजार ने 20 फरवरी को समाप्त हुए सप्ताह में मिश्रित रुझान दिखाया, लेकिन सप्ताह के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी ने मामूली बढ़त के साथ बंद किया। सप्ताह के दौरान वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेत, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की सतर्कता बढ़ा दी। हालांकि, ब्लू-चिप और बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की चुनिंदा खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया और हफ्ते के आखिरी दिन मामूली सुधार देखने को मिला। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को कमजोर रही। सेंसेक्स 82,276.95 अंक पर खुला और शुरुआती गिरावट के बाद 537.49 अंक की तेजी के साथ 83,164.25 पर बंद हुआ।

निफ्टी भी 25,372.70 से 25,660 तक बढ़ा। मंगलवार को भी शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गई, लेकिन इंफोसिस और आईटीसी जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को 173.81 अंक और निफ्टी को 42.65 अंक ऊपर लाकर बाजार को स्थिर किया। बुधवार को बाजार में मामूली बढ़त रही। सेंसेक्स 283.29 अंक बढ़कर 83,734.25 और निफ्टी 93.95 अंक की बढ़त के साथ 25,819.35 पर बंद हुआ। गुरुवार को स्थिति बदल गई। सेवा और उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में बिकवाली के दबाव ने सेंसेक्स को 1,236.11 अंक गिराकर 82,498.14 और निफ्टी को 365 अंक घटाकर 25,454.35 पर ला दिया, जो सप्ताह का सबसे नकारात्मक दिन था। शुक्रवार को बाजार ने शुरुआती नुकसान से उबरते हुए बैंकिंग और पूंजीगत वस्तुओं में खरीदारी से सुधार दिखाया।

सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 और निफ्टी 116.90 अंक की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ। सप्ताह के अंत में, सेंसेक्स ने लगभग 538 अंक और निफ्टी ने 199 अंक की मामूली बढ़त दर्ज की। इस सप्ताह की गतिविधियों ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय निवेशक वैश्विक अनिश्चितताओं और तेल की बढ़ती कीमतों के बीच भी सतर्क रहते हुए चुनिंदा खरीदारी कर बाजार को स्थिर बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं।

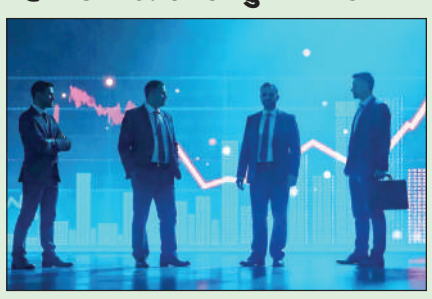

खुदरा निवेशकों ने बनाया बाजार को मजबूत, जनवरी में रिकार्ड खरीदारी अक्टूबर 2024 के बाद 15 माह के उच्च स्तर पर पहुंचा निवेश

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में व्यक्तिगत खुदरा निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। नेशनल स्टाक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी 2026 में खुदरा निवेशकों ने सेकंडरी मार्केट में 16,944 करोड़ रुपये की खरीदारी की, जो अक्टूबर 2024 के बाद 15 महीने में सबसे अधिक मासिक निवेश है। वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और विभिन्न देशों में तनाव के बावजूद इस खरीदारी ने भारतीय बाजार को उतार-चढ़ाव के बीच मजबूती का सहारा दिया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि मासिक आधार पर खुदरा निवेशकों की खरीदारी में उल्लेखनीय तेजी आई है। इस खरीदारी ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सेकंडरी मार्केट से होने वाली निकासी को केवल 687 करोड़ रुपये तक घटाने में अहम भूमिका निभाई। इसका मतलब है कि बाजार में शुद्ध निवेश लगभग संतुलित बना हुआ है। यदि प्राइमरी मार्केट के आंकड़े भी शामिल करें, तो चालू वित्त वर्ष में खुदरा निवेशकों का शुद्ध निवेश 40,685 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसमें आईपीओ में निवेशकों की बढ़ती भागीदारी का विशेष योगदान रहा। आंकड़े यह संकेत देते हैं कि सेकंडरी और प्राइमरी मार्केट दोनों में निवेशक इक्विटी बाजार के प्रति आकर्षित बने हुए हैं। हालांकि, कुल निवेश पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 1.59 लाख करोड़ रुपये से कम रहा। यह दर्शाता है कि निवेशक अब अधिक सतर्क और सोच-समझकर निवेश कर रहे हैं। बाजार की अस्थिरताओं के बावजूद, वे केवल स्थिर और सुनिश्चित अवसरों में निवेश करने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

एआई में एजीआई की लालसा छोड़ें, वैज्ञानिक मूल्यांकन जरूरी : जोशुआ बेंजिओ

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

कनाडा के कंप्यूटर वैज्ञानिक जोशुआ बेंजिओ, जिन्हें अक्सर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) का गाडफादर कहा जाता है, ने कहा है कि एजीआई (आर्टिफिशल जनरल इंटेलिजेंस) को अगली बड़ी चीज मानने का भ्रम छोड़ देना चाहिए। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के अंतिम दिन उन्होंने बताया कि आधुनिक एआई सिस्टम कई जटिल कार्यों में अत्यंत सक्षम हैं, लेकिन सरल कार्यों में अक्सर असंगत और कमजोर प्रदर्शन करते हैं। बेंजिओ ने शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और नीति निर्माताओं को आगाह किया कि एआई में संभावनाएं रोमांचक हैं, जैसे दवा खोज और कैंसर इलाज में परंतु इसके साथ भ्रम, पूर्वाग्रह और गलत परिणाम भी जुड़े हैं।

उन्होंने कहा कि एआई में पहले से ही खतरनाक क्षमताएं मौजूद हैं, इसलिए इन मशीनों की क्षमताओं और जोखिमों का सावधानीपूर्वक वैज्ञानिक मूल्यांकन करना जरूरी है।

आधुनिक एआई में असंगत क्षमता, संभावनाएं और जोखिम

अंतरराष्ट्रीय एआई सुरक्षा रिपोर्ट पेश करते हुए बेंजिओ ने कहा, कुछ साल पहले एजीआई का मानव स्तर तक पहुंचना रोमांचक लगता था, लेकिन अब यह अर्थहीन है। हमारी प्रणालियां कुछ मामलों में बेहद मूर्ख और कमजोर होंगी, और गलत हाथों में खतरनाक साबित हो सकती हैं। उन्होंने कारोबारों को यह तय करने की सलाह दी कि एआई उनके लिए वास्तव में उपयुक्त है या नहीं। बेंजिओ की टिप्पणी गूगल डीपमाइंड के सह-संस्थापक और सीईओ के बयान के कुछ दिनों बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि एजीआई का युग अभी भी लगभग पांच से आठ साल दूर है और प्रणालियों को आगे प्रशिक्षित करने और अपने दम पर सीखने की क्षमता विकसित करने की आवश्यकता है।

एआई पर आईएमएफ की चेतावनी, 40 फीसदी नौकरियों पर खतरा

मुंबई। दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। बड़ी कंपनियां लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के लिए द्ध एआई को अपना रही हैं। इंटरनेशनल मानीटरी फंड (आईएमएफ) की स्टडी के अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत एंट्री-लेवल नौकरियां एआई से प्रभावित हो सकती हैं, जबकि एडवांस्ड इकानमी में यह आंकड़ा 60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। आईएमएफ ने इसे रोजगार बाजार में सुनामी जैसी स्थिति बताया। एआई केवल खतरा ही नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अवसर भी है। आईएमएफ के आकलन के अनुसार एआई से ग्लोबल ग्रोथ में लगभग 0.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था कोविड-पूर्व स्तर से भी तेज गति पकड़ सकती है। एआई का सही इस्तेमाल भारत जैसे देशों के लिए बड़ा अवसर बन सकता है।

इस साल लागू होंगे 5 बड़े एफटीए, निर्यात बढ़ाने 25,060 करोड़ का लक्ष्य : वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली, 21 फरवरी (एजेंसियां)।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए पांच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) इस वर्ष लागू हो जाएंगे। ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए समझौते अप्रैल से प्रभावी हो सकते हैं, जबकि न्यूजीलैंड के साथ एफटीए सितंबर तक लागू होने की संभावना है। यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ समझौते को पिछले महीने अंतिम रूप दिया गया है और ईयू भी इसे शीघ्र लागू करने का इच्छुक है। इजरायल के साथ एफटीए वार्ता संदर्भ की शर्तें तय होने के बाद अगले सप्ताह नई दिल्ली में शुरू होगी।

ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड से समझौते जल्द प्रभावी होंगे, निर्यात प्रोत्साहन मिशन के तहत 7 नई पहल

वहीं खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के महासचिव की भारत यात्रा के दौरान एफटीए वार्ता की समयसीमा पर चर्चा की जाएगी। सरकार ने 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) के अंतर्गत सात अतिरिक्त उपायों की घोषणा की है। इनका उद्देश्य नए उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देना, भारतीय कंपनियों को नए बाजारों तक पहुंचाना और निर्यात को अधिक समावेशी बनाना है। मंत्री ने कहा कि योजनाएं खासतौर पर एमएसएमई के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उन्हें सस्ती दर पर वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने पर केंद्रित हैं। एमएसएमई को मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से एक्सपोर्ट फैक्टरिंग लेनदेन पर 2.5 प्रतिशत ब्याज छूट मिलेगी, जो सालाना 50 लाख रुपये तक सीमित होगी। ई-कामर्स निर्यातकों के लिए 50 लाख रुपये तक की डायरेक्ट क्रेडिट सुविधा 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज के साथ उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त, नए और उच्च जोखिम वाले बाजारों में प्रवेश के लिए साझा-जोखिम और क्रेडिट उपकरणों की भी व्यवस्था की गई है, ताकि भारतीय निर्यातकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता मजबूत हो सके।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

नमस्ते...

शतक केवल एक संगठन की यात्रा का वर्णन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में समर्पित कार्यकर्ताओं की निरंतर साधना का दस्तावेज है। यह फिल्म युवाओं में कर्तव्यबोध, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रीय चेतना जागृत करने में सहायक सिद्ध होगी।

श्री देवडा ने सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आह्वान किया कि वे कुटुंब एवं ईष्ट मित्र सहित इस प्रेरक फिल्म को अवश्य देखें और राष्ट्र सेवा की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें और संघ से जुड़ कर व्यक्तित्व का निर्माण करें।

रिकवरी...

जुड़े वैज्ञानिक साक्ष्य भी इस आग की भेंट चढ़ गए हैं। हालांकि, अभी इस बात पर आधिकारिक स्पष्टीकरण आना बाकी है कि जली हुई सभी 1100 फाइलों में वास्तव में क्या-क्या शामिल था। जब तक पूरी स्पष्टता नहीं आती, तब तक इस नुकसान के पूर्ण प्रभाव का आकलन करना मुश्किल है।

राज्य में होने वाली हत्या, लूटपाट, यौन शोषण और धोखाधड़ी जैसे मामलों की गुत्थी सुलझाने में एफएसएल की भूमिका अहम होती है।

घटनास्थल से एकत्र किए गए नमूने जैसे बंदूकें, नशीले पदार्थ (गांजा, ड्रग्स, हेरोइन), हस्ताक्षर और जाली दस्तावेजपरीक्षण के लिए इसी लैब में भेजे जाते हैं। 7 फरवरी को नामपल्ली स्थित इस लैब की पहली मंजिल पर लगी आग ने अब राज्य की न्याय व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है।

'खामोश'...

का नाम, छवि और व्यक्तित्व सुरक्षा के हकदार हैं। रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री उनके व्यक्तित्व अधिकारों और गोपनीयता के उल्लंघन को दर्शाती है।

अदालत ने प्रतिवादियों को उनके प्रदर्शन और व्यक्तित्व के साथ छेड़छाड़ करने के लिए एआई टूल्स, डीपफेक और फेस मॉर्फिंग का उपयोग करने से भी रोक दिया है। इसे कॉपीराइट अधिनियम की धारा 38इ के तहत कलाकार के नैतिक अधिकारों का उल्लंघन माना गया है।

न्यायालय ने प्रमुख प्लेटफॉर्मों और ई-कॉमर्स साइटों को उन ग्राहकों और विक्रेताओं का विवरण (नाम, पता, संपर्क और भुगतान जानकारी) उजागर करने का निर्देश दिया है जो उल्लंघनकारी सामग्री अपलोड या बेच रहे हैं।

शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी सहमति के बिना उनकी छवि और आवाज का व्यावसायिक उपयोग करने के लिए तकनीकी दिग्गजों और अज्ञात पार्टियों से 20 करोड़ के हर्जाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी।

अदालत ने इस अंतरिम रोक को 30 मार्च तक बढ़ा दिया है, जब इस मामले पर विस्तार से सुनवाई होगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 22 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

डॉ. अनेश कुमार शर्मा को ईसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) के उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक (तकनीकी) डॉ. अनेश कुमार शर्मा को निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सी एंड एमडी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। ईसीआईएल परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारत सरकार का एक उद्यम है, जो रक्षा, परमाणु, अंतरिक्ष, आंतरिक सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रणालियों के डिजाइन, विकास, निर्माण और आपूर्ति में लगा हुआ है।

डॉ. शर्मा के पास रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स, मिसाइल सिस्टम, आरएफ तकनीक, सुरक्षित संचार प्रणाली और स्वदेशी प्रणालियों के विकास में व्यापक अनुभव है। ईसीआईएल में अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों से पहले, उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के रणनीतिक कार्यक्रमों में प्रमुख नेतृत्व पदों पर कार्य किया है।

उनकी विशेषज्ञता और तकनीकी नेतृत्व ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अपनी कॉर्पोरेट जिम्मेदारियों के अलावा, डॉ. शर्मा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईटीटी) गांधीनगर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में अतिथि प्रोफेसर के रूप में भी जुड़े हुए हैं। इस भूमिका में, वह शैक्षणिक गतिविधियों, अनुसंधान मार्गदर्शन और इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के उन्नत क्षेत्रों में उद्योग-अकादमिक सहयोग में अपना योगदान देंगे।

ईसीआईएल के प्रमुख के रूप में उनकी नियुक्ति से परमाणु और रक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीक के स्वदेशीकरण को और गति मिलने की उम्मीद है।

राजभाषा हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषयक हिंदी कार्यशाला आयोजित

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार टकसाल, हैदराबाद में वर्ष 2025-26 की चतुर्थ तिमाही (जनवरी0मार्च 2026) के अंतर्गत 20 फरवरी 2026 को राजभाषा हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला हिंदी में कार्यसाधक प्राप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई।

कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मा.सं.) की अध्यक्षता तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. साकेत सहाय, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), पंजाब नेशनल बैंक, अंचल कार्यालय हैदराबाद की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महाप्रबंधक (मा.सं.) ने अपने वक्तव्य में कहा कि राजभाषा हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने हिंदी भाषा को नए अवसर प्रदान किए हैं। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, मोबाइल ऐप तथा सोशल मीडिया ने हिंदी को व्यापक लोकप्रियता दिलाई है। मशीन लर्निंग और एआई तकनीकों ने हिंदी भाषा प्रसंस्करण को सरल बनाया है, जिससे राजभाषा हिंदी में अधिकाधिक सामग्री उपलब्ध हो रही है।

कार्यशाला का शुभारंभ स्वागत भाषण के साथ हुआ। कार्यालय के प्रबंधक (राजभाषा) ने विशिष्ट अतिथि डॉ. साकेत सहाय का परिचय प्रस्तुत किया। संकाय ने कार्यशाला के विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि कंप्यूटर अथवा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग बौद्धिक कार्यों के निष्पादन हेतु किया जाता है तथा राजभाषा हिंदी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं सूचना प्रौद्योगिकी की पहुँच निरंतर बढ़ रही है। आज विभिन्न क्षेत्रों में इनका व्यापक उपयोग हो रहा है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यद्यपि राजभाषा हिंदी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का विकास सतत प्रगति पर है, फिर भी अनुवाद, भाषा संशोधन, भाषा संश्लेषण (सिंथेसिस) और भाषा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों में इसका प्रभावी उपयोग हो रहा है। हिंदी के लिए अनुवाद का क्षेत्र विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि विभिन्न भाषाओं के बीच उच्च गुणवत्ता का अनुवाद सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसके अतिरिक्त शब्दकोश, विवरणकारी भाषा कार्यक्रम तथा वाक्य पुनर्गठन उपकरण जैसे भाषा संशोधन साधन भी राजभाषा हिंदी में उपलब्ध हैं।

कार्यशाला के दौरान राजभाषा हिंदी में सूचना प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कार्यात्मक उपयोग से संबंधित निम्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया

भाषा अनुवाद: कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं सूचना प्रौद्योगिकी भाषा अनुवाद में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है, जिससे विभिन्न भाषाओं के बीच संचार संभव होता है। इससे विदेशी भाषाओं को सीखने और समझने में भी सहायता मिलती है।

शब्दावली विस्तार: एआई एवं सूचना प्रौद्योगिकी शब्दावली के विस्तार में सहायक है। इससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न शब्दों, उनके अर्थों तथा प्रयोग संदर्भों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है।

राजभाषा लीला: राजभाषा विभाग तथा सी-डैक द्वारा विकसित ङ्गलीला राजभाषाफ ऐप के माध्यम से भारतीय भाषाओं को सहज रूप से सीखा जा सकता है।भारतीय बहुभाषी अनुवाद सारथी (भारती): राजभाषा विभाग द्वारा विकसित एक उन्नत एआई-आधारित प्रणाली है, जो हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के मध्य 36 से अधिक फ़ाइल स्वरूपों में सटीक एवं रीयल-टाइम अनुवाद (पाठ एवं वाणी) उपलब्ध कराती है।कार्यक्रम के अंत में प्रबंधक (राजभाषा) ने तिमाही हिंदी कार्यशाला को सफल बनाने हेतु हिंदी अनुभाग सहित सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन किया।

सेवा ही देखनी है तो आइए राधे-राधे ग्रुप के कार्यक्रम में : महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास संचालित नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण और सेवा भाव के साथ निरंतर जारी है। प्रतिदिन यहां जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश अग्रवाल ने कहा कि यदि किसी को सच्ची सेवा देखनी है तो वह राधे-राधे ग्रुप के किसी भी अन्नदान केंद्र पर स्वयं उपस्थित होकर कार्यों को देख सकता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की पहचान प्रचार से नहीं, बल्कि निरंतर सेवा और समर्पण से है।

उन्होंने बताया कि नामपल्ली, बेगम बाजार और के.बी.आर. पार्क क्षेत्र में चल रहे सभी अन्नदान केंद्रों पर समान भाव से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जाता है। ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से समय निकालकर सेवा कार्य में भाग लेते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे।

महेश अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कारों को सशक्त करने का माध्यम है। जब लोग एक साथ मिलकर सेवा करते हैं तो आपसी प्रेम, भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सभी सम्मानित सदस्यों ने अपनी सेवाएं दी।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन शनिवार, 21 फरवरी को सायं 5 बजे आर्य कन्या विद्यालय में किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. अनुपमा, विवेक वर्धिनी शासकीय महाविद्यालय की प्राध्यापिका रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ हुआ। समिति के अध्यक्ष श्री श्रुतिकान्त भारती ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनका परिचय प्रस्तुत किया। इसके उपरांत श्रीमती पद्मा टकसाली द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।इस अवसर पर विभिन्न भाषाओं में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित कवियों ने अपनी-अपनी मातृभाषा में काव्य पाठ किया। हिंदी, मराठी, मारवाड़ी, राजस्थानी तथा बहेड़ी सहित अनेक भाषाओं की सृजनधर्मिता ने कार्यक्रम को बहुरंगी स्वरूप प्रदान किया।

कार्यक्रम में ठाकुर दिनेश सिंह, सविता सोनी, विद्या दवे, डॉ. रेखा देवी वर्मा, श्री पूनम जोधपूरी, पद्मा टकसाली, बैजनाथ सुनहरे, गीता तिवारी, डॉ. माधुरी मिश्रा, श्रीमती हर्षलता, सत्यनारायण काकड़ा, परमेश्वरी शर्मा, सीताराम माने, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, गौरव कुमार, राजन शर्मा, डॉ. मुमताज सुलताना, श्रीमती शीतला तथा समिति के परामर्शदाता श्री भक्तराम एवं श्री प्रदीप जाजू उपस्थित रहे।श्री प्रदीप जाजू ने मोतियों की माला पहनाकर अध्यक्ष श्री भारती का सम्मान किया। अध्यक्ष ने भी माल्यार्पण कर सभी कवियों एवं अतिथियों का अभिनंदन किया तथा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मातृभाषा के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि डॉ. मुमताज सुलताना द्वारा इफ्तारी स्वरूप विविध स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गई।सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन समिति की सचिव श्रीमती सुधा ठाकुर ने कुशलतापूर्वक किया।

पीएमएम संसद खेल महोत्सव के अवसर पर कोयला मंत्री किशन रेड्डी ने सभी विजेताओं को एक कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया। कार्यक्रम भाग लेती हुईं भाजपा नेता सपना गुप्ता, सीनियर लीडर दयानंद, अमूल्या, नरेश,महेश, अश्विनी, जिला अध्यक्ष भारत गौड़ , जिला अध्यक्ष अनीता व अन्य।

अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर भाषा प्राध्यापकों को लैंग्वेज प्रोफिशिएन्सी एक्सीलेंस अवार्ड 2026 प्रदान

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर प्रतिष्ठित भाषा प्राध्यापकों को सम्मानित किया गया। तेलंगाणा काउंसिल ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन प्रोफेसर वी. बालकिस्ता रेड्डी ने कहा कि विश्व में अनेक भाषाएं हैं, किंतु मातृभाषा सर्वोपरि है। वे नम्पल्ली स्थित इंदिरा प्रियदर्शिनी सरकारी महिला डिग्री कॉलेज के सभागार में तेलंगाणा इंटेलेक्चुअल फोरम (राज्य इकाई) द्वारा आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि किसी राष्ट्र के इतिहास, संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों का दर्पण है। विद्यार्थियों को अपनी मातृभाषा से जुड़ाव बनाए रखना चाहिए; यही उनकी सफलता का आधार बनती है।

तेलंगाणा इंटेलेक्चुअल फोरम (राज्य इकाई) के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि इस अवसर पर राज्य की चार विश्वविद्यालयों के विभागाध्यक्षों को लैंग्वेज प्रोफिशिएन्सी एक्सीलेंस अवार्ड 2026 के लिए चयनित किया गया है, जो तेलुगु, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी भाषाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि बालक अपनी मातृभाषा के माध्यम से ही अपने परिवेश और विश्व को समझना प्रारंभ करता है।

प्रख्यात पर्यावरणविद् एवं शिक्षाविद् लायन. कोमाटीरेड्डी गोपाल रेड्डी ने मातृभाषा को मां के समान बताते हुए कहा कि जैसे शिशु के लिए मां का दूध आवश्यक है, वैसे ही विद्यार्थियों के लिए मातृभाषा अनिवार्य है।

कार्यक्रम में ओस्मानिया विश्वविद्यालय के संयुक्त निदेशक प्रोफेसर मोहम्मद अख्तर अली तथा ओयू के शोधार्थी डॉ. रवीतेजा चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर वी. बालकिस्ता रेड्डी ने प्राध्यापकों को लैंग्वेज प्रोफिशिएन्सी एक्सीलेंस अवार्ड 2026 प्रदान किया । जिनमें- प्रोफेसर पिल्लालमार्री रामुलु, विभागाध्यक्ष, तेलुगु विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय।

प्रोफेसर चंद्र मुखर्जी, प्राचार्य, इंदिरा प्रियदर्शिनी सरकारी महिला कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय (हिंदी)।प्रोफेसर सोनबा साल्वे, अधिष्ठाता, स्कूल ऑफ इंग्लिश लिटरेरी स्टडीज, इंग्लिश एंड फॉरेन लैंग्वेजेज विश्वविद्यालय (अंग्रेजी)।

प्रोफेसर मुसर्रतजहां, विभागाध्यक्ष, उर्दू विभाग, मौलाना आजाद नेशनल उर्दू विश्वविद्यालय (उर्दू)। शामिल हैं।

समारोह में अयोध्या रामुलु, डॉ. अमतुल वाहेब, डॉ. आसिया जबीन, समन्वयक जी. वेणुगोपाल, श्री बिचुकारी सूर्या सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे और अपने विचार व्यक्त किए।

तेलंगाना केसरी एवं कुमारी कुश्ती प्रतियोगिता 7 मई से

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना केसरी तथा तेलंगाना कुमारी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 7 से 10 मई, 2026 तक हैदराबाद में किया जाएगा। यह चार दिवसीय प्रतियोगिता इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में तथा तेलंगाना इंडियन स्टाइल रेसलिंग एसोसिएशन के आयोजन में संपन्न होगी।

आयोजकों ने पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य राज्य में पारंपरिक भारतीय मृदा (लाल मिट्टी) कुश्ती को प्रोत्साहित करना एवं उसे सुदृढ़ आधार प्रदान करना है। राज्य के विभिन्न जिलों से लगभग 400 से 500 पहलवानों के भाग लेने की संभावना व्यक्त की गई है।

यह प्रतियोगिता स्वर्गीय कोठा दास गौड़, स्वर्गीय बी. विजय कुमार यादव (पूर्व अध्यक्ष, टीआईएसडब्ल्यूए) तथा स्वर्गीय बुलेट राजू यादव की स्मृति में आयोजित की जा रही है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव ने कहा कि यह प्रतियोगिता तेलंगाना की समृद्ध कुश्ती परंपरा में एक महत्वपूर्ण अध्याय सिद्ध होगी और नवोदित खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करेगी।

आयोजकों ने बताया कि केसरी की उपाधि पारंपरिक भारतीय शैली की कुश्ती में सर्वोच्च सम्मान मानी जाती है, जो पराक्रम, दक्षता एवं उत्कृष्टता का प्रतीक है।

पुरुष वर्ग की स्पर्धाएँ 55 किग्रा, 60 किग्रा, 65 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 80 किग्रा, 85 किग्रा तथा 90 किग्रा भार वर्ग में आयोजित की जाएंगी। इसके अतिरिक्त 85 किग्रा से अधिक तथा 140 किग्रा तक के पहलवानों के लिए विशेष तेलंगाना केसरी खिताब वर्ग निर्धारित किया गया है।

महिला वर्ग में +55 किग्रा से 65 किग्रा भार वर्ग में तेलंगाना कुमारी खिताब हेतु स्पर्धा आयोजित की जाएगी।

तेलंगाना केसरी (पुरुष) वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पहलवान को 3,00,000 की नगद राशि एवं रजत गदा प्रदान की जाएगी। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः 2,00,000, 1,00,000 तथा 50,000 की राशि दी जाएगी।

तेलंगाना कुमारी (महिला) वर्ग में प्रथम पुरस्कार 1,00,000 एवं रजत गदा निर्धारित किया गया है। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान हेतु क्रमशः 50,000, 30,000 तथा 20,000 की पुरस्कार राशि घोषित की गई है।

अन्य सभी पुरुष भार वर्गों में प्रथम पुरस्कार 1,00,000, द्वितीय 50,000 तथा तृतीय एवं चतुर्थ पुरस्कार 25,000-25,000 निर्धारित किए गए हैं।

आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि बढ़ी हुई पुरस्कार राशि से पारंपरिक कुश्ती को नई गति मिलेगी तथा राज्यभर के खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने अखाड़ों, खेल संस्थानों एवं खिलाड़ियों से प्रतियोगिता को सफल बनाने की अपील की।

पत्रकार वार्ता में आईएसडब्ल्यूएआई के राष्ट्रीय महासचिव गौरव रोशन लाल, तकनीकी अध्यक्ष जियान सिंह, आदित्य, महेश, राकेश यादव, शंकर सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

डॉ. वाई. लक्ष्मी को पीएच.डी. की उपाधि, डिजिटल वित्तीय साक्षरता पर किया महत्वपूर्ण शोध

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीमती डॉ. वाई. लक्ष्मी को चैतन्या डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा वाणिज्य एवं प्रबंधन विषय में प्रतिष्ठित डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई है। यह उपलब्धि उनके दीर्घकालिक परिश्रम, शोध निष्ठा और शैक्षणिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। डॉ. वाई. लक्ष्मी ने विश्वविद्यालय के डॉ. एस. प्रताप के मार्गदर्शन में 'तेलंगाना राज्य के हैदराबाद शहर में उच्च शिक्षा के विद्यार्थियों में डिजिटल वित्तीय साक्षरता का विश्लेषणात्मक अध्ययन' विषय पर गहन एवं शोधपरक कार्य किया। उनके शोध में डिजिटल युग में विद्यार्थियों की वित्तीय समझ, व्यवहार और जागरूकता के विभिन्न आयामों का विश्लेषण किया गया है, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक विषय माना जा रहा है।वर्तमान में डॉ. वाई. लक्ष्मी अरोड़ा पी.जी. कॉलेज, रामंथापुर में सहायक प्राध्यापक (असिस्टेंट प्रोफेसर) के पद पर कार्यरत हैं। वे अपने शिक्षण एवं शोध कार्य के माध्यम से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं। डॉ. वाई. लक्ष्मी की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उनके परिवार, सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

ऋषम सामाईक जोन के अंतर्गत बेगमपेट स्थित रमन रेणु भूरा के निवास पर सामायिक आयोजित की गई। जिसमें लगभग 27 बहनों ने भाग लिया।

अग्र महिला मंच तेलंगाना की 'सतरंगी होली' 24 को

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र महिला मंच तेलंगाना की कार्यकारिणी सभा दोमलगुडा स्थित मीना कूंछल के व्यावसायिक प्रतिष्ठान विजय बिन्नी टेक्सटाइल्स में आयोजित की गई। सभा में आगामी ङ्कसतरंगी होलीफ कार्यक्रम की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि मंगलवार, 24 फरवरी को राघव रत्ना टावर्स के 10वें माले पर सतरंगी होली उत्सव मनाया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ मध्यान्ह 12:31 बजे से होगा।कार्यक्रम के अंतर्गत अर्ली बर्ड गतिविधि से शुरुआत की जाएगी। इसके पश्चात राधा-कृष्ण जोड़ी प्रतियोगिता एवं होली विशेष तंबोला जैसे मनोरंजक आयोजन होंगे। आयोजन समिति द्वारा विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कार भी रखे गए हैं।उत्सव के दौरान विविध प्रकार के स्वादिष्ट स्नैक्स, पेय पदार्थ एवं मध्यान्ह भोजन की समुचित व्यवस्था की गई है, जिससे उपस्थित सदस्याएं उत्सव का आनंद पूर्ण रूप से ले सकें।संयोजिकाएं मधु गोयल एवं सपना अग्रवाल ने सभी महिला सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लेने का आग्रह किया है।सभा में अध्यक्षा दीपा गर्ग, मंत्राणी अंजू गोयल, सरला अग्रवाल, सपना अग्रवाल, मधु गोयल, प्रभावती अग्रवाल, सीमा गर्ग, वंदना अग्रवाल, मंजू केजरीवाल, अर्चना अग्रवाल, सीमा पंसारी, संगीता देवड़ा एवं सुनीता अग्रवाल उपस्थित रहीं।

जड़चेरला के डॉ. बी. आर. आर. सरकारी डिग्री कॉलेज में मातृभाषा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

जड़चेरला, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. बी. आर. आर. सरकारी डिग्री कॉलेज (स्वायत्त) में मातृभाषा दिवस का आयोजन बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर अंग्रेजी, हिंदी, तेलुगु, संस्कृत और उर्दू विभागों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर जी. सुकन्या ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास मातृभाषा से ही संभव है। उन्होंने मातृभाषा की तुलना माँ से करते हुए कहा कि जिस प्रकार हम अपनी माँ का सम्मान करते हैं, उसी प्रकार अपनी मातृभाषा का भी आदर और संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

डॉ. सी. नरसिंहुलु ने कहा कि मातृभाषा केवल मनुष्यों के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों के लिए भी अभिव्यक्ति का माध्यम होती है। हिंदी विभागाध्यक्ष कल्याणी नरसिंह राव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि कोई मातृभाषा समाप्त हो जाती है, तो उसके साथ उस भाषा से जुड़ी इतिहास, संस्कृति और सभ्यता भी लुप्त हो जाती है। इसलिए मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन के लिए सतत प्रयास आवश्यक हैं।

तेलुगु विभाग के अध्यापक डॉ. बी. वेंकटय्य ने कहा कि भाषाओं का उद्देश्य मनुष्यों, क्षेत्रों और समुदायों को जोड़ना होना चाहिए, न कि उन्हें विभाजित करना। कार्यक्रम के सभानिर्वाहक बैरेड्डी सतीश ने बताया कि बांग्लादेश में उर्दू भाषा के विरोध में बंगाली भाषा के समर्थन में हुए आंदोलन के परिणामस्वरूप ही 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जाता है।इस अवसर पर डॉ. वी. पुष्पलता ने सभी से मातृभाषाओं को संरक्षित रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में लाइब्रेरियन आई. आंजनेयुलु, डॉ. नागलक्ष्मी, ई. वेंकट रेड्डी, डॉ. नियाजुद्दीन, ज्योति निर्मला सहित अनेक प्राध्यापकों ने भाग लिया। विद्यार्थियों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही और उन्होंने कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड के जरिए बालिकाओं के सशक्तिकरण का समर्थन

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जेमिनी एडिबल्स एंड फैट्स इंडिया लिमिटेड (फ्रीडम हेल्दी कुकिंग ऑयल के निर्माता) ने समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्गों की लड़कियों की शिक्षा को सुगम बनाने के लिए सेवा भारती तेलंगाना के साथ अपने दशक पुराने सहयोग को आगे बढ़ाया है। इस साझेदारी के तहत वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड का आयोजन किया जाएगा।

इस पहल के प्रति जागरूकता पैदा करने और लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, पर-ोपकारी भागीदार सत्व नॉलेज सिटी के सहयोग से लाभार्थी बालिकाओं के साथ एक फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य रन फॉर ए गर्ल चाइल्ड के प्रभाव को उजागर करना था और यह बताना था कि दौड़ में शामिल होने वाले प्रत्येक प्रतिभागी का योगदान किसी बालिका के जीवन और पूरे समुदाय को कैसे बदल सकता है।

फ्लैश मॉब की मेजबानी नॉलेज रियल्टी ट्रस्ट की प्रमुख कार्यालय संपत्ति, सत्य नॉलेज सिटी में की गई।

यह आयोजन समुदाय-संचालित पहलों को सक्षम करने और सार्थक सामाजिक प्रभाव पैदा करने के प्रति मंच की प्रतिबद्धता को पुख्ता करता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि शिक्षा ही बालिकाओं के सशक्तिकरण का सबसे सशक्त माध्यम है।

निस्वार्थ सेवा का सतत प्रयास : राधे राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क के निकट नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ किया गया।

इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा सभी ने सेवा को ही सच्चा धर्म बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक सहयोग पहुँचाना ही ग्रुप का मुख्य उद्देश्य है।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारडा, संजय गुप्ता सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि अन्नदान जैसी सेवा से समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और मानवता की भावना सुदृढ़ होती है।

साइंटिफिक पशुपालन से किसानों की आर्थिक मज़बूती : डॉ. वीरन्ना

बीदर, 20 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अगर किसान खेती के साथ-साथ पशुपालन जैसे साइडलाइन काम भी करें तो वे आर्थिक रूप से मज़बूत बन सकते हैं। कर्नाटक वेटरनरी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. के.सी. वीरन्ना ने कहा कि चूंकि कर्नाटक एक ऐसा राज्य है जो पशुपालन को सपोर्ट करता है। इसलिए किसानों को साइंटिफिक पशुपालन में एक्टिव रूप से शामिल होना चाहिए और ज़्यादा इनकम कमानी चाहिए।

वे वेटनरी मेडिकल कॉलेज के लाइवस्टॉक और देवनी ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर के साथ मिलकर नई दिल्ली की शेड्यूल्ड कास्ट सब-स्कीम के तहत किसानों और पशुपालन के बेनिफिशियरों के लिए आयोजित साइंटिफिक पोल्ट्री फार्मिंग पर दो दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि उन्हें साइंटिफिक पशुपालन और पोल्ट्री फार्मिंग के लिए टेक्नीशियन से सही सलाह और गाइडेंस लेनी चाहिए और ज़्यादा फायदे उठाने चाहिए।वेटरनरी कॉलेज के डीन डॉ. एम.के. तांदले ने कहा कि अगर किसान सब्र और भरोसे के साथ पशुपालन अपनाते हैं, तो डेवलपमेंट और सस्टेनेबिलिटी ज़रूर मुमकिन है। इससे किसान समुदाय आत्महत्या से दूर रहेगा।

लाइवस्टॉक एंड एनिमल ब्रीडिंग एंड रिसर्च इन्फॉर्मेशन सेंटर के हेड डॉ. प्रकाश कुमार राठौड़ ने प्रोजेक्ट के तहत अलग-अलग एक्टिविटी और प्रोग्राम के बारे में बात की और समझाया। उन्होंने कहा कि किसानों को ऐसे प्रोजेक्ट का फायदा उठाना चाहिए। वेटरिनरी यूनिवर्सिटी के सब्जेक्ट एक्सपर्ट ने चिकन ब्रीडिंग, कम लागत वाला चिकन फीड प्रोडक्शन, हेल्थ केयर, शेड मैनेजमेंट और मार्केटिंग सिस्टम जैसे कई टॉपिक पर जानकारी दी।

इस पोल्ट्री फार्मिंग ट्रेनिंग प्रोग्राम में रिसर्च डायरेक्टर डॉ. बी.वी. शिवप्रकाश, आईसीएआर नोडल ऑफिसर डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी, डॉ. विद्यासागर, डॉ. कोट्रेश प्रसाद, डॉ. आकाश, डॉ. उदयकुमार और 60 किसानों ने हिस्सा लिया।

परीलोक की मासिक सभा आयोजित

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। परीलोक िआधुनिक विचारों का सशक्त महिला मंच की मासिक सभा का आयोजन रंजु अग्रवाल के संयोजन में हिमायत नगर स्थित वेज व्यंजन में संपन्न हुआ।सभा के दौरान डॉ. नवनीत कौर ने महिलाओं में बढ़ती चिंता, तनाव, अवसाद और भय जैसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्राकृतिक एवं सुरक्षित उपचार पद्धतियों के माध्यम से इन समस्याओं से निपटने के उपाय बताए तथा महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर संस्था की सदस्य रंजु अग्रवाल, ऋचा अग्रवाल, सिमरन, टीना, मीनू, नीना, नवनीत, जोत एवं मुक्ता ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम में रंजु अग्रवाल को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। साथ ही सभा के सफल संचालन के लिए ऋचा अग्रवाल के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

काचीगुडा स्थित आइनाक्स माहेश्वरी परमेश्वरी थियेटर में आयोजित फिल्म शतक का विशेष स्क्रीनिंग का कार्यक्रम देशभक्तिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ।

माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब का धार्मिक आयोजन सम्पन्न

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य इंटरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब द्वारा हिंदी नगर स्थित माता मंदिर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने भगवान शिव एवं माता पार्वती का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया तथा सामूहिक रूप से भजन-कीर्तन प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अंतर्गत धार्मिक प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में केंद्रीय कैबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, अध्यक्षा दिव्या, कोषाध्यक्ष कविता, जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) बीना गुप्ता, भारती, रीतू, तनुजा, प्राची, दमयंती, चन्द्रकान्ता, प्रीति एवं शिवांगी विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

पूरे आयोजन का वातावरण भक्तिमय रहा तथा सभी सदस्यों ने एकजुट होकर महाशिवरात्रि पर्व की गरिमा को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया।

क्रिएटर्स ऑफ टुमारो – बिल्डाथॉन का भव्य समापन

सीवीआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग बना विजेता

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। क्रिएटर्स ऑफ टुमारो – बिल्डाथॉन 2026 का ग्रैंड फिनाले शनिवार शाम माधापुर के शिल्प कला वेदिका में आयोजित किया गया। तेलंगाना भर के सिविल इंजीनियरिंग छात्रों के लिए आयोजित इस अपनी तरह के पहले नवाचार मंच में राज्य के भविष्य के इंजीनियरों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

हैदराबाद की जिला कलेक्टर श्रीमती हरिचंदना दासारी ने इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। सिविल इंजीनियरिंग के छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने एक बेहतर, रहने योग्य और टिकाऊ दुनिया के निर्माण के लिए नवाचार करने का आह्वान किया।

इस कड़ी प्रतियोगिता में सीवीआर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। उनकी टीम को उनके अभिनव विचार ङ्ग्वॉटर ट्रीटमेंट वेस्ट इनटू सस्टेनेबल बिल्डिंग सॉल्यूशंसफ (जल उपचार अपशिष्ट से टिकाऊ भवन निर्माण समाधान) के लिए विजेता घोषित किया गया और उन्हें 2.5 लाख के नकद पुरस्कार से नवाजा गया।

इस प्रतियोगिता में 100 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के सैकड़ों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से सात टीमें फाइनल तक पहुँचीं। छात्रों ने वास्तविक दुनिया की बुनियादी ढांचागत चुनौतियों (खपषॲरीींॲीर्लीीॲश उहरश्र-श्रशपसशी) के लिए व्यावहारिक समाधान पेश किए।

हाइलाईफ फैशन प्रदर्शनी का भव्य आगाज़

350 से अधिक डिजाइनर बिखेर रहे हैं चमक

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। फैशन और लाइफस्टाइल की दुनिया में अपनी खास पहचान रखने वाली हाइलाईफ एक्जीबि के फैशन स्पेशल संस्करण का शनिवार को हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित नोवोटल में शानदार शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय यह प्रदर्शनी 23 फरवरी 2026 तक चलेगी।इस भव्य लॉन्च के अवसर पर हाईलाइफ एक्जीबिशन के एमडी और सीईओ एबी डोमिनिक, अभिनेत्री राशि सिंह, अभिनेत्री और मिस इंडिया तेलंगाना 2023 उर्मिला चौहान सहित कई फैशन प्रेमी और उत्साही लोग मौजूद रहे।

इस बार की प्रदर्शनी में देशभर से आए 350 से अधिक शीर्ष डिजाइनर अपने विशेष कलेक्शन पेश कर रहे हैं। फैशन के शौकीनों के लिए यहाँ एक ही छत के नीचे बेहतरीन वैरायटी उपलब्ध है, जिसमें शामिल हैं:

वेडिंग और ब्राइडल वियर: होने वाली दुल्हनों के लिए विशेष लहंगा और डिजाइनर गाउन।

ज्वैलरी और लग्जरी: पारंपरिक और आधुनिक गहनों का शानदार संग्रह।फेस्टिव और फैशन वियर: आगामी त्योहारों के लिए खास साड़ियाँ और ट्रेंडी परिधान।

लाइफस्टाइल और डेकोर: घर की सजावट के लिए लग्जरी आइटम और लाइफस्टाइल एक्सेसरीज।

उद्घाटन के दौरान सितारों की मौजूदगी ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। अभिनेत्री राशि सिंह और उर्मिला चौहान ने डिजाइनरों द्वारा पेश किए गए रचनात्मक कार्यों की सराहना की। एबी डोमिनिक ने कहा कि हैदराबाद हमेशा से फैशन का केंद्र रहा है और इस प्रदर्शनी का उद्देश्य शहर के लोगों को नवीनतम अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय फैशन रुझानों से रूबरू कराना है।

यदि आप भी अपनी शादी की खरीदारी करना चाहते हैं या अपने वॉर्डरोब को नया लुक देना चाहते हैं, तो 23 फरवरी तक चलने वाली इस प्रदर्शनी का हिस्सा बन सकते हैं।

लक्ष्मीनारायण को पुलिस ने किया नजरबंद

पीड़ित कार्यकर्ताओं और हिंदू युवती से मिलने जा रहे थे भाजपा नेता

बान्सवाड़ा, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। बान्सवाड़ा शहर में कल हुई झड़पों की पृष्ठभूमि में घायल हुए कार्यकर्ताओं और एक कट्टरपंथी के हाथों हमला झेलने वाली हिंदू युवती से मिलने के लिए बान्सुवाड़ा से रवाना हुए भाजपा के पूर्व विधानसभा दल नेता, बान्सुवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी एंडला लक्ष्मीनारायण को मार्ग मध्य में बिक्कनूर पुलिस ने अवैध रूप से गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन में नजरबंद कर दिया।

इस अवसर पर एंडला लक्ष्मीनारायण ने कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से मुस्लिम उत्पात बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर कदम पर हिंदुओं को परेशान करते हुए मुस्लिम उत्पात मचा रहे हैं। उन्होंने पुलिस पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस भी पीड़ितों के पक्ष में खड़े न होकर राजनीतिक दबाव में झुककर पीड़ितों पर ही अवैध रूप से उत्पीड़न कर रही है।

निजी व्यावसायिक संस्थान में पूजा करने के बाद भगवान के भजन बजाने के कारण हिंदू युवती पर गाली-गलौज कर हमला करने वाले और दुष्कर्म का प्रयास करने वाले दुष्ट को तुरंत गिरफ्तार कर निर्भया मामला और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि आरोपी को सख्त से सख्त सजा नहीं दी गई तो बान्सुवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में हर जगह विरोध प्रदर्शन फूट पड़ेंगे।इस अवसर पर एंडला लक्ष्मीनारायण ने फिर से कहा कि राज्य में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से मुस्लिम उत्पात बढ़ गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हर कदम पर हिंदुओं को परेशान करते हुए मुस्लिम उत्पात मचा रहे हैं। पुलिस भी पीड़ितों के पक्ष में खड़े न होकर राजनीतिक दबाव में झुककर पीड़ितों पर ही अवैध रूप से उत्पीड़न कर रही है।

निजी व्यावसायिक संस्थान में पूजा करने के बाद भगवान के भजन बजाने के कारण हिंदू युवती पर गाली-गलौज कर हमला करने वाले और दुष्कर्म का प्रयास करने वाले दुष्ट को तुरंत गिरफ्तार कर निर्भया मामला और हत्या के प्रयास का मामला दर्ज करने की मांग की। उन्होंने पुलिस को चेतावनी दी कि आरोपी को सख्त से सख्त सजा नहीं दी गई तो बान्सुवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में हर जगह विरोध प्रदर्शन फूट पड़ेंगे।

इंदिरम्मा नगर, रसूलपुरा में जरूरतमंदों में नि:शुल्क सब्जी वितरित करते हुए समाज सेवी संतोषचंद श्रीश्रीमाल

ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट की कल्वकुंतला कविता से शिष्टाचार भेंट

विरासत पुनर्स्थापना और सामुदायिक विकास पर हुई विस्तृत चर्चा, मिला पूर्ण समर्थन का आश्वासन

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट की टीम ने आज कल्वकुंतला कविता से एक सौहार्दपूर्ण शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान ट्रस्ट की चल रही गतिविधियों और प्रस्तावित परियोजनाओं को प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष आरके जैन और उनकी टीम ने विरासत पुनर्स्थापना और सामुदायिक विकास पहलों के लिए अपनी दृष्टि साझा की।कविता ने आरके जैन और पूरी टीम के समर्पित प्रयासों की सराहना की और हरसंभव तरीके से अपने पूर्ण समर्थन और सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और इसमें सरकार की ओर से हर संभव मदद दी जाएगी।

इस बैठक में डॉ. रामादेवी, दिनेश जैन और जितेंद्र सिंह भी उपस्थित थे। यह भेंट सहयोगात्मक प्रगति और प्रभावी सेवा की दिशा में एक सकारात्मक कदम साबित हुई। ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने कविता को बताया कि वे राज्य के विभिन्न हिस्सों में पुराने और ऐतिहासिक मंदिरों के जीर्णोद्धार का कार्य कर रहे हैं, जिससे न केवल धार्मिक स्थलों की सुरक्षा हो रही है बल्कि स्थानीय समुदायों का भी विकास हो रहा है।ट्रस्ट की टीम ने बताया कि भविष्य में और भी अधिक मंदिरों के पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण की योजना है, साथ ही मंदिर परिसरों में सामुदायिक केंद्रों की स्थापना का भी प्रस्ताव है।

कविता ने इन प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए कहा कि विरासत संरक्षण और समुदाय विकास दोनों ही सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं और इसके लिए ट्रस्ट के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा।

IN THE COURT OF THE III JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT AT HYDERABAD

O.S. No. 465 Of 2026

Between:
Smt. Kavita Agarwal and others ...Plaintiffs
AND
TO WHOM SO IT MAY CONCERN & another, ...Defendants

To,
WHOM SO IT MAY CONCERN, ... Defendant No.1

Madam / Sirs,

Please take notice that the plaintiffs filed above Suit for Declaration to declare the plaintiffs are as the legal heirs of the deceased Late Banwari Lal Agarwal, if any person or persons have any objection or objections or claims they may appear before the Hon'ble Court. The above suit is posted to 13-03-2026 at 10.30 A.M., for your summons and appearance, please make convenient on that date and time. If you fails to appear on the said date and time, the matter will be decided in your absence.

(BY ORDER OF COURT)

T. Reena (TS/77/2020),
Kasoju Yadagiri (AP3045/95)
Advocates
H.No.13-6-834/21/b,
Laxmi Nagar, Karwan,
Hyderabad-500006.
Cell: 9299552558/9848827443

भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक देश : किशन रेड्डी

एफडीडीआई के 5वें दीक्षांत समारोह में जी किशन रेड्डी ने की फुटवियर, चमड़ा उद्योग की सराहना

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। केन्द्रीय कोयला एवं खनन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने हैदराबाद के पास गाचिबोवली में फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) के पांचवें दीक्षांत समारोह को शनिवार को संबोधित करते हुए स्नातकों और संकाय सदस्यों को बधाई दी तथा भारत के फुटवियर और चमड़ा उद्योग को सशक्त बनाने में संस्थान की भूमिका की सराहना की।

श्री रेड्डी ने एलआईडीसीओपी नाइलेक्स परिसर स्थित इंस्टीट्यूट में कहा कि एफडीडीआई कौशल विकास, मानक निर्धारण, नवाचार को बढ़ावा देने और फुटवियर एवं लेदर उद्योग में भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने बताया कि भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा फुटवियर उत्पादक देश है, जहां प्रतिवर्ष 2.5 अरब से अधिक जोड़ी जूते बनाए जाते हैं।

इस क्षेत्र का बाजार आकार 26 से 30 अरब अमेरिकी डॉलर के बीच है और यह लगभग 45 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करता है, जिनमें अधिकांश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) से जुड़े हैं।

मंत्री ने कहा कि हाल के वर्षों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती और निर्यात प्रोत्साहनों से भारतीय फुटवियर वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बना है। उन्होंने घरेलू विनिर्माण को मजबूत करने, कारोबार सुगमता बढ़ाने और पारंपरिक शिल्पकला को संरक्षित रखते हुए 'लोकल टू ग्लोबल' ब्रांडिंग को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

श्री रेड्डी ने एफडीडीआई द्वारा एकीकृत डिजिटल सेवा मंच शुरू किए जाने की भी सराहना की और इसे एक ऐतिहासिक पहल बताया, जिसके माध्यम से परीक्षण, प्रमाणन, परामर्श, डिजाइन इन्क्यूबेशन, कौशल विकास और अंतरराष्ट्रीय परियोजना सहयोग जैसी सेवाएं एक ही संस्थागत ढांचे के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि यह दीक्षांत समारोह एफडीडीआई की उद्योग विकास, नवाचार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बंडारू दत्तात्रेय ने रायथु बाड़ी एग्री शो – 2026 का दौरा किया

आधुनिक कृषि तकनीकों को सराहा

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार को हैदराबाद के एनटीआर स्टेडियम में आयोजित रायथु बाड़ी एग्री शो – 2026 के तीसरे संस्करण का दौरा किया। इस कृषि प्रदर्शनी में उन्होंने आधुनिक खेती, नवीन तकनीकों और किसानों के कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों का अवलोकन किया।

प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न स्टालों का भ्रमण करते हुए दत्तात्रेय ने कृषि क्षेत्र में आ रहे तकनीकी बदलावों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे मंच किसानों को नई मशीनों, जैविक खेती के तरीकों और स्मार्ट सिंचाई प्रणालियों से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और प्रदर्शकों से बातचीत कर उत्पादकता बढ़ाने वाली तकनीकों की जानकारी ली।

दत्तात्रेय ने इस अवसर पर कहा कि भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए खेती को लाभप्रद बनाना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू करने और तकनीक के माध्यम से खेती को नया आयाम देने की अपील की। उन्होंने मरायथु बाड़ीफके आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल किसानों का मनोबल बढ़ता है, बल्कि उन्हें एक ही छत के नीचे खेती से जुड़ी तमाम नई जानकारियाँ उपलब्ध होती हैं।

एनटीआर स्टेडियम में आयोजित इस शो में बड़ी संख्या में किसान, कृषि उपकरण निर्माता और विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। यह एग्री शो हैदराबाद में कृषि क्षेत्र के सबसे बड़े आयोजनों में से एक बनकर उभरा है।

सीएम रेवंत के उकसाने पर पुलिस ने भाजयुमो नेताओं के साथ की गाली-गलौज और मारपीट

भाजपा ने भाजयुमो नेताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा की

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एन रामचंदर राव ने भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष गणेश कुंडे और पार्टी के दूसरे नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है।

श्री राव ने कहा कि भाजयुमो के विरोध-प्रदर्शन का मकसद नयी दिल्ली में एआई ग्लोबल समिट के दौरान कांग्रेस पार्टी के बर्ताव की निंदा करना था, जिससे पार्टी के अनुसार देश की बदनामी हुई और कांग्रेस के खिलाफ लोगों में गुस्सा फैला।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने भाजयुमो नेताओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट में शामिल पुलिस अधिकारियों को तुरंत निलंबित करने की मांग की। उन्होंने उन अधिकारियों के खिलाफ समय पर जांच और सख्त कार्रवाई की भी मांग की, जिन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था और उन पर राज्य सरकार को खुश करने के इरादे से काम करने का आरोप लगाया।श्री राव ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा केंद्र की सत्ता में एक राष्ट्रीय पार्टी है और आरोप लगाया कि कुछ अधिकारी निष्पक्ष कानून लागू करने की बजाय कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरह बर्ताव कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उकसाने पर पुलिस ने भाजयुमो नेताओं के साथ गाली-गलौज और मारपीट की।

तेलंगाना जेल विभाग का खंडन: आतंकी संपर्कों वाली मुलाकातों की खबरें निराधार

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना जेल विभाग के उप महानिरीक्षक डी. श्रीनिवास ने शनिवार को उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें दावा किया गया था कि हैदराबाद की केंद्रीय जेलों के कैदियों ने आतंकी हमलों की योजना बनाने के लिए संदिग्ध व्यक्तियों से मुलाकात की है।

क्षेत्रीय समाचार चैनलों पर चल रही खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए डीआईजी ने स्पष्ट किया कि हैदराबाद के प्रमुख इलाकों में आतंकी हमलों की साजिश रचने के लिए कैदियों और आतंकी लिंक वाले व्यक्तियों के बीच मुलाकात या इंटरव्यू होने की खबरें पूरी तरह से गलत हैं।

इंटेलिजेंस एजेंसियों ने दी क्लीन चिट

डीआईजी श्रीनिवास के अनुसार, जेल अधिकारियों और संबंधित खुफिया एजेंसियों के साथ गहन सत्यापन के बाद यह पुष्टि हुई है कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ऐसी कोई विश्वसनीय खुफिया जानकारी नहीं मिली है जो समाचार स्क्रॉल में लगाए गए अवैध गतिविधि या साजिश के आरोपों की पुष्टि करती हो।

जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि केंद्रीय जेलों में सभी मुलाकातें स्थापित जेल नियमों और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार ही आयोजित की जाती हैं।

'' सत्यापन प्रक्रिया: जेल आने वाले प्रत्येक आगंतुक का गहन सत्यापन, दस्तावेजीकरण और निगरानी की जाती है।

कुकटपल्ली के मोबाइल स्टोर में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शहर के व्यस्त इलाके केपीएचबी कॉलोनी स्थित एक मोबाइल फोन स्टोर में शनिवार को अचानक आग लग गई। इस घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव और अफरा-तफरी का माहौल बन गया।मिली जानकारी के अनुसार, आग एक कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के ग्राउंड फ्लोर पर स्थित मोबाइल शॉप की बिजली आपूर्ति लाइनों में लगी। देखते ही देखते लपटों ने स्टोर के अंदरूनी हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया।आग लगने की सूचना मिलते ही स्थानीय फायर स्टेशन के कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। दमकल विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, जिससे आग को कॉम्प्लेक्स की अन्य दुकानों तक फैलने से रोक लिया गया।शुरुआती जांच में बिजली की लाइनों में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण माना जा रहा है। हालांकि, अधिकारी अभी भी आग लगने के सटीक कारणों और इससे हुए कुल नुकसान का आकलन करने में जुटे हैं। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन स्टोर में रखे मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है।

कार्टून कॉर्नर

श्री विमलसागर सुरीश्वरजी का चातुर्मास हैदराबाद में करने को स्वीकृती

हैदराबाद, 21 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आज जारी प्रेस विज्ञप्ति देते हुए श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के मंत्री दिलीप श्रीश्रीमाल ने बताया की गदग कर्नाटक मे विराजित पुज्य आचार्य पद्मसागर सुरीश्वरजी के विद्वान क्रांतिकारी संत पुज्य आचार्य विमलसागर सुरीश्वरजी महाराज साहेब, पुज्य गणीवर्य पद्मविमल सागरजी म.सा. आदि ठाणा का आगामी 2026 का चातुर्मास (वर्षावास) करने की विनंती को लेकर श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ फीलखाना के तत्त्वावधान मेंहैदराबाद सिकंदराबाद कोरा त्रयनगर के आगेवानो, सदस्यों का समूह पुज्य आचार्य श्री के दर्शन वंदन कर चातुर्मास की जोरदार विनंती रखी। श्री संघ की विनंती को स्वीकार करते हुए पुज्य आचार्य भगवंत ने 2026 का चातुर्मास करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान की! इस विनंती को स्वीकार करने से उपस्थित सभी हर्ष से भगवान के जयकारा के साथ झूमने नाचने लगे।पुज्य आचार्य भगवंत विमलसागर सुरीजी ने बताया की 2012 से लगातार विनंती की जा रही थी , लगभग 14-15 वर्ष के बड़े समय के पश्चात पुज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से चातुर्मास की स्वीकृति दे रहा हूँ पुज्य आचार्य श्री ने बताया की मै चारो संप्रदाय, एवं सभी गच्छ का हूं, मैं जिनशाशन का हु, जिनशाशन को मानने वाले सभी को जिनवाणी के श्रवण के द्वारा उनकी आत्मा को पवित्र बनाना मेरा उद्देश्य है ! आज की युवा पीढ़ी को जागृत करके उन सभी की आत्मा का उद्धार करने हेतु हैदराबाद आ रहा हु ! इस चातुर्मास मे सभी को एकता के साथ मिलजुलकर चातुर्मास की आराधना मे जुड़ना है ! पुज्य आचार्य श्री ने चातुर्मास प्रवेश हेतु अषाढ सुद 2 गुरुवार 16-07-2026 का शुभ मुहूर्त प्रदान किया है ! इस अवसर पर श्री महावीर स्वामी जैन श्वेतांबर संघ के ट्रस्टी एवं चातुर्मास प्रधान संयोजक मोहनलाल बागरेचा, दौलतराज भोजानी, महेंद्र कवाड, भरत पालरेचा, सुरेश दोशीमुथा, अमृतलाल भोजानी , मुकेश कुमार चौहान, महेंद्र सिंघी, अशोक विनायकिया, अशोक बंदामुथा, संघवी अशोक बागरेचा, प्रकाशमल भंडारी, सुरेन्द्र उमरावमल भंडारी, भवरलाल बागरेचा , बाबूलाल बागरेचा, बाबुलाल सोलंकी, संघवी गौतम बागरेचा, कुंदनमल सालेचा, नेमीचंद श्रीश्रीमाल, धर्मचंद सालेचा, अशोक कवाड, अविनाश भंडारी , आकाश बागरेचा, गौतम श्रीश्रीमाल, CA विक्रम श्रीश्रीमाल, रमेश श्रीश्रीमाल, पुखराज कवाड , गौतम श्रीश्रीमाल जोटा, ललित बालड, प्रवीण श्रीश्रीमाल, मुकेश बागरेचा, जीतेन्द्र भंडारी, दिनेश देवड़ाधोका, विक्रम ळळु, अरविन्द बागरेचा, गौतम भोजानी, संदीप भोजानी, मुकेश कोठारी, अभिषेक बागरेचा , विक्रम बंदामुथा, सुरेश अंगारा, ललित परमार, मनोहर देवड़ाधोका, नरेश बागरेचा, सम्पतराज , मुकेश ढेलडीया, मुकेश ओस्तवाल, ऋषभ मेहता, महेश ओस्तवाल, राणमल, महेंद्र विनायकिया, प्रमोद हुंडीया, रतन भंडारी एवं अन्य उपस्थित रहे ।

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

विहिका अग्रवाल
(सुपुत्र : श्रीमती श्रद्धा - श्री सुमित अग्रवाल)
के जन्मदिन के अवसर पर
श्री जगदीशप्रशादजी राजेन्द्रकुमारजी अग्रवाल विद्यानगर
वितरण स्थल : मेट्रो पिल्लर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

बैठक

हमारे जीजाजी
श्री गुरुदयाल जी अग्रवाल
(सुपुत्र : साहजी स्व.श्री जगन्नाथ जी अग्रवाल)
स्वर्गवास : 19 फरवरी 2026
बैठक आज रविवार, 22 फरवरी 2026 को अपराह्न 3 से 5 बजे तक हमारे निवास स्थान दोमलगुडा पर रखी गई है।
शोकसंतप्त : महेश कुमार, बजरंगलाल, नरेंद्र कुमार, अशोक कुमार, रविंद्र कुमार, सुरेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, अरविंद कुमार, सतीश कुमार, संदीप कुमार एवं समस्त कानोडिया परिवार
फर्म : घनश्यामदास महेश कुमार
(JYOTI MEDICAL GROUP)
"निर्मला सदन", 1-2-597/25/A, बर्फबाग कॉलोनी, लोअर टैंक बंड, दोमलगुडा, हैदराबाद. फोन: 9949950148, 9246524400

॥ श्री आई माताय नमः ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ श्री खेतलाजी नमः ॥
श्री आई माता मंदिर (बडेर) जीडिमेटला हैदराबाद

जय माता दी
जय माता दी
ध्वजारोहण समारोह
सोमवार, दि. 23 फरवरी 2026
शोभा यात्रा : प्रातः 9-15 बजे मंदिर से गाजे-बाजे के साथ रवाना होकर श्री आई माताजी मंदिर तक आयेगी।
श्री आई माता मंदिर पर श्री बाबुलालजी, सुनीलजी, संतोषजी चोयल परिवार एवं श्री शीतला माता मंदिर पर श्री हुक्मारामजी, राकेशजी, राजेशजी सोलंकी परिवार के करकमलों द्वारा पूजा-अर्चना के बाद प्रातः 10-15 बजे ध्वजारोहण कार्यक्रम होगा
निवेदन : समाज बन्धुओं एवं भक्तों से निवेदन है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सहभागी बनकर कार्यक्रम का लाभ लेवें
निवेदक : कार्यकारिणी समिति, सीरवी समाज, जीडिमेटला, हैदराबाद
अध्यक्ष : रावतराम बर्फा 9849829443 सचिव : प्रेम पंवार 9849486982
AAI MAA ADS

आज का अल्पाहार
राधे राधे ग्रुप

मिशिका मेहता मितांश मेहता
(सुपुत्री / सुपुत्र : Ln चेतन मेहता - LL हेमाली मेहता)
के जन्मदिन के अवसर पर
मधुकान्त मेहता - सरोज मेहता (दादा-दादी)
वितरण स्थल : भू-लक्ष्मी माता गौशाला, बेगम बाज़ार
SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234
JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311
RAM PRAKASH GOEL 93910 14283
MAHESH AGARWAL 98490 98502

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.